जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 वर्षः 15 संख्याः 156 प्रभात चूरू, मंगलवार 3 अक्टूबर, 2023 पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री की जयंती पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सचिन पायलट शामिल हुए।

इस बार तेरे या मेरे नाम पर टिकट नहीं मिलेगा-पायलट

पायलट ने यह भी कहा कि, सरकार कार्यकर्ताओं के दम पर बनती है

- महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के बाद मीडिया के साथ बातचीत में सचिन पायलट ने कहा कि, चुनाव जीतना ही एक मात्र क्राइटैरिया है तथा एस.सी./एस.टी. ओ.बी.सी. व माइनॉटिरी को पहले से ज्यादा प्राथमिकता दी जाएगी।
- पायलट ने राजस्थान में गठबंधन से इंकार किया व कहा कि, इंडिया एलायंस राष्ट्रीय स्तर पर है, राजस्थान में सिर्फ दो पार्टियां हैं, कांग्रेस और भाजपा।

जयपुर, 2 अक्टूबर (का.प्र.)। राजस्थान विधानसभा के लिए टिकट देने के लिए प्रत्याशियों के चयन पर कांग्रेस में मंथन चल रहा है। इस मुद्दे पर सोमवार को सचिन पायलट ने, प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर गांधी और शास्त्री जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि, राजस्थान में प्रत्याशी के लिए केवल चुनाव जीतना ही एकमात्र क्राइटीरिया तय किया गया है। जब फाइनल लिस्ट आएगी तो पहले से ज्यादा युवाओं, एससी- एसटी, ओबीसी माइनॉरिटी सबको प्राथमिकता देंगे, लेकिन जिताऊ को इग्नोर नहीं कर सकते हैं। पायलट ने कहा कि, इस बार "ये तेरा या मेरा" के नाम पर टिकट नहीं मिलेंगे। पायलट ने स्पष्ट किया कि, कांग्रेस आलाकमान पूरी तरह से गंभीर है कि कैसे जिताऊ उम्मीदवार को टिकट दिया जाए।

सचिन पायलट ने यह भी कहा कि, सरकार कार्यकर्ताओं के दम पर बनती है। कांग्रेस का कार्यकर्ता उत्साहित है वह जानता है कि, भविष्य हमारा है। नौजवानों, किसानों और कार्यकर्ताओं के मन में जो अभिलाषा है वह तभी पूरी होगी जब कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी। उन्होंने कहा कि सरकार पार्टी के कार्यकर्ता बनाती है, पार्टी के कार्यकर्ता व नेता के दम पर हम जनता तक सरकार की बात पहुंचाते हैं, सरकार का निर्माण करते हैं और राजस्थान में सरकार और संगठन मिलकर काम कर रहे हैं, तभी जनता भी विश्वास कर रही है। उन्होंने कहा कि, कांग्रेस पार्टी पहले से ज्यादा मजबूत है, पार्टी कार्यकर्ताओं को साध रही है, जहां कहीं भी हमें छोटा-मोटा कोई करैक्शन करना पड़ रहा है उसे हम लगातार करैक्ट कर रहे हैं और इस बार राहुल गांधी का फोकस व्यक्तिगत रूप से राजस्थान पर ही है। राजस्थान में गठबंधन को लेकर सचिन पायलट ने इन्कार करते हुए अकेले चुनाव लड़ने की वकालत की है। उन्होंने कहा कि, इंडिया अलायन्स राष्ट्रीय स्तर पर है, लेकिन राजस्थान में हमेशा मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच होता है।

राजस्थान में कांग्रेस मजबूत है क्योंकि अपने दम पर पूर्ण बहुमत की सरकार बना सकती है। पार्टी छोड़कर गए नेताओं को लेकर पायलट ने कहा कि, चुनाव के समय कुछ लोग पार्टी छोड़ेंगे कुछ जॉइन भी करेंगे। यह निजी निर्णय होता है। यह सही है या गलत, इस पर मैं बोलना नहीं चाहता, लेकिन राजस्थान में कांग्रेस पार्टी मजबूत है और जीतने की स्थिति में है।

डिज़ाइन बॉक्स के अरोड़ा की भारी तरफदारी की भंवर जीतेन्द्र सिंह ने

डोटासरा को जीतेन्द्र सिंह ने सलाह दी कि, लड़ाई छोड़ कर डिज़ाइन बॉक्स राजस्थान में और काम दें

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। ऐसी खबर है कि गांधी परिवार के साथ घनिष्ठ पारिवारिक संबंध रखने वाले कांग्रेस के एक सीनियर नेता ने राजस्थान के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा को फोन कर कहा है कि वह डिज़ाइन बॉक्स के मुखिया अरोड़ा के साथ हुई तकरार को भूल जाएं। उन्होंने डोटासरा से यह भी कहा कि वह अरोड़ा को और काम दें।

अलवर के नेता जितेन्द्र सिंह ने यह जानकारी होने के बावजूद भी अरोड़ा की पैरवी करना जारी रखा कि डिज़ाइन बॉक्स के प्रमुख ने राहुल गांधी के लिए अपशब्द कहे थे और वह तो यहां तक कह गए थे कि राहुल नेता बनने लायक नहीं हैं और यदि पार्टी उनकी बात सुने या उनके कहने पर चले तो वह जीतने की उम्मीद नहीं रख सकती।

- डोटासरा दुविधा में हैं, क्योंकि अरोड़ा ने राहुल गांधी के बारे में बहुत अपमानजनक शब्दों का प्रयोग किया है और यह भी कहा है कि, वे नेता बनने लायक नहीं हैं।
- जीतेन्द्र सिंह ने असम के प्रभारी के रूप में, डिज़ाइन बॉक्स को कांग्रेस का चुनाव अभियान चलाने की जिम्मेदारी सौंपी थी, पर पार्टी की भारी हार हुई थी।
- दो अन्य प्रमुख नेता, हिमाचल की आशा कुमारी और उनके भाई, छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव भी डिज़ाइन बॉक्स के समर्थक बताये जाते हैं।
- जीतेन्द्र सिंह की सलाह पर ही राजस्थान में डिज़ाइन बॉक्स को चुनाव अभियान की जिम्मेदारी दी गयी है।

सूत्र बताते हैं कि जितेन्द्र सिंह जब असम के ए.आई.सी.सी. प्रभारी थे, तब उन्होंने असम के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी के चुनाव प्रचार के लिए इसी डिज़ाइन बॉक्स को हायर किया था, लेकिन उस चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह पराजित हुई थी। यह पहले ही बताया जा चुका है कि जितेन्द्र सिंह ने ही अशोक गहलोत को डिज़ाइन बॉक्स को हायर करने की सलाह दी थी।

जितेन्द्र सिंह के अलावा कांग्रेस के दो अन्य सीनियर नेताओं, हिमाचल प्रदेश की आशा कुमारी और छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री एवं उनके भाई टी.एस. सिंह देव ने डिज़ाइन बॉक्स की पैरवी करने में प्रमुख भूमिका निभाई थी। यद्यपि डिज़ाइन बॉक्स अपने काम से कांग्रेस को किसी भी राज्य में नहीं जितवा सका। क्या इन नेताओं के डिज़ाइन बॉक्स के साथ कोई बिज़नैस लिंक्स हैं? यह बात अभी भी जांच का विषय है।

सूत्र कहते हैं कि घटना और तकरार को भूल जाने की जितेन्द्र सिंह द्वारा सलाह दिए जाने के बाद आवेशित डोटासरा मीडिया में चले गए और उन्होंने एक हिंदी दैनिक को अपना साक्षात्कार दिया। राजस्थान और कांग्रेस हलकों में अब यह प्रश्न किया जा रहा है कि अरोड़ा एक ऐसी पार्टी को कैसे जीत दिलवा सकेंगे, जहां वह स्वयं ही उसके सीनियर नेताओं को अपशब्द कह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नवरात्रि में घोषित होगी राजस्थान में भाजपा की पहली लिस्ट

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। प्रधानमंत्री मोदी की मौजूदगी में केन्द्रीय निर्वाचन समिति ने रविवार को राजस्थान विधानसभा के लिए उम्मीदवारों की

- प्रत्याशियों की पहली लिस्ट को प्र.मंत्री ने मंजूरी दे दी है। इसमें वसुंधरा राजे, राजेन्द्र राठौड़, सतीश पूनिया आदि के नाम होने की संभावना है।

पहली और छत्तीसगढ़ चुनाव के लिए इसकी सूची को स्वीकृति दे दी लेकिन नामों की घोषणा 15 अक्टूबर से आरंभ होने वाले नवरात्रों में की जाएगी।

30 से ज्यादा नामों को स्वीकृति दी गई है जिनमें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, विपक्ष के नेता राजेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व भाजपाध्यक्ष सतीश पूनिया तथा सांसद दिया कुमारी गुर्जर, सुखबीर सिंह जौनपुरिया, किरोड़ी लाल मीणा तथा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक में कांग्रेस भी जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी करेगी

यह जनगणना कांग्रेस की पूर्व सिद्धारमैया सरकार (2013-18) ने करवाई थी

-लक्ष्मण वेंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। बिहार सरकार द्वारा जातीय जनगणना के तुरंत बाद कांग्रेसनीत कर्नाटक सरकार की पूर्व में सिद्धारमैया सरकार (2023-2018) द्वारा करवाई गई जातीय जनगणना की विस्तृत जानकारी उपलब्ध करवा रही है।

मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया यह संकेत दे चुके हैं कि सरकार 2015 में करवाए गए सामाजिक आर्थिक सर्वे को स्वीकार करने की सोच रही है, लेकिन बिहार सरकार द्वारा जातीय जनगणना के आंकड़े जारी करने के बाद कांग्रेस सरकार का भी रास्ता खुल गया है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ओ.बी.सी. की जातिगत जनगणना का मुद्दा उठाया है और यू.पी.ए. सरकार द्वारा करवाई गई जात आधारित

- राज्य के मुख्यमंत्री एस. सिद्धारमैया ने कहा है कि, सरकार 2015 के सामाजिक आर्थिक सर्वे (जात आधारित जनगणना) की रिपोर्ट स्वीकार करने पर विचार कर रही है।
- पर ऐसी आशंका है कि, इस रिपोर्ट के जारी होने से वोकलिग्ग व लिंगायत समुदाय नाराज हो सकते हैं, क्योंकि जात आधारित जनगणना के आंकड़ों से इन समुदायों की सही संख्या पता लग सकती है।

जनगणना की रिपोर्ट जारी न करने के लिए भाजपा को आड़े हाथों लिया है।

यह कदम भाजपा के हिन्दुत्व के गुब्बारे की हवा निकालने के लिए उठाया गया है। अब राहुल गांधी ने यह मांग की है और पहले बिहार के नेताओं नीतीश कुमार और लालू यादव ने यह मांग की थी और बाद में अन्य विपक्षी दलों ने भी मुद्दा उठाया। उम्मीद है कि इससे सबसे पिछड़ी और अन्य पिछड़ी जातियों के वोट पार्टी या गठबंधन को मिल जाएंगे क्योंकि इसमें उन्हें आरक्षण और अन्य कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिला है। विपक्षी नेता और विशेषकर राहुल गांधी ओ.बी.सी. के कल्याण के मुद्दे पर काफी मुखर रहे हैं और उन्होंने प्रश्न किया कि किस प्रकार भाजपा केवल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कास्ट सर्वे रिपोर्ट पर नौ दलों की बैठक आज

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने यह जानकारी दी

- नीतीश ने कहा कि सभी दलों से राय लेकर आगे की रणनीति तय की जाएगी।

पटना, 2 अक्टूबर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि जाति आधारित गणना की रिपोर्ट आज प्रकाशित कर दी गई और मंगलवार को अपराह्न साढ़े तीन बजे नौ दलों की बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें सबकी राय लेकर आगे की कार्रवाई की जाएगी। कुमार ने सोमवार को यहां राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर गांधी संग्रहालय परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बापू को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में कहा, जाति आधारित गणना की रिपोर्ट को पब्लिश कर दिया गया है। नौ पार्टियों की सहमति से यह सब हुआ है। उन सब पार्टियों के सामने सभी चीजों को प्रस्तुत किया जायेगा। उन्होंने कहा कि, कल ही (मंगलवार को) साढ़े तीन बजे नौ पार्टियों के लोगों के साथ हम लोग बैठक करेंगे। उसमें एक-एक चीजों का प्रजेंटेशन किया जायेगा। सबकी राय लेकर आगे कदम उठाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि, जातीय गणना के साथ-साथ एक-एक परिवार की आर्थिक स्थिति की जानकारी ले ली गई है, उसकी रिपोर्ट भी जारी होगी। अनुसूचित जाति के लोगों की संख्या बढ़ी है, उनको भी फायदा होगा। उन्होंने कहा कि, सबको लाभ मिले इसको लेकर कल की बैठक में एक-एक चीज को रखा जायेगा। कुमार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अतिपिछड़ी जातियों के लिए विश्वकर्मा योजना लागू किये जाने और बिहार में अतिपिछड़ी जातियों की संख्या बढ़ने के सवाल पर कहा कि, उन्हें यह सब पता नहीं है कि, उन लोगों ने क्या लागू किया है। बिहार में हम लोगों ने जितना काम किया है उतना आज तक कोई नहीं किया है। बिहार में किसी एक जाति नहीं बल्कि सभी जातियों के हित में काम आगे बढ़ेगा। उन्होंने मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि, वर्ष 2011 में केंद्र सरकार ने जनगणना करवाई थी लेकिन इसके 10 वर्षों के बाद जनगणना नहीं हुई है।

सीटों के बंटवारे पर मतभेद

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। विपक्ष के "इण्डिया" गठबंधन ने अपनी सहयोगी पार्टियों के बीच सीट शेयरिंग को लेकर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाए हैं, यद्यपि इसके संविधान को बने तीन महीने से अधिक हो गए हैं और गठबंधन की तीन मीटिंग्स भी हो चुकी है। इसके बजाए, मतभेद बढ़ रहे हैं, जिससे सीट

- इंडिया गठबंधन के सीटों के बंटवारे में और देरी हो सकती है, क्योंकि जिन सीटों पर सभी दल प्रत्याशी खड़े करना चाहते हैं, उन्हें लेकर विवाद बढ़ रहा है।

शेयरिंग में मुश्किलें आ सकती हैं। उन सीटों पर विवाद बढ़ रहा है जिन पर सभी पार्टियां दावा कर रही हैं। गत 13 सितम्बर को शरद पवार के दिल्ली स्थित आवास पर हुई पिछली कोआर्डिनेशन मीटिंग में चार मुद्दों पर सहमति बनी थी, लेकिन उनमें से अब तक एक ही मुद्दे पर अमल किया गया है। कांग्रेस तथा कुछ

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिहार कास्ट सर्वे: भाजपा नेतृत्व समझ नहीं पा रहा है, इसका पलटवार कैसे करे

सर्वे रिपोर्ट के अनुसार, बिहार की कुल आबादी में अति पिछड़ी व अन्य पिछड़ी जातियाँ कुल 63 प्रतिशत है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। आज दोपहर जारी हुए बिहार के जातिगत सर्वे के डेटा के प्रकाशन ने छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, राजस्थान, तेलंगाना और मिजोरम के आगामी विधानसभा चुनावों और अगले साल होने जा रहे लोकसभा चुनावों के लिए मंच तैयार कर दिया है क्योंकि विपक्ष के गठबंधन "इण्डिया" द्वारा जातिगत जनगणना के वादे के एक निर्णायक मुद्दा बनाने की उम्मीद है।

जातिगत जनगणना के आंकड़ों की घोषणा ने बिहार में जनता दल युनाइटेड एवं राष्ट्रीय जनता दल के सत्तारुढ़ गठबंधन और विपक्षी भाजपा के बीच तगड़ा वाक्युद्ध छेड़ दिया है। जद, यू नेता एवं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उसकी सहयोगी आर.जे.डी. के पितृपुरुष लालू प्रसाद यादव ने इस रिपोर्ट के प्रकाशन को जहां ऐतिहासिक बताया है, वहीं भाजपा नेताओं ने इसे एक "ढकोसले" की संज्ञा दी है।

चूंकि कांग्रेस एवं उसके नेता राहुल गांधी इस मुद्दे का भारी समर्थन कर रहे हैं, वहीं भाजपा व उसका शीर्ष नेतृत्व भौंचक्का है और उसे अभी तक यह समझ नहीं आ रहा है कि इसका पलटवार करने के लिए क्या रणनीति अपनाई जाए।

जातिगत जनगणना का मुद्दा आगामी चुनावी संघर्ष को किस प्रकार से प्रभावित करने जा रहा है, इस बात का अंदाजा इसी तथ्य से लगाया जा सकता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी सार्वजनिक सभाओं में जातिगत मुद्दे पर अधिक जोर देते रहे हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि रिपोर्ट के प्रकाशन और गांधी जयन्ती का संयोग रहा है। उन्होंने इस काम के लिए सर्वे टीम को बधाई दी। अब अगला कदम क्या? के जवाब में उन्होंने कहा

- बिहार की कुल आबादी 13.07 करोड़ से अधिक है, इसमें से 36 प्रतिशत अति पिछड़ी जातियाँ व 27.13 प्रतिशत अन्य पिछड़ी जातियाँ हैं।
- जद (यू) व राष्ट्रीय जनता दल ने कास्ट सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक होने को एतिहासिक मौका बताया, वहीं भाजपा की बिहार इकाई ने इसे ढकोसला की संज्ञा दी है।
- लेकिन, भाजपा की प्रदेश इकाई कास्ट सर्वे रिपोर्ट का श्रेय लेने की कोशिश में अवश्य जुट गई है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि, कास्ट सर्वे को हमारा पूर्ण समर्थन था, हमने ही इसे शुरू करवाया था।

कि बिहार विधानसभा की उन नौ राजनीतिक पार्टियों की एक मीटिंग आयोजित की जाएगी जिन्होंने सर्वे के समर्थन में सर्वानुमति से वोट किया था। उन पार्टियों को सर्वे के निष्कर्षों से अवगत करवाया जाएगा। पूर्व में ट्विटर के नाम से जाने वाले "एक्स" पर की गई एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि "जातिगत सर्वे ने विभिन्न जातियों की आर्थिक स्थिति के बारे में भी जानकारी उपलब्ध करवायी है और इसके डेटा के आधार पर सभी समुदायों के विकास के कदम उठाए जाएंगे।" भाजपा उन नौ पार्टियों में से एक थी जिन्होंने जातिगत सर्वे का समर्थन किया था। पूर्व मुख्यमंत्री लालू यादव ने भी सर्वे रिपोर्ट के प्रकाशन का स्वागत करते हुए कहा कि "भाजपा" के षड़यंत्रों और कानूनी बाधाओं के बावजूद यह काम पूर्ण कर लिया गया। उन्होंने "एक्स" पर पोस्ट किया कि "ये आंकड़े वंचित एवं दमन का शिकार वर्गों तथा गरीबों का उनकी आबादी के हिसाब से प्रतिनिधित्व देने के लिए देश में एक मापदंड तय करेंगे ताकि उनके विकास के लिए नीतियां बनायी जा सकें। यादव ने कहा कि केन्द्र सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि समाज के वर्गों को उनकी संख्या के हिसाब से विकास में हिस्सेदारी मिले।"

आगामी लोकसभा चुनावों में भाजपा से मुकाबले की योजना बना रहे विपक्ष के "इण्डिया" गठबंधन के एक प्रमुख व्यक्ति एवं आर.जे.डी. नेता लालू यादव ने कहा कि "हम जब वर्ष 2024 में सरकार का गठन करेंगे तब हम जातिगत जनगणना करवाएंगे।" यादव के पुत्र एवं बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि रिपोर्ट का प्रकाशन दशकों लम्बे इस संघर्ष में मील का एक पत्थर है। उन्होंने कहा कि "इस सर्वे ने ना केवल जातिगत आंकड़े उपलब्ध करवाएं हैं, बल्कि उनकी सामाजिक आर्थिक स्थिति का भी हवाला दिया है। अब सरकार इस डेटा के आधार पर संपूर्ण विकास सुनिश्चित करेगी।"

उपमुख्यमंत्री ने भाजपा को निशाना बनाते हुए कहा कि "इतिहास गवाह है कि भाजपा नेतृत्व ने किस प्रकार बाधाएं उत्पन्न करने की कोशिश की। बिहार ने एक उदाहरण प्रस्तुत किया है। बिहार ने एक रास्ता दिखाया है।" भाजपा के सीनियर नेता एवं केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सर्वे रिपोर्ट को एक ढकोसला बताते हुए कहा कि "यह सर्वे लोगों में संशय उत्पन्न करने वाला है।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी ने स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका

अमृतसर, 2 अक्टूबर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी सोमवार को निजी दौरे पर अमृतसर पहुंचे और स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका और आशीर्वाद लिया। गांधी ने सिर पर पगड़ी की जगह नीले रंग का पटका बांधा हुआ था। उन्होंने स्वर्ण मंदिर में मत्था टेकने के बाद लंगर हॉल में बर्तन सेवा की। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार गांधी का अमृतसर का यह निजी दौरा है। उनका पंजाब में पार्टी

- सिर पर नीला पटका बांधे राहुल ने लंगर हॉल में बर्तन सेवा भी की।

नेताओं से मिलने या कोई जनसभा करने का कार्यक्रम नहीं है। पार्टी के वरिष्ठ नेता राज्य की राजनीतिक परिस्थितियों विशेषकर सुखपाल सिंह खैरा की राज्य की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार द्वारा की गयी गिरफ्तारी के सम्बंध में राहुल से मिलना चाहते हैं। पार्टी नेता राहुल को उन कार्यकर्ताओं और नेताओं के बारे में भी बताना चाहते हैं, जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों में जांच शुरू करते हुए राज्य सरकार ने उन्हें जेलों में डाला है। इससे पहले राहुल गांधी का यहां अमृतसर हवाई अड्डे पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

हृदय की विशालता ही उन्नति की नींव है। –जवाहरलाल नेहरु

एक देश, एक शिक्षा

प्रधानमंत्री ने आव्हान किया है कि भारत की स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष, 2047 तक भारत देश के विश्व के विकसित राष्ट्रों में सम्मिलित कराना है। भारत की स्वतंत्रता के बाद, अब तक की यात्रा विकासशील देश के रूप में रही है। विकसित राष्ट्र बनने के लिए केवल अर्थव्यवस्था को मजबूत करना ही पर्याप्त नहीं है। यह सुनिश्चित करना भी आवश्यक है कि देश की पूरी जनसंख्या, देश की प्रगति में सक्रिय और अपनी क्षमता अनुसार पूरा योगदान दे सके। इसके लिए आवश्यक है कि देश के सभी बच्चों को समान रूप से अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा के अवसर प्राप्त हों। विश्व में कोई भी ऐसा विकसित देश नहीं है जहां के सभी बच्चों को समान शिक्षा के अवसर उपलब्ध न हों। शिक्षा में जितनी असमानता हमारे देश में में है, उतनी संभवतया किसी देश में नहीं है। सर्वाधिक समृद्ध देश अमेरिका में भी लगभग 90 प्रतिशत बच्चों को एक समान स्तर की शिक्षा प्राप्त होती है एवं वे सभी बच्चे सरकारी विद्यालयों में अध्ययन करते हैं। भारत में यह स्थिति ठीक उल्टी है। ठीक-ठाक शिक्षा भी केवल पांच प्रतिशत बच्चों को ही प्राप्त है।

शिक्षा का अधिकार कानून 2010 में आया और उसमें विद्यालयों के लिए कुछ न्यूनतम प्रावधान निर्धारित किए गए। यह खेद का विषय है कि आर टी ई कानून लागू होने के लगभग 13 वर्ष बाद एवं स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद भी भारत के लगभग 15 लाख विद्यालयों में से अधिकतम एक लाख विद्यालय ही ऐसे हैं जो आईटीआई कानून में लिखी गई विभिन्न शर्तों की पूर्ति करते हैं। शिक्षा के प्रति सरकारों की उदासीनता का ही परिणाम है कि न तो भारत का कोई भी विश्वविद्यालय दुनिया के प्रथम 100 विश्वविद्यालयों में स्थान बना पाया एवं न ही यहां की स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में कोई सुधार हो पाया है। शिक्षा के क्षेत्र में जितनी असमानता भारत में है, उतनी किसी अन्य देश में नहीं है। दोनों प्रकार की शिक्षा व्यवस्था का एक विहंगम दृश्य प्रस्तुत करना पाठकों के लिए उपयोगी होगा।

दृश्य एक-- शहर के किसी कच्ची बस्ती अथवा गांव का राजकीय विद्यालय कुछ इस प्रकार का दिखाई देता है। पास में गंदे पानी का नाला बह रहा हो। आसपास, गाय भैंस, बकरियां आदि जानवर मुक्त रूप से विचरण करते हों। जहां पर दो कच्चे पक्के छोटे कमरे हों। बिजली की नियमित व्यवस्था न हो। खेल के मैदान का तो प्रश्न ही नहीं। बालिकाओं के शौचालय न हों। शिक्षक इक्का-दुक्का ही वहां पद स्थापित हों और वे भी अपनी इच्छा अनुसार कभी-कभार विद्यालय आते हों। अनुपस्थित अध्यापकों के बारे में पता करने पर बताया जाए कि वे कोई सूचना देने शिक्षा अधिकारी के कार्यालय गए हैं। बच्चों के बैठने के लिए न बेंच की व्यवस्था हो न टेबल कुर्सी की। पीने का पानी नहीं हो। अधिकांश विद्यालयों में बैठने के लिए फटी हुई टाट पट्टी हो। एक-एक कमरे में दो-तीन कक्षा के विद्यार्थियों को इकट्ठा करके अलग-अलग समूह में बैठा दिया गया हो, और एक ही शिक्षक सबको एक साथ पढ़ाने का उपक्रम करता हो।

इस प्रकार के विद्यालयों में शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी 5-7 वर्ष की तथाकथित स्कूली शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी न तो सरल अंकगणितीय गणना कर सकते हैं, न ही सरल हिंदी में लिख-पढ़ या समझ सकते हैं। इसकी पुष्टि 'प्रथम' संस्थान द्वारा किए गए शिक्षा के स्तर के वार्षिक प्रतिवेदनों (Annual Staus of Education Report) में गत कई वर्षों से हो रही है। शिक्षा को प्राथमिकता न दिए जाने का ही परिणाम है कि शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होने के स्थान पर अधिकांश बच्चों के लिए शिक्षा के स्तर में गिरावट ही देखी जा रही है। देश के 90 प्रतिशत बच्चे ऐसे ही विद्यालयों में पढ़ रहे हैं।

दृश्य दो-- बहुत बड़ा स्कूल परिसर है। बच्चों को स्कूल की बस या कारों के द्वारा लाया जा रहा है। हरे-भरे, लंबे-चौड़े खेल के मैदान हैं। प्रत्येक क्लासरूम वातानुकूलित है, स्मार्ट बोर्ड भी है। प्रत्येक बच्चे के पास लैपटॉप है। सुसज्जित प्रयोगशाला है। सभी बच्चे साफ-सुथरी अच्छी यूनिफॉर्म में आते हैं। प्रति दस विद्यार्थियों पर एक शिक्षक है। छोटे बच्चों के लिए खेलने के लिए कई प्रकार के साधन उपलब्ध हैं। पढ़ाई के अलावा कई गैर शैक्षणिक गतिविधियां समय-समय पर आयोजित की जाती हैं। इन विद्यालयों के माता-पिता, बच्चों को घर पर पढ़ाने की क्षमता रखते हैं। स्कूलों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी है।

इस प्रकार के कुछ विद्यालय किसी ट्रस्ट या मिशनरी द्वारा संचालित हैं, किन्तु अधिकांश, व्यवसाय की तरह संचालित किए जाते हैं।

दृश्य 3-- गली मोहल्ले में खास पर शहरों की कच्ची बस्तियों में आजकल अंग्रेजी माध्यम के स्कूल खुल गए हैं, जहां पर 1000-1500 मासिक फीस ली जाती है।

इनमें तथा-कथित रूप से अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई होती है। घरों पर काम करने वाले, ड्राइवर अथवा मजदूरी करने वाले कई अभिभावकों के बच्चे इनमें पढ़ते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि निर्धन व्यक्ति भी अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा देना चाहते हैं। उनके सुनहरे भविष्य की कल्पना को साकार करने के लिए वे दिन-रात कडी मेहनत करके, अपनी कमाई में से कुछ पैसे बचा कर, बच्चों की फीस जुटाते हैं। इन विद्यालयों में पढ़ाने वाले शिक्षकों का शोषण होता है और उन्हें 5-7000 /- प्रति माह का वेतन मिलता है। ऐसे विद्यालय को चलाने वालों का मुख्य उद्देश्य शिक्षा को व्यवसाय की तरह ही चलाना है।

देश के शिक्षकों में क्षमता और प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। बस केवल स्थानांतरण के चक्कर से उन्हें मुक्त करने की आवश्यकता है। स्थानीय, सदैव उपलब्ध शिक्षक, बच्चों के भविष्य के साथ अपने भविष्य को जोड़ पाएगा बच्चों का भविष्य देश के भविष्य के साथ वैसे ही जुड़ा हुआ है।

दूसरी श्रेणी के विद्यालय जिनका उल्लेख ऊपर किया है, उन्हें चलाने वाले अधिकांश व्यवसायी होते हैं, जिन्होंने जिन्होंने शराब, पत्थर, परिवहन या रियल एस्टेट जैसे व्यवसाय से अकूत सम्पत्ति अर्जित कर शिक्षा को भी व्यवसाय की तरह चलाना प्रारंभ किया है। इस प्रकार की शिक्षण संस्थाएं, प्राथमिक विद्यालय से लेकर मेडिकल विश्वविद्यालय तक उपलब्ध हैं। शिक्षा के निजीकरण का जो दौर लगभग 30 वर्ष पूर्व प्रारंभ हुआ था, वह अब चरम पर है। अच्छी सार्वजनिक शिक्षा उपलब्ध कराने के दायित्व से सरकारों ने लगता है, मुंह मोड़ लिया है। विश्व के अधिकांश विकसित देशों में लगभग सारे विद्यालय सरकारी हैं। भारत में भी सैनिक स्कूल, नवोदय विद्यालय और केंद्रीय विद्यालय हैं जो इस बात को सिद्ध करते है कि सरकार चाहे तो अच्छे विद्यालय संचालित कर सकती है।

दृश्य एक में उल्लिखित विद्यालय अमीर, उच्च आय वर्ग के लोगों के लिए सीमित होकर रह गए हैं। स्वाभाविक है, जो विद्यार्थी ऐसे विद्यालय से निकलेंगे, वे जीवन की हर दौड़ में अन्य विद्यालयों के विद्यार्थियों की तुलना में पहले से ही कहीं आगे खड़े होंगे। उनके माता-पिता के पास पर्याप्त संसाधन होने के कारण वह उच्च शिक्षा हेतु निजी विश्वविद्यालय में प्रवेश लेकर के अपने भविष्य को संवारने में लग जाएंगे। इनमें से कई तो विदेशों में जाकर बसने की सोच लेते हैं। आजकल ऐसे विद्यार्थियों की संख्या में भी वृद्धि हुई है जो कक्षा 12वीं के बाद ही सीधे स्नातक स्तर की पढ़ाई करने के लिए विदेश चले जाते हैं। ऐसे विद्यार्थियों के विदेश में पढ़ाई हेतु प्रवेश को आसान बनाने के लिए उनके लिए आई बी का परीक्षा पाठ्यक्रम उपलब्ध कराया जाता है। इन विद्यालयों का वार्षिक शुल्क 3 लाख रुपए से 30 लाख तक का हो सकता है।

अपनी शिक्षा पर इतनी अधिक धनराशि खर्च करने के बाद, शिक्षा पूरी होते ही, उसे किस प्रकार समाज से वसूल करें, यही मुख्य ध्येय हो जाता है। ऐसा करने में, चाहे गरीब परिवारों का शोषण ही क्यों न करना पड़े? जिस प्रकार के कॉर्पोरेट अथवा निजी चिकित्सालय इस प्रकार की शिक्षा प्राप्त परिवारों के बच्चों द्वारा खोले गए हैं, वे अन्य व्यवसाय की तरह ही मुनाफा कमाने के माध्यम बनकर रह गए हैं। सबको स्वास्थ्य सुलभ कराने का सपना, जनता से दूर करने में, ऐसे निजी अस्पताल संचालकों की बहुत बड़ी भूमिका है।

प्रधानमंत्री, केंद्र सरकार एवं, शिक्षाविदों और नीति निर्धारकों को एक बात समझ लेनी चाहिए कि देश को विकसित राष्ट्र बनाने का सपना सभी परिवारों के बच्चों को अच्छी गुणवत्तापूर्ण समान शिक्षा उपलब्ध कराए बिना संभव नहीं हो सकता है। हम 142 करोड़ व्यक्तियों का देश होने का दम भरते हैं। प्रधानमंत्री जी तो कई बार अनेक स्तरों पर सर्वाधिक युवा जनसंख्या भारत में होने को बहुत महत्त्वपूर्ण बताते हैं। यह जनसंख्या, तभी भारत को मजबूत और विकसित बनाने में योगदान कर पाएगी, जब इन सबको समान रूप से अच्छी शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा। फिलहाल तो ऐसा करना कई वर्षों तक संभव नहीं लगता क्योंकि किसी भी दल द्वारा अपने चुनाव प्रचार में अच्छी और समान शिक्षा सबको उपलब्ध कराने की बात तक नहीं की जाती है। किसी भी दल के घोषणा पत्र में इस बारे में कोई उल्लेख तक नहीं होता कि वह सत्ता में आने पर सबको समान रूप से शिक्षा उपलब्ध कराएंगे।

मूलभूत सुविधाओं से वंचित विद्यालय, पर्याप्त शिक्षकों के अभाव एवं माता-पिता के शिक्षित न होने से उनके मार्गदर्शन के अभाव में, किस प्रकार के नागरिक समाज में बड़े होकर बनेंगे, उसकी कल्पना ही की जा सकती है। समाज में जिस प्रकार से अपराध और वर्ग संघर्ष बढ़ रहा है उसमें और तेजी से वृद्धि होगी, यदि हम अधिकांश जनसंख्या को अच्छी शिक्षा प्रत्येक स्तर पर प्रदान नहीं कर पाएंगे।

इसका हल केवल यही है कि सरकार अगले 10 वर्ष सबको गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने को सर्वोच्च प्राथमिकता दे। इस हेतु, आवश्यकता अनुसार पर्याप्त बजट भी उपलब्ध कराना होगा। यह कार्य केवल निजी संस्थाओं के भरोसे छोड़ देने से शिक्षा में असमानता को, सरकार, प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से बढ़ावा ही देगी। असमान शिक्षा, देश को विकसित बनाने में सबसे बड़ी बाधा है। यह बात सबको अब भी समझ में नहीं आई तो फिर विकसित राष्ट्र का सपना केवल जुमला ही बनकर रह जाएगा। जब सबको समान अच्छी शिक्षा मिलेगी, तब ही सब किसी उपयोगी कार्य में संलग्न हो पाएंगे। तब, बेरोजगारी की समस्या भी नहीं रहेगी। इसके लिए न केवल राज्य स्तर पर शिक्षा और विद्यार्थी के अनुपात को ठीक करना होगा अपितु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि समुचित रूप से प्रशिक्षित शिक्षक पर्याप्त संख्या में उपलब्ध हों। शिक्षक-प्रशिक्षण को भी आमूल चूल रूप से बदलना होगा ताकि वे बच्चों को खोजी एवं जिज्ञासु बनने हेतु प्रोत्साहित कर सकें।

सर्वाधिक उपयुक्त तो यह होगा कि प्रधानमंत्री जी अपने सार्वजनिक संबोधनों में शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करने की बात करना प्रारंभ करें एवं इस हेतु बजट की किसी भी प्रकार की समस्याओं को आड़े नहीं आने दें। हमने देखा है कि प्रधानमंत्री जी जो तय कर लेते हैं, उसे कर गुजरने की क्षमता भी रखते हैं। बस केवल उन्हें अपनी इस क्षमता और शक्ति का प्रयोग देश में समान शिक्षा प्रदान करने की दिशा में करने की आवश्यकता है।

सरकार, शिक्षा और स्वास्थ्य अपने हाथ में रखते हुए अन्य सभी क्षेत्रों में निजीकरण कर दे तो किसी को आपत्ति नहीं होगी। वैसे भी सरकार का काम व्यवसाय करना नहीं है। सरकार को कई प्रकार के व्यवसाय के कामों से अपने आप को अलग कर लेना चाहिए। जहां तक शिक्षा और स्वास्थ्य का प्रश्न है, यह मूल रूप से शासन की जिम्मेदारी है। यही वह बात है जो देश को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में मील का पत्थर सिद्ध होगी।

आशा करनी चाहिए कि आने वाले लोकसभा एवं विधानसभा के चुनाव में राजनीतिक दल, शिक्षा के महत्व को समझ कर इसे सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करने की बात अपने चुनावी घोषणा पत्र में करेंगे। शिक्षा की प्रशासनिक संरचना में भी आवश्यकता के अनुसार सारे परिवर्तन किए जाने चाहियें।

देश के शिक्षकों में क्षमता और प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। बस केवल स्थानांतरण के चक्कर से उन्हें मुक्त करने की आवश्यकता है। स्थानीय, सदैव उपलब्ध शिक्षक, बच्चों के भविष्य के साथ अपने भविष्य को जोड़ पाएगा बच्चों का भविष्य देश के भविष्य के साथ वैसे ही जुड़ा हुआ है।

आइए, हम सब मिलकर शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करने हेतु सरकारों पर दबाव बनाएं। ऐसा करके हम देश को विकसित राष्ट्र बनाने के यज्ञ में अपनी आहुति दे पाएंगे।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

नहीं थम रहे सड़क हादसे

अविनाश जोशी

सड़क हादसे जिंदगी की रफ्तार को रोक देते हैं। परिवार टूट जाते है एवम कई बार तो यह प्रश्न होता है की आगे की जिंदगी कैसे जी जाएगी। ऐसा कोई दिन नहीं गुजरता जिस दिन देश के किसी भी भाग में सड़क हादसा न हो और कुछ लोगों को जान से हाथ न धोना पड़े। अमूमन सड़क दुर्घटनाओं का शिकार होने वाले आम जन होते हैं। इसलिए वे अखबारों की सुर्खियां नहीं बन पाते, जिससे उन दुर्घटनाओं पर लोगों का ध्यान भी नहीं जाता है। अनुमानत हमारे देश में हर मिनट में एक सड़क दुर्घटना होती है और हर तीन मिनट में सड़क दुर्घटना में एक जान जाती है। दुनिया में सबसे ज्यादा सड़क हादसे भारत में ही होते हैं। जबकि चीन, रूस और अमेरिका जैसे कई देशों में भारत की अपेक्षा कहीं अधिक संख्या में कारें हैं। दुर्घटनाओं पर राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के आंकड़े दिल दहलाने वाले हैं। पिछले दस साल में सड़क हादसों में होने वाली मौतों में लगभग चालीस प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि इस अवधि में आबादी में सिर्फ बारह प्रतिशत का इजाफा हुआ है। ज्यादातर मौतें दो-पहिया वाहनों की दुर्घटना में हुई हैं और तेज व लापरवाही से वाहन चलाना उनकी वजह रही है।

आज के युग में विज्ञान ने मनुष्य का जीवन अत्यंत सरल बना दिया है उससे उतना कठिन परिश्रम नहीं करना पड़ता जितना पहले करना पड़ता था हर क्षेत्र में आज मनुष्य वैज्ञानिक उपकरणों का प्रयोग करता है वाहन भी विज्ञान की ही देन है जिसके माध्यम से आज हम एक दूसरे स्थान तक आसानी से पहुंच जाते हैं परंतु इन्हीं भावनाओं के कुछ नुकसान भी है वायु को दूषित करने के अतिरिक्त सड़क दुर्घटना भी इन्हीं वाहनों की देन है। सड़क सुरक्षा के मानकों का महत्त्व समझना और समझाना दोनों जरूरी है, क्योंकि देश में सड़क नेटवर्क का तेजी से हो रहे विस्तार, गाड़ियों की संख्या में हो रही वृद्धि और शहरीकरण का नकारात्मक पक्ष सड़क दुर्घटनाओं के रूप में सामने आ चुका है। सड़क हादसों में होने वाली मौतें और अपंगता की बढ़ती संख्या ने यह सोचने पर विवश किया है कि क्या विकास की धुरी मानी जानी वाली सड़कें मौत का प्रमुख कारण और जगह बनती जा रही हैं?

हमारी सड़कों पर वाहनों का दबाव बढ़ता जा रहा है। इस पर नियंत्रण के उचित कदम उठाए जाने चाहिए। साथ ही वाहनों की सुरक्षा के मानकों की समय-समय पर जांच होनी चाहिए। भारी वाहन और पब्लिक ट्रांसपोर्ट को परमिट दिए जाने की प्रक्रिया में कड़ाई बरती जाए। ड्राइविंग लाइसेंस के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता भी तय की जाए, साथ ही छोटे बच्चों और किशोरों के वाहन चलाने पर कड़ाई से रोक लगे। तेज रफ्तार, सुरक्षा बेल्ट का प्रयोग न करने वालों और शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई हो। स्कूलों में भी सड़क सुरक्षा से जुड़े जागरूकता अभियान चलाए जाएं, तभी भारत में सड़कों पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं पर रोक लग पाएगी।

शहरों में लालबत्ती पार करने, अधिक रफ्तार से गाड़ी चलाने और आगे निकलने की प्रवृत्ति आम है। यह दुर्घटनाओं को आमंत्रित करने जैसा है। इससे सैकड़ों लोग घायल होते और मरते हैं। इसमें यातायात पुलिस की लापरवाही कम जिम्मेदार नहीं है। वहीं हादसा होने के बाद घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाने में हुई देरी घायल व्यक्ति की मौत का बड़ा कारण है, मगर आम लोग घायल व्यक्ति की मदद के लिए आगे नहीं आते। राज्य सरकार की तरफ से घायल को तत्काल चिकित्सा और राहत पहुंचाने वाली सुविधाएं भारत में बहुत कम हैं।

पिछले कुछ सालों में भारत सरकार ने सड़क सुरक्षा संबंधी कई उपाय किए हैं। उनमें सुरक्षित बुनियादी ढांचे को प्रोत्साहित करना, जागरूकता पैदा करना, सुरक्षा कानूनों का प्रवर्तन, सड़क सुरक्षा सूचना का डेटाबेस तैयार करना जैसे उपाय शामिल हैं। इसके कुछ सकारात्मक परिणाम देखने को मिले हैं। मगर बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं ने इन सारे उपायों पर सवालिया निशान लगा दिए हैं। वजह है कि इन उपायों का पालन ठीक से नहीं कराया जा रहा है। कठोर कानून के बावजूद लोगों को उसका भय नहीं सतता, जिसका परिणाम प्रतिदिन सैकड़ों सड़क हादसों के रूप में सामने आता है। विडंबना ही कही जाएगी कि जो सुझाव सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए यातायात विशेषज्ञों द्वारा दिए जाते रहे हैं उन्हें मुस्तैदी के साथ पालन कराने के लिए यातायात पुलिस कुछ दिन तो काम करती है, लेकिन धीरे-धीरे फिर वही पुराना ढर्रा कायम हो जाता है। वरना क्या कारण है कि भारत में ही सबसे अधिक सड़क हादसे होते हैं?

विश्व के कुल वाहनों का महज दो फीसदी भारत में हैं, पर सड़क हादसों में होने वाली मौतें बारह फीसदी से ज्यादा हैं। दुनिया के तमाम देशों ने अपने कड़े सड़क कानून और जनजागरूकता अभियानों के जरिए सड़क हादसों में वृद्धि नहीं होने दी, लेकिन पिछले बीस सालों में सड़क दुर्घटनाओं की वजह से भारत में पचहत्तर फीसद से ज्यादा की वृद्धि हो चुकी है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत में कितना सड़क कानूनों का पालन किया और कराया जाता है। सड़क सुरक्षा पर जारी की गई विश्व स्थिति रिपोर्ट ने सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामले की मुख्य पांच वजहें बताई हैं। इनमें सीमा से ज्यादा तेज गाड़ी चलाना, नशे में गाड़ी चलाना, सुरक्षा पेटी न बांधना, दुपहिया चलाते वक्त हेलमेट न पहनना और बच्चों की सुरक्षा के उपायों की अनदेखी शामिल है।

इंटरनेशनल रोड फेडरेशन के मुताबिक नब्बे फीसदी हादसे ड्राइवर की गलती की वजह से होते हैं। इस पर यह सवाल उठना लाजिमी है कि क्या ड्राइविंग लाइसेंस देते वक्त कायदे से जांच-परख की जाती है? क्या सुरक्षा मानकों पर गाड़ियों की कड़ी जांच-पड़ताल होती है? ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर क्या और सख्ती होनी चाहिए? भारत में रोज तेरह सौ से ज्यादा सड़क हादसे होते हैं और हर दिन सड़क हादसों में करीब चार सौ मौतें होती हैं। सड़क हादसों में सालाना करीब बीस अरब डॉलर का नुकसान होता है।

भारत में बारह करोड़ से ज्यादा वाहन हैं और इनके चलने के लिए पर्याप्त सडकें होना जरूरी है। सवाल यह है कि क्या सड़क हादसों में होने वाली मौतों को रोका जा सकता है? जिस तरह देश-समाज की सुरक्षा वाले कानूनों का पालन महज दिखावा बन कर रह गया है वैसे ही यातायात नियमों की अनदेखी एक प्रवृत्ति बन गई है। यातायात नियमों का पालन, अतिरिक्त सावधानी, वाहन को नियंत्रित सीमा में रखना, पैदल यात्रियों का सड़क पार करते समय अतिरिक्त सावधानी बरतना, सड़कों को मानक रूप में बेहतर बनाए रखना और 'ओवरटेक' करने से बचना जरूरी है। सड़क सुरक्षा सप्ताहों में जिस तरह पुलिस यातायात नियमों के पालन के लिए लोगों को जागरूक और बाध्य करती है, वैसी जागरूकता हमारी रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन जाए, तो हादसों में कमी लाई जा सकती है।

–अविनाश जोशी,
स्वतंत्र पत्रकार एवं लेखक

बड़गांव व रघुनाथपुरा में मूलभूत सुविधाओं का अभाव

विकास कार्य नहीं होने पर वार्ड पंचों ने इस्तीफे की धमकी दी

अजमेर, (कासं)। भिनाय पंचायत समिति से कुछ ही दूरी पर स्थित ग्राम बड़गांव व रघुनाथपुरा की अच्छी खासी आबादी है। चुनाव के दिनों में नेता लोग यहां दिन भर चक्कर काटते हैं। बड़े-बड़े वादे करते हैं, लेकिन अब हालत देखें तो गांव पर तरस आता है। लेकिन न तो इस हालत को देखने के लिए नेता आते और न ही कभी कोई अफसर। विकास कार्य की कमी के चलते यह दोनों गांव पिछड़ता नजर आ रहा है। सरकार के समान विकास के वादे झूठे साबित हो रहे हैं।

ग्रामीण तो यहां तक कह रहे हैं कि उनके साथ सौतेला व्यवहार हो रहा है। गांव की सरकार यानि ग्राम पंचायत के कार्यकाल को भी करीब तीन साल गुजर चुके हैं। लेकिन गांव के हालात जस के तस है। वास्तव में कोई सुधार गांव में नहीं हुआ है।

ग्राम सुरखंड बड़ागांव के वार्ड 3 के पंच विष्णुदत्त शर्मा ने बताया कि गांव में पानी की निकासी की कोई व्यवस्था नहीं है। जिससे हर समय गांव की गलियों में गंदा पानी भरा रहता है। इसके अलावा लगभग हर गली निर्माण न होने के कारण बुरा हाल है। गांव की ज्यादातर गलियां खस्ता हाल में है। हर समय कीचड़ भरा रहता है। गांव की शायद ही कोई गली ऐसी हो जिसमें कीचड़ न भरा हो। इन सबके चलते गांव की वर्तमान स्थिति बेहद खराब है। गांव की गलियों से गुजरना भी मुश्किल हो जाता है।

ग्राम पंचायत के पांचों ने सोमवार को सचिव दुलाराम जांगिड़ को ज्ञापन सौंप कर अवगत करवाया कि

- **सचिव को सौंपा ज्ञापन, सड़क व नाली निर्माण की मांग**

ग्रामवासियों ने बड़गांव में विकास कार्य करवाने के लिए हमारे ऊपर विश्वास करके हमे वार्ड पंच चुना, लेकिन गांव में विकास कार्य नहीं होने कारण ग्रामवासियों के विश्वास पर हम खरे नहीं उतर पाए इसलिए आए दिन हमें ग्रामवासियों की गालियां व ताने सुन-सुन कर कान पक गए।

विगत तीन वर्षों से ना तो पक्का काम चला और न ही चलने की संभावना दिख रही है। ग्राम बड़गांव में नालियां, पुलिया व सीसी सड़क आदि की ग्राम बड़गांव में जरूरत होने के बावजूद पंचायत प्रशासन का ध्यान होते हुए भी आंख पर पट्टी बांध कर नजर अंदाज किया जा रहा है। जबकि ग्राम पंचायत के फंड में पैसा पड़ा है। ग्राम सभा व वार्ड सभा में प्रस्ताव लिए जाते है, लेकिन काम नहीं किया जाता है। फिर ग्राम सभा व वार्ड सभा करने का क्या महत्व सरकार द्वारा गांव में साफ सफाई पर जोर दिया जा रहा है। लेकिन सड़कें व नालियां टूटी हुई होने के कारण कीचड़ व गंदगी पूरे गांव में फैली हुई है। बार-बार इन विकास कार्यों के लिए पंचायत प्रशासन को अवगत करवाने व निवेदन करने के बाद भी चक्कर पर चक्कर दिए जा रहे हैं। कुछ कार्यों की छह माह पूर्व स्वीकृति निकालने के बावजूद भी विकास कार्य नहीं करवाया जा रहा है। प्रशासन द्वारा ग्राम रघुनाथपुरा व बड़गांव के ग्राम वासियों के साथ सोतेला व्यवहार किया जा रहा है। वार्ड पंचों ने चेतावनी देते हुए कहा कि विकास कार्यो पर 15 दिवस में स्वीकृति व स्वीकृत निकले हुए कार्यों पर काम नहीं चलाया गया तो हम सभी वार्ड पंच एक साथ इस्तीफा देंगे, जिसकी समस्त जिम्मेदारी पंचायत प्रशासन की होगी। इस दौरान वार्ड दो पदम भील, वार्ड तीन के विष्णुदत्त शर्मा, वार्ड चार के महावीर सोनी, वार्ड पांच रामकाना मेघवंशी, वार्ड छह के लाडा देवी, वार्ड सात के धनराज जाट सहित बड़ी संख्या में वार्ड पंच उपस्थित रहे। सचिव दूलाराम जांगिड़, ग्राम पंचायत बड़गांव का कहना है कि जिन कार्यों की स्वीकृति निकाली गई है, उन कार्यों को शीघ्र ही पूर्ण करवा दिया जाएगा।

"वंदे भारत ट्रेन" हादसे का शिकार होने से बची

भीलवाड़ा, (निसं)। हाईस्पीड वंदे भारत ट्रेन सोमवार सुबह बदमाशों की करतूत के चलते दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गई। घटना, गंगरार और सोनियाणा स्टेशनों के बीच हुई। गनीमत रही कि ट्रेन के पायलेट और सहायक की नजर पत्थरों पर पड़ गई, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

रेलवे सूत्रों के अनुसार, हाईस्पीड वंदे भारत ट्रेन सोमवार सुबह उदयपुर से रवाना होकर करीब साढ़े नौ बजे सोनियाणा-गंगरार रेलवे स्टेशनों के बीच इलेक्ट्रिक पोल 158/18-19 से कुछ दूरी पर पहुंची थी कि ट्रेन के पायलेट व सहायक की नजर ट्रैक पर रखे पत्थरों व ट्रैक के बीच गढ़े कीलों पर पड़ गई। चालक ने सतर्कता बरतते हुये ट्रेन को ब्रेक लगाकर इन पत्थरों व कीलों से 5-7 मीटर की दूरी पर रोक लिया। इससे यह ट्रैन दुर्घटनाठास्त होने से बच गई। यहां दोनों ट्रैक पर करीब दस मीटर की दूरी तक गिट्टी पत्थर रखे

- **बदमाशों की करतूत, यह घटना गंगरार और सोनियाणा स्टेशनों के बीच हुई**
- **पायलेट और सहायक की नजर पत्थरों पर पड़ गई, हादसा टला**

हुये मिले और दो कीलें दोनों पटरियों के बीच गढ़े हुये थे। पायलेट व सहायक ने इंजिन से उतर कर ट्रैक से पत्थर व कीले हटाये और इसकी जानकारी रेलवे अधिकारियों के साथ ही रेलवे सुरक्षा बल को दी। करीब 10 मिनिट खड़ी रहने के बाद वंदे भारत ट्रेन भीलवाड़ा के लिए रवाना हुई। रेलवे सुरक्षा बल, जीआरपी व रेलवे के अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरु की है।

रेलवे सुरक्षा बल, जीआरपी व रेलवे के अधिकारियों ने मौके पर पहुंच कर जांच शुरु की।

राशिफल मंगलवार 3 अक्टूम्बर, 2023

पंडित अनिल शर्मा

आश्विन मास, कृष्ण पक्ष, पंचमी तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2080, कृत्तिका नक्षत्र सांय 6:04 तक, वज्र योग प्रातः 8:17 तक, कौलव करण सांय 5:52 तक, चन्द्रमा वृष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-कन्या, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कन्या, बुध-कन्या, गुरू-मेष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से सांय 6:04 तक है। कुमार योग सांय 6:04 से आरम्भ होगा। आज मंगल तुला राशि में सांय 5:58 पर प्रवेश करेगा। आज कृत्तिका ओर पंचमी का श्राद्ध है। आज ईद-ए-मौलाद है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:20 से 10:48 तक, लाभ-अमृत 10:48 से 1:44 तक, शुभ 3:12 से 4:40 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 6:24, सूर्यास्त 6:08

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

वृष
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों के लिए दिन अच्छा रहेगा। मानसिक तनाव से राहत मिलेगी।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर-परिवार के कारणों के कारण भागदौड़ रहेगी।

कर्क
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। आर्थिक मामलों में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

वृश्चिक
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

धनु
अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मकर
घर-परिवार में अनावश्यक वाद-विवाद बढ़ सकते हैं। अनावश्यक धन खर्च होगा। परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। व्यावसायिक अड़चनें अभी बनी रहेगी।

कुंभ
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक परेशानियों से राहत मिलेगी।

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मंत्री ओला ने भामाशाहों का सम्मान व विकास कार्यों का लोकार्पण किया

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनू विधानसभा के ग्राम किशोरपुरा में सोमवार को विद्यालय प्रांगण में ग्रामवासियों द्वारा सड़क सुरक्षा एवं परिवहन मंत्री बृजेन्द्र ओला का अभिनन्दन एवं स्वागत किया गया।

ग्रामवासियों की ओर से किये गए भव्य स्वागत से अभिभूत मंत्री ओला ने अपने संबोधन में कहा कि उनके परिवार ने किशोरपुरा पंचायत के विकास में आज तक कोई कमी नही रखी है और आगे भी आप द्वारा विकास कार्यो से सम्बंधित किसी भी आदेश को तत्परता से पूर्ण करवाया जायेगा। पूर्व कांग्रेस जिला अध्यक्ष महेंद्र झाझड़िया की अध्यक्षता व पूर्व पार्षद भगवती डारा ,सरजीत ओला , गिड़ानिया कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष सुमेर सिंह महला,मोहरसिंह सोलाना ,पूर्व पंचायत समिति सदस्य सुनील जानू ,सुशील पायल ,पीएमओ कमलेश झाझड़िया, पूर्व सयुक्त निदेशक पितराम सिंह काला, सरपंच अनिल श्योराण के मुख्य आतिथ्य में आयोजित अभिनन्दन समारोह के दौरान मंत्री ओला ने नवनिर्मित अम्बेडकर भवन, स्मार्ट क्लासरूम, स्टेज व टीनशेड का लोकार्पण भी किया। इससे पूर्व मंत्री ओला ने नगरपरिषद झुन्झुनू के पूर्व पार्षद भगवती डारा ,पूर्व उपसभापति वीरेंद्र डारा व पुलिस निरीक्षक रविन्द्र प्रताप डारा द्वारा पूर्व उप जिला शिक्षा अधिकारी स्व. सुल्तान सिंह डारा की स्मृति में बनाये गए खेल मैदान के मुख्य द्वार का लोकार्पण भी किया।

मंत्री ओला ने डारा परिवार द्वारा बनवाये गए द्वार के लिये उन्हें साधुवाद देते हुए उनके द्वारा आगे भी गांव के विकास में सक्रिय रहने के आश्वासन की सराहना भी की। कार्यक्रम में मंत्री ओला का ग्रामवासियों व मेघवाल समाज द्वारा 31 व 21 किलो की माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर मन्त्री ओला ने विद्यालय विकास के लिये सहयोग करने वाले 21 भामाशाहों का शॉल ओढ़ाकर व माल्यार्पण कर स्वागत करते हुए उनका विशेष आभार जताया। विद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों को भी इस अवसर पर चांदी के सिक्के देकर समानित किया गया। प्रधानाचार्य चंद्रपाल सिंह डारा ने स्वागत सम्बोधन दिया और रविन्द्र प्रताप डारा ने अपने सम्बोधन में मंत्री ओला का आभार जताते हुए गांव के विकास के लिये उनके परिवार की हर समय मौजूदगी का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर धर्मपाल डारा, पूर्व उपसरपंच बजरंग, सुभाष चन्द्र, सूबेदार जलेसिह, मंगतू मेघवाल, मदन, दयाकिशन डारा, महेंद्र डारा, रणधीर, महेन्द्र मेघवाल, दलीप सिंह डारा, अशोक डारा, नरेन्द्र डारा, विक्रम सिंह डारा, बीरबल मेघवाल, मदन मेघवाल व टीम डारा के सैकड़ों सदस्यों सहित पंचायतवासी व सैंकड़ो महिलाए मौजूद रही।

मंत्री ओला ने स्वागत समारोह को संबोधित किया।

- 21 भामाशाहों का शॉल ओढ़ाकर व माल्यार्पण कर स्वागत किया

गांधी जंयती के अवसर पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

हनुमानगढ़, (निसं)। रालसा, जयपुर द्वारा स्टेट एक्शन प्लान में दिये गये निर्देशानुसार अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश हनुमानगढ़ धनपत माली, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा राजकीय सावित्री बाई फूले महाविद्यालय स्तरीय छात्रावास में गांधी जंयती के अवसर पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

न्यायाधीश धनपत माली द्वारा उपस्थित छात्राओं को बताया कि भारत के राष्ट्रिपता मोहनदास करमचंद गांधी, जिन्हें बापू या महात्मा गांधी के नाम से भी जानते है, उनके जन्म दिन 2 अक्टूबर को गांधी जयंती के रूप में मनाया जाता है। इस दिन को विश्व अहिंसा दिवस के रूप में भी मनाता है। महात्मा गांधी महान चरित्र के व्यक्ति थे, उन्होंने हमेशा सच्चाई और ईमानदारी का पक्ष लिया, उन्होंने हिंसा की निंदा की, खुद को भौतिकवादी इच्छाओं से दूर रखा और उच्च नैतिकता के मार्ग पर चले। वह तपस्वी का जीवन जीते थे। महात्मा गांधी का आदर्श वाक्य ''सादा जीवन, उच्च विचार'' था। गांधी जी कभी किसी को जात-पात से तोलकर नहीं देखते थे, उनके लिए हर व्यक्ति बराबर था।

गांधी जी की सबसे महत्वपूर्ण विरासत शांति की संस्कृति का निर्माण करना, अहिंसक असहयोग की प्रभावशीलता को साबित करना था गांधी जी नें स्वतंत्रता प्राप्ति हेतु कई आंदोलन किये और ''करो या मरो'' व ''अहिंसा परमो धर्म'' जैसे नारे दिये। हमें गांधी जयंती पर अहिंसा के मार्ग पर चलने, शांतिपूर्ण और न्यायपूर्ण काम करने का संकल्प लेना चाहिए। इस मौके पर छात्राओं द्वारा कविता, संगीत की प्रस्तुतियां दी तथा छात्रावास अधीक्षक द्वारा भी गांधी जी के जीवन पर प्रकाश डाला।

सावित्री बाई फूले छात्रावास में गांधी जंयती के अवसर पर छात्राओं को सम्बोधित करते न्यायाधीश धनपत माली।

- न्यायाधीश धनपत माली ने छात्राओं को जानकारी दी

ऑनलाइन उपस्थिति का विरोध करेंगे शिक्षक

चूरू, (कासं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने 2 अक्टूबर से शाला दर्पण शिक्षक एप्प से छात्रों व शिक्षकों की अनिवार्य उपस्थिति का विरोध करने का निर्णय लिया है। संगठन का मानना है कि विभागीय नियमानुसार प्रथम कालांश कठिन विषयों का होता है। राजस्थान के रिमोट एरिया में नेटवर्क की प्रॉब्लम रहती है। ऐसी परिस्थितियों में ऑनलाइन हाज़री करने में ही कालांश निकल जाएगा। जिला मंत्री शिवकुमार शर्मा ने बताया कि विभाग ने ना तो शिक्षकों को एंड्रॉइड मोबाइल फ़ोन उपलब्ध करवाया है और ना ही डाटा पैक की व्यवस्था की है। बिना प्रशिक्षण के यह कार्य थोपा जा रहा है, जिससे छात्रों की पढ़ाई बाधित होगी। मंडल उपाध्यक्ष कृष्ण कुमार सैनी व मण्डल संयुक्त मंत्री राजवीर सिंह ने कहा कि इससे शिक्षकों की निजता का भी हनन होता है जबकि विभाग ने साइबर सुरक्षा की भी कोई गारन्टी नहीं दी है।

- राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय ने निर्णय लिया

शिविर में 129 यूनिट रक्तदान

चिड़ावा। शहर की सूरजगढ़ बाईपास स्थित डीएसएम अस्पताल में ब्लड कैंप लगाया। शिविर आयोजन समिति के पवन शर्मा और अमित सैनी ने बताया कि शिविर में रक्तदान के प्रति युवाओं में काफी उत्साह देखने को मिला। सामाजिक कार्यकर्ता जगदीश शर्मा (शेरा) नरहड़ के जन्म दिवस पर लगे हुआ। रक्तदाताओं को भाजपा जिला महामंत्री राजेश दहिया, सूरजगढ़ विधायक सुभाष पूनिया, सुरेश भूकर, पूर्व प्रधान शेर सिंह नेहरा, पितराम काला, समाजसेवी शीशराम हलवाई, पूर्व प्रधान निहाल सिंह रणवा, रोहिताश्व रणवा, अध्यक्ष प्रमोद सागवान, रतन चौधरी, लोकेश डूडी, नगरपालिका उपाध्यक्ष अभय सिंह आदि ने सम्मानित किया। इस दौरान सरला पाठशाला की अनिता पूनिया, भाजपा नगर अध्यक्ष बाबूलाल वर्मा, पार्षद मदन डारा, सरपंच कृष्ण यादव कलगांव, प्रकाश गुर्जर, राजेंद्र भास्कर गाड़ाखेड़ा, राजेंद्र सैनी, नरेश सैनी, राधेश्याम सुखाड़िया, डॉ. देवेंद्र चाहर, डॉ. शिवा चाहर और महिलाओं ने भी बढ़कर चढ़कर भाग लिया। चंपालाल शर्मा, सोहनलाल शर्मा, जगदीश शर्मा ने सभी का धन्यवाद जताया।

सभापति पायल सैनी ने किया सी.सी. सड़कों का लोकार्पण

चूरू, (कासं)। जिला मुख्यालय पर वार्ड 55 में सभापति पायल सैनी ने तीन सीसी सड़कों का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के जन्म दिवस पर केक काटा गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश उपाध्यक्ष रफीक मंडेलिया थे। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर परिषद् सभापति पायल सैनी ने की।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि युवा नेता इरशाद मंडेलिया, कांग्रेस ओबीसी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष नारायण बालाण, शहर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष असलम खोखर, अमन ट्रस्ट के अध्यक्ष उस्मान अन्सारी, शारदा चोटिया, सद्दाम हुसैन, पार्षद प्रतिनिधि अजीज खान दिलावरखानी, पार्षद प्रतिनिधि लोकेश सैनी, पार्षद बाबु मंत्री, पार्षद प्रतिनिधि विजय सारस्वत, पार्षद विनोद खटीक, पार्षद गोकुल शर्मा, आबिद खान, तारीक नागौरी, तौफीक खान, रामेष्वर प्रसाद नायक, मण्डल अध्यक्ष हमीद खान रिसालदार, लालचंद चोटिया, राजकीय लोहिया कालेज महासचिव अनिस खान आदि थे।

इस अवसर पर सदर अख्तर अली चेजारा, सचिव अब्बास चेजारा, लालचंद चोटिया, राजकुमार चोटिया, अमित सिंधी, विक्की सिंधी, इकबाल सिसोदिया, अल्ताफ रंगरेज, इलियास सिसोदिया, कैलाश गोईन्का, शंकरलाल, महेश सिंधी, लालचंद शर्मा, सत्तार कुरैशी, उस्मान गत्री, मंगतु लुहार, अज्जु लुहार, सुलेमान मणियार, निसार खान, नौसाद खान, मुकेश कुमार, राजेश, सलीम पीए, मुस्तकीम कुरेशी, आरिफ सिसोदिया, मोहम्मद आसिफ, फैसल, कबीर, नदीम, इमरान, साजिद, सलीम गुर्जर, राजू गुर्जर, समीर गुर्जर, शकूर गुर्जर, सिकंदर गुर्जर, जाफर रंगरेज, सलिम रंगरेज सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एडवोकेट सद्दाम हुसैन ने किया। इस अवसर पर धर्मचंद सिंधी व लालचंद चोटिया ने सभी का आभार व्यक्त किया।

जिला मुख्यालय पर वार्ड 55 में सभापति पायल सैनी ने तीन सीसी सड़कों का लोकार्पण किया।

डोटासरा ने सरकार की नीतियों का संगठन के साथ तालमेल बैठाया : मुस्ताक खान

चूरू, (कासं)। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का जन्मदिन प्रदेश सचिव मुस्ताक खान ने कांग्रेसजनों की मौजूदगी में झुग्गी-झौंपड़ियों के बच्चों के साथ केक काटकर मनाया। प्रदेश सचिव मुस्ताक खान ने बताया कि झुग्गी-झौंपड़ियों में रहने वाले बच्चों के साथ भोजन करके डोटासरा की गरीब को गणेश मानकर कार्य करने की रीति-नीति के अनुसार उनका जन्म दिन मनाया है।

मुस्ताक खान ने कहा कि गोविंद सिंह डोटासरा ने सरकार की नीतियों को संगठन के साथ तालमेल बैठाकर जन-जन तक पहुंचाया एवं भाजपा नेताओं को उनके घर में जाकर घेरने की रणनीति बनाई। खान ने कहा कि इसी के सहारे कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी। पार्षद अंजनी शर्मा ने संचालन किया।

इस अवसर पर यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव महेश ढूकिया, यूथ कांग्रेस तहसील उपाध्यक्ष पुलकित चौधरी, सतीश शास्त्री, मुबारिक भाटी, अब्बास काजी, सलीम काजी, पार्षद यासिन चौहान, आबिद मोयाल, विजेन्द्र सिंह सरपंच, नरेश शर्मा, लेखराम, राजकुमार शर्मा, हरफूल, जुगल सैनी, कैलाश वाल्मीकि, लालचंद मेघवाल, ताराचंद सैनी, गोपालराम कस्वां, राहुल मुहाल, अकरम खान, ताराचंद मेघवाल, पुरूषोत्तम मेघवाल, रोहित मुहाह, मनोज नायक, तिकोल पूनिया, मखन लाल पिलानिया, जेपी कस्वां, उपेंद्र सिंह राठौड, कयूम खान, समद खान, रहमत खान, आदिल, समीर खान, साहिल, वसीम सोयल, अकरम खान, शाहाबाद, अनीश खान, फरमान खान, सोहेल खान, आसिफ खान इसेखानी, मोहसिन खान, साजिद नारू, बिलाल मोयल, जमील खान, शकील खान, फारुक खान, अयूब चौहान, राजा खान, मोहसिन खान, अरमान एलमान, शोएब एलमान, तारिक खान, इरफान खान, अमजद खान, आबिद खान, जावेद खान, अज़रूदिन खोखर, मोहम्मद तौफीक, आदिल, महबूब, तौफीक भाटी, समीर नाई, समीर काजी आदि सहित सैंकड़ों कार्यकर्ता उपास्थित रहे।

झुग्गी-झौंपड़ियों के बच्चों के साथ पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का जन्मदिन मनाते प्रदेश सचिव मुस्ताक खान।

- कांग्रेसजनों ने झुग्गी-झौंपड़ियों के बच्चों के साथ मनाया गोविंद सिंह डोटासरा का जन्मदिन

कार्यालय नगर परिषद्, झुन्झुनूं (राज.)

क्रमांकः- एफ-6 भूमि ( ) /2023-24/14 दिनांकः-30.09.2023

-: सार्वजनिक आपत्ति विज्ञप्ति :-

निम्न आवेदकों के द्वारा उनके नाम के सामने अंकित कृषि भूमि नियमन/उप विभाजन पुर्नगठन चाहने बाबत इस परिषद् में आवेदन पत्र प्रस्तुत किये गये है। वांछित स्वीकृति/आदेश जारी करने से पूर्व इस संबंध में आपति प्रकाशन की तिथि से 7 दिवस में आपतियां मय सबूत आंमत्रित की जाती है। बाद मियाद आपतियां विचारणीय नहीं होगी।

क्र. सं.	नाम आवेदक/आवेदिका	वांछित स्वीकृति का विवरण	सम्पति का विवरण जिसके संबंध में स्वीकृति चाही जा रही है	ऑनलाईन पत्रावली क्रमांक
1	मगनाराम/हरदेवाराम	कृषि भूमि नियमन	सैनिक नगर संशोधित भू.सं. 355डी का भाग का क्षेत्रफल 330.66 वर्गगज	170868
2	शिशराम/कन्हैयालाल	कृषि भूमि नियमन	शिवकॉलोनी भाग-2 भू.सं. 130 का क्षेत्रफल 168.33 वर्गगज	170657
3	रंजना/सुरेन्द्रसिंह	कृषि भूमि नियमन	सैनिक नगर भू.सं. 232बी का क्षेत्रफल 108.58 वर्गगज	170659
4	विरेन्द्र कुमार /महावीर सिंह	कृषि भूमि नियमन	विवेक नगर भू.सं. 79 का क्षेत्रफल 248.33 वर्गगज	170669
5	रघुवीर सिंह/जयकिशन	कृषि भूमि नियमन	खाजपुर रोड व इण्डाली रोड के आस पास का भाग-6 भू.सं. 131ए का क्षेत्रफल 200 वर्गगज	170544
6	बाबूलाल/छत्रपालसिंह	कृषि भूमि नियमन	सीकर रेल्वे लाईन के उत्तर का भाग भू.सं. 234 का क्षेत्रफल 233.47 वर्ग.	170707
7	राजेश कुमार/रामसिंह	कृषि भूमि नियमन	सरस्वती कॉलोनी 2क भू.सं. 43 का क्षेत्रफल 220.97 वर्गगज	170502
8	शब्बीर भाई/अब्दुल रजाक	कृषि भूमि नियमन	के के कॉलोनी भूखण्ड का क्षेत्रफल 218 वर्गगज	170446
9	मो. सलीम/शब्बीर भाई	कृषि भूमि नियमन	के के कॉलोनी भूखण्ड का क्षेत्रफल 233 वर्गगज	170447
10	मो. आदील/शब्बीर भाई	कृषि भूमि नियमन	के के कॉलोनी भूखण्ड का क्षेत्रफल 233 वर्गगज	170451
11	मो. अजहर/शब्बीर भाई	कृषि भूमि नियमन	के के कॉलोनी भूखण्ड का क्षेत्रफल 218 वर्गगज	170453
12	आरीफ/शब्बीर भाई	कृषि भूमि नियमन	के के कॉलोनी भूखण्ड का क्षेत्रफल 218 वर्गगज	170455
13	मो शरीफ/शब्बीर भाई	कृषि भूमि नियमन	के के कॉलोनी भूखण्ड का क्षेत्रफल 233 वर्गगज	170456
14	दरिया सिंह/दाताराम	कृषि भूमि नियमन	नायकॉन कॉलोनी भू.सं. 279 का भाग का क्षेत्रफल 238 वर्गगज	170794
15	सुनिता कुमारी/विजयसिंह	कृषि भूमि नियमन	सूरज कॉलेनी अणगासर रोड भाग-1 भू.सं. 146 का क्षेत्रफल 222.22 वर्ग	170716
16	तारामणी/जगदीश	कृषि भूमि नियमन	शालीमार कॉलोनी-2 भू.सं. 16 का क्षेत्रफल 263.46 वर्गगज	170658
17	मुकेश कुमार/मुकुन्दसिंह	कृषि भूमि नियमन	अफसाना जोहडा व नयासर जाने वाली रोड़ भू.सं. 38 का क्षेत्रफल 174.58 वर्गगज	170663
18	पूजा/संदीप	कृषि भूमि नियमन	शास्त्री नगर भाग-6 भू.सं. 43 का क्षेत्रफल 205.33 वर्गगज	170654
19	राकेश कुमार/मनीराम	कृषि भूमि नियमन	रोड नं. 3 के उत्तर का क्षेत्र भू.सं. 193 का भाग का क्षेत्रफल 101.11 वर्ग	170767
20	भगवती देवी/बनवारीलाल	कृषि भूमि नियमन	रोड नं. 3 के उत्तर का क्षेत्र भू.सं. 193 का भाग का क्षेत्रफल 149.33 वर्ग	170766
21	शिशराम/रामरख	कृषि भूमि नियमन	हवाई पट्टी सर्किल के आस पास भूखण्ड का क्षेत्रफल 288.50 वर्गगज	170641
22	विजय कुमार /अम्बिका महमिया	कृषि भूमि नियमन	मित्तल कॉलोनी भू.सं. 282 का भाग का क्षेत्रफल 322.10 वर्गगज	171376
23	शबीना बानो/अनवर अली	कृषि भूमि नियमन	चूरू रोड से दक्षिण और डेयरी के पास का क्षेत्र भाग-1 भू.सं. 159 का क्षेत्रफल 220 वर्गगज	171155
24	संतोष/हरलाल सिंह	कृषि भूमि नियमन	शिव कॉलोनी भाग-2 भू.सं. 69ए का क्षेत्रफल 319.40 वर्गगज	171132
25	अरसद खान/जाफर खान	कृषि भूमि नियमन	डीटीओ के आस पास का क्षेत्र-2 भू.सं. 84 का क्षेत्रफल 658.33 वर्गगज	171119
26	बिमला/प्यारेलाल	कृषि भूमि नियमन	सूरज कॉलोनी अणगासर रोड भू.सं. 59 का क्षेत्रफल 264 वर्गगज	169487
27	पुष्पा देवी/सुरेश कुमार	कृषि भूमि नियमन	खाजपुर व इण्डाली रोड़ के आस पास भाग-1 भू.सं. 145 का क्षेत्रफल 223.30 वर्गगज	171099
28	सरिता देवी/मांडूराम	कृषि भूमि नियमन	राजपूत कॉलोनी-2 भू.सं. 200 का भाग का क्षेत्रफल 137.40 वर्गगज	171090
29	सुमन देवी/सत्यपाल	कृषि भूमि नियमन	शास्त्री नगर वारिसपुरा रोड़-2 भू.सं. 52 का क्षेत्रफल 171.66 वर्गगज	171087
30	सुमन देवी/सत्यपाल	कृषि भूमि नियमन	शास्त्री नगर वारिसपुरा रोड़-2 भू.सं. 44ए का क्षेत्रफल 204.02 वर्गगज	171085
31	सुशिला/पूर्णमल	कृषि भूमि नियमन	सूरज कॉलोनी अणगासर रोड भू.सं. 19 का क्षेत्रफल 151.66 वर्गगज	170920
32	सत्यवीर सुण्डा/मंगलचंद	कृषि भूमि नियमन	अणगासर रोड व के के कॉलोनी भू.सं. 169 का क्षेत्रफल 200 वर्गगज	171093
33	सुनिता/शुभकरण	कृषि भूमि नियमन	नेपालियो के कुआ के पास भूखण्ड का क्षेत्रफल 250 वर्गगज	171153
34	रूकमा देवी/मोहर सिंह	कृषि भूमि नियमन	श्याम नगर गुढा रोड़-8 भू.सं. 231 का क्षेत्रफल 186.75 वर्गगज	150332
35	द्रोपती देवी /सत्यनारायण	कृषि भूमि नियमन	श्याम नगर गुढा रोड़-8 भू.सं. 224 का क्षेत्रफल 165.55 वर्गगज	151351
36	सन्तरा देवी/राजकुमार	कृषि भूमि नियमन	श्याम नगर गुढा रोड़-3 भू.सं. 147 का क्षेत्रफल 163.10 वर्गगज	151346
37	सुमन कुमारी /सुरेन्द्र कुमार	कृषि भूमि नियमन	श्याम नगर गुढा रोड़-3 भू.सं. 76 का क्षेत्रफल 138.65 वर्गगज	143505
38	किरन देवी/विक्रम सिंह	कृषि भूमि नियमन	श्याम नगर गुढा रोड़-7 भू.सं. 36 का क्षेत्रफल 256.66 वर्गगज	144781
39	सरिता/अनिल कुमार	कृषि भूमि नियमन	श्याम नगर गुढा रोड़-3 भू.सं. 138 का क्षेत्रफल 194.66 वर्गगज	143509
40	सुमित्रा देवी /राजेन्द्र सिंह	कृषि भूमि नियमन	लिटील फलोर स्कूल के पास भूखण्ड का क्षेत्रफल 200 वर्गगज	170910
41	सुरेश छापोला/जगदीश	कृषि भूमि नियमन	लिटील फलोर स्कूल के पास भूखण्ड का क्षेत्रफल 200 वर्गगज	170911
42	मुकेश कुमार,राजेश कुमार, प्रदीप/ गोवर्धन सिंह	कृषि भूमि नियमन	श्याम नगर गुढा रोड़-3 भू.सं. 1 का भाग का क्षेत्रफल 235.55 वर्गगज	171006
43	कैलाशचन्द /जगदीश प्रसाद	कृषि भूमि नियमन	कालू मार्केट भू.सं. 57 का भाग का क्षेत्रफल 228.08 वर्गगज	171025
44	मोहम्मद युसुफ /मो. रमजान	कृषि भूमि नियमन	कमर कॉलोनी भू.सं. 21 का क्षेत्रफल 222.22 वर्गगज	170895
45	भगवती देवी/महेशचन्द्र	कृषि भूमि नियमन	किसान कॉलोनी भू.सं. 721 का क्षेत्रफल 400 वर्गगज	170894
46	जोगेन्द्र सिंह/रामदेव	कृषि भूमि नियमन	श्याम नगर गुढा रोड़-7 भू.सं. 185 का क्षेत्रफल 191.66 वर्गगज	170893
47	इकबाल/बसीर खां	कृषि भूमि नियमन	कमर कॉलोनी भू.सं. 30 का क्षेत्रफल 161.11 वर्गगज	170875

आयुक्त
नगर परिषद्, झुंझुनूं

बैंक कर्मचारियों ने 41 लाख की राशि की हेराफेरी की

दोनों कर्मचारियों ने ऑनलाइन जुएं में 41 लाख रुपए की राशि उड़ाई

- बैंक मैनेजर ने हिण्डौन नई मंडी थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई, जांच शुरु
- 30 सितंबर को बैंक का कैश चैक करने पर 41 लाख रुपए की नगदी कम मिली

हिण्डौन सिटी, (कासं)। यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया की हिण्डौन शाखा के कर्मचारियों द्वारा 41 लाख रुपए हेराफेरी करने का मामला सामने आया है। बैंक के दो कर्मचारियों द्वारा ऑनलाइन जुएं में 41 लाख रुपए की राशि उड़ा दी गई। मामले में बैंक के मैनेजर जितेंद्र मीणा ने हिण्डौन नई मंडी थाने में बैंक कर्मचारियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

नई मंडी थाना अधिकारी बृजेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया की हिण्डौन शाखा के मैनेजर जितेंद्र मीणा ने रिपोर्ट पेश कि है कि 30 सितंबर को बैंक का कैश एसबीआई की चेस्ट बैंक शाखा में भेजने वाले थे। उस समय पाया गया कि बैंक में 41 लाख रुपए की नगदी कम है। कैश बैलेंस बुक से मिलान करने के बाद 41 लाख नगदी कमी की पुष्टि हुई। इसके बाद कैशियर से पूछताछ की तो उसने बताया कि रुपये उसने ही लिए है तथा वह उसे जल्द जमा कर देगा।

थानाधिकारी ने बताया कि प्राथमिक तफ्तीश में पता चला है कि जगदेव डागुर ऑनलाइन जुआ खेलता था। 30 सितंबर को बैंक के कैश के लेनदेन का कार्य कर्मचारी प्रेम मीना कर रहा था। जगदेव डागुर ने प्रेम मीणा के सहयोग से तीन-चार बार में 41 लाख रुपए की राशि बैंक से ली तथा उसे जुएं में लगा दिया और वापस बैंक में आकर बैठ गया। शाम को बैंक की राशि एसबीआई की चेस्ट में जमा करने के लिए जब कैश संभाला गया तो उसमें 41 लाख रुपए कम मिले। मैनेजर ने जब इन कर्मचारियों से पूछताछ की तो उन्होंने स्वीकार किया कि रुपये उन्होंने लिए है तथा पैसे जल्द आ जाएंगे। शाम को 7 बजे तक इंतजार करने के बाद भी जगदेव ने रुपये बैंक में जमा नहीं कराए तो रविवार को बैंक मैनेजर जितेंद्र मीणा ने हिण्डौन नई मंडी थाने में रिपोर्ट दर्ज कर दी। पुलिस मामले की जनता से जांच पड़ताल में जुटी है।

नर्सेज ने गांधी जयंती पर भजन कर विरोध जताया

सीकर, (निसं)। राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के तत्वाधान में सोमवार को श्री कल्याण चिकित्सालय सीकर में तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य केंद्र सीकर में नर्सेज ने गांधी जयंती के अवसर पर महात्मा गांधी को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए आमरण अनशन पर बैठे अपने प्रांतीय नेताओं के समर्थन में तथा अपनी जायज मांगों को पूरा किया जाने हेतु भजन कर सामूहिक उपवास रखा और सरकार को नर्सेज की मांगों पर संवेदनशीलता दिखाने की मांग की। आमरण अनशन पर बैठे नर्सेज नेताओं के समर्थन में विरोध प्रदर्शन लगातार जारी रखा जाएगा। नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के जिला संघर्ष संयोजक सुखवीर गोरा, सीताराम जांगिड़ तथा महिला संघर्ष संयोजिका मनोरमा थपलियाल ने बताया कि सरकार द्वारा नर्सेज की मांगों पर असंवेदनशीलता रखना खेदजनक है। तीन दिवस से सवाई मानसिंह अस्पताल जयपुर में नर्सेज का आमरण अनशन जारी है।

फिरौती मांगने के आरोपी चूरू पुलिस के हत्थे चढ़े

होटल संचालक पर फायरिंग कर फिरौती मांगने का मामला

फायरिंग कर फिरौती मांगने के मामले में फरार चल रहे आरोपियों को शांतिभंग में गिरफ्तार किया।

चूरू, (कासं)। हरियाणा के हिसार जिले में एक होटल संचालक पर फायरिंग कर फिरौती मांगने के मामले में फरार चल रहे आरोपी अमन सुरा पुत्र रतन सिंह जाट (22) निवासी थाना बरवाला जिला हिसार व राकेश उर्फ राजा पुत्र अजमेर विश्नोई (25) निवासी थाना सदर हिसार रविवार देर रात गश्त कर रही तारानगर थाना पुलिस के हत्थे चढ़ गये। जिन्हें शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

एसपी राजेश कुमार मीना ने बताया कि वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिये चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार बुटोलिया व सीओ जय प्रकाश बेनीवाल के सुपरविजन में रविवार देर रात एसएचओ नवनीत सिंह मय टीम के गश्त पर थे। इस दौरान संदिग्ध युवकों अमर सुरा व राजेश उर्फ राका को डिटेन कर शांतिभंग में गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपियों के विरुद्ध पूर्व में भी हिसार जिले में अपराधिक मामले दर्ज है। दोनों आरोपियों से संबंधित थाना से आपराधिक रिकॉर्ड प्राप्त कर थाना हिसार की सीआईए से मालूम किया तो उन्होंने दोनों का थाना सिविल लाइन हिसार के प्रकरण में 5 सितंबर से फरार होना बताया। आरोपियों ने सिविल लाइन इलाके में एक होटल संचालक पर हथियार से फायरिंग कर फिरौती मांगी थी। उसके बाद पुलिस के डर से फरार होकर चूरू आ गए। इस कार्रवाई में कांस्टेबल हीरालाल की मुख्य भूमिका रही।

जालोर व सांचोर जिले की दो विधानसभा सीटों पर हमेशा जातिगत राजनीति रहती है हावी

- दोनों पार्टियां भी जातिगत आधार पर टिकट देती आई है, लेकिन इस बार भाजपा व कांग्रेस टिकट चयन को लेकर असमंजस में नजर आ रही हैं
- भाजपा के इस गढ़ को ढहाने के लिए कांग्रेस पूरा जोर लगा रही है। ऐसे में टिकट चयन को लेकर भी बड़ी ही सतर्कता बरती जा रही है

जालोर, (कासं)। प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टी सक्रिय होकर चुनाव जीतने को लेकर रणनीति बनाने में जुटे हुए हैं। जालोर व सांचोर जिले की दो विधानसभा सीटों पर हमेशा जातिगत राजनीति हावी रहती है। वहीं दोनों पार्टियां भी जातिगत आधार पर टिकट देती आई है, लेकिन इस बार भाजपा व कांग्रेस टिकट चयन को लेकर असमंजस्य की स्थिति में नजर आ रही हैं। भाजपा के इस गढ़ को ढहाने के लिए कांग्रेस पूरा जोर लगा रही है। ऐसे में टिकट चयन को लेकर भी बड़ी ही सतर्कता बरती जा रही है।

प्रदेश में कांग्रेस व भाजपा दोनों प्रमुख दल सत्ता में आने को लेकर समीकरण बैठाने का प्रयास कर रहे हैं। जालोर विधानसभा सीट एससी होने के साथ मेघवाल जाति का बहुल होने से इस जाति के मतदाता काफी अहमियत रखते हैं। जालोर में भाजपा से वर्तमान विधायक जोगेश्वर गर्ग का टिकट लगभग तय माना जा रहा हैं। वहीं कांग्रेस से इस बार भाजपा के इस गढ़ को ढहाने के लिए मजबूत दावेदार की तलाश कर रही है। लेकिन कांग्रेस से पूर्व विधायक रामलाल मेघवाल, पूर्व जिला प्रमुख मंजू मेघवाल, एनएसयूआई की छात्रानेता सुष्मिता गर्ग को चुनाव मैदान में उतार सकती है। रामलाल मेघवाल को टिकट नहीं मिला तो वे निर्दलीय ताल ठोकने की तैयार कर चुके है। वही रामलाल मेघवाल ही गर्ग को टक्कर दे सकते हैं। लेकिन मेघवाल के राज्यसभा चुनाव के दोरान क्रॉस वोटिंग करने से आलाकमान के समक्ष उनकी छवि धूमिल जरूर हुई तथा ये ही उनको टिकट नहीं मिलने में सबसे बडा रोडा बनी हुई है। लेकिन जालोर में कांग्रेस अधरझूल में नजर आ रही है। ऐसे में एनवक्त पर कांग्रेस किसी नये चेहरे को चुनाव मैदान में उतर सकती है।

आहोर विधानसभा क्षेत्र में चौधरी व पुरोहित समाज के मतदाताओं पर प्रत्याशी के हार-जीत का फैसला निर्भर करता है। आहोर में भाजपा के वर्तमान विधायक छगनसिंह राजपुरोहित विकास कार्य करवाने में सफल नहीं हुए। वहीं जन अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर आहोर क्षेत्र में विकास कार्य करवाने में सफल जरूर हुए हैं। ऐसे में आहोर सीट वयोवृद्ध भगराज चौधरी के समय कांग्रेस की गढ रही है। भगराज के बाद कांग्रेस का कोई दमदार प्रत्याशी चुनाव मैदान में नहीं उतारने से लगातार तीन विधानसभा सीट भाजपा की झोली में जाती रही। ऐसे में कांग्रेस भाजपा के इस गढ़ को तोडने के लिए इस बार विकास कार्य करवाये है। वही दमदार प्रत्याशी की तलाश कर रही हैं। भाजपा से वर्तमान विधायक छगनसिंह व पूर्व विधायक शंकरसिंह राजपुरोहित के बीच टिकट को लेकर घमासान चल रहा है।

ऐसे में दोनो के बीच सहमति नही बनी तो भाजपा तीसरे विकल्प के रूप में किसी नये चेहरो को चुनाव मैदान में उतार सकती है वही कांग्रेस के पास अभी तक मजबूत दावेदार नही है। सवाराम पटेल कांग्रेस से दो बार इस क्षेत्र से हार चुके हैं तथा इस बार कांग्रेस भाजपा के इस गढ को ढहाने के लिए मजबूत प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतार सकती है। कांग्रेस से पहले चर्चाए थी कि पुखराज पाराशर ने इस क्षेत्र में विकास कार्य करवाये है तो चुनाव लडने के मूड में है। लेकिन पाराशर सीएम के खास होने से चुनाव के दौरान पूरा कार्य देखने से चुनाव लड़ने के मूड में नही है। ऐसे में कांग्रेस किसी नये चेहरे के रूप में चुनाव मैदान में उतार सकती है। आहोर में चौधरी व पुरोहित समाज के वोटरो के बल पर नैया पार की जा सकती है।

आर.एस.एस. व भाजपा को मैं कुछ नहीं समझता : डोटासरा

- डोटासरा ने नवसृजित बैरासर पंचायत भवन के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित किया

सुजानगढ़, (निसं)। आरएसएस व भाजपा को में कुछ नहीं समझता हूं। ये बयान एक बार फिर पीसीसी चीफ गोविन्द सिंह डोटासरा ने नवसृजित बैरासर पंचायत भवन के उद्घाटन समारोह में सम्बोधित करते हुए कही। डोटासरा ने कहा कि इस बार भाजपा को साफ कर देंगे। चूरू जिले में अब में घूस चुका हूं। यहां से राठौड़ को चुनाव हरायेंगे। भीड़ देख गद्गद हुए डोटासरा ने भीड़ का वीडियो राजेन्द्र राठौड को भेजने का कहा। इसके अलावा केन्द्र सरकार द्वारा लागू किये गये महिला आरक्षण बिल पर डोटासरा ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बिल लाने वालों को पता नहीं है कि यह बिल धरातल पर कब लागू होगा।

भाजपा की परिवर्तन यात्राओं पर निशाना साधते हुए डोटासरा ने कहा कि उनकी सभाओं में जनता से ज्यादा भीड़ नेताओं की होती है। डोटासरा ने सरपंच रामी देवी दुसाद व डॉ.रामेश्वर दुसाद द्वारा राजकीय प्राथमिक विद्यालय को उच्च माध्यमिक विद्यालय में क्रमोन्नत करने की मांग पर घोषणा करते हुए कहा कि आचार संहिता लगने से पहले बैरासर गांव की स्कूल उच्च माध्यमिक विद्यालय के रूप में क्रमोन्नत हो जायेगी। डोटासरा ने कहा कि बिना सरकार चुने ही भाजपा में दस मुख्यमंत्री बने फिर रहे हैं। डोटासरा ने कहा कि हमनें अगर कार्य किये है तो जनता हमें फिर से सत्ता में लेके आयेगी। इस अवसर पर कांग्रेस नेता पूसाराम गोदारा, पूर्व जिला प्रमुख भंवरलाल पुजारी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष इन्द्राज खीचड, विद्याधर बेनीवाल, गणेश ढाका, दीवान सिंह भानीसरिया, सरपंच संघ जिलाध्यक्ष विकास सारण, डॉ. रामेश्वर दुसाद, पंचायत समिति सदस्य रामूराम दुसाद, मनसुख गोदारा, महेन्द्र गोदारा, रूपाराम कस्वां सहित कांग्रेस के नेता मौजूद रहे। अतिथियों का माल्यार्पण व साफा पहनाकर आयोजक डॉ.रामेश्वर दुसाद द्वारा स्वागत किया गया।

डोटासरा के जन्मदिवस पर ग्रामीणों द्वारा डोटासरा से केक कटवाया गया। डोटासरा ने तलवार से केक काटा व ग्रामीणों द्वारा दी गयी बधाई पर आभार जताया। डोटासरा ने कहा कि पहली बार राजस्थान में किसान के बेटे को शिक्षा मंत्री बनाया गया। भाजपा ने वोटों के लिए साईकिल के केसरिया रंग कर दिया। वोटों के लिए चड्डी, बनियान के भी केसरिया रंग कर दिया। डोटासरा ने कहा कि इनसे वोट हासिल होने वाले नहीं है। वोटों के लिए जनता का दिल जीतना जरूरी है।

आयुर्वेद विभाग के चिकित्सकों ने की डीसीपी की मांग

अजमेर, (कासं)। दो वर्षों से शेष वंचित सीनियर संविदा आयुर्वेद डॉक्टर्स एसेसिएशन के बैनर तले सोमवार को आयुर्वेद निदेशालय अजमेर पर अनिश्चित कालीन आमरण अनशन शुरू किया। डीपीसी की मांग को लेकर पिछले लंबे समय से आयुर्वेद संविदा चिकित्सकों द्वारा धरना प्रदर्शन जिले वार दिया जा रहा है, लेकिन आयुर्वेद विभाग व राज्य सरकार ने अभी तक मांगों को पूरा करना तो दूर संज्ञान तक नहीं लिया है।

वंचित सीनियर संविदा आयुर्वेद डॉक्टर्स एसेसिएशन के पदाधिकारी डॉ. सुनील खारवाल, डॉ. देशराज डागुर सहित अन्य ने बताया कि डीपीसी मांग सहित अन्य मांगों को लेकर पिछले दो वर्षों से शेष वंचित सीनियर संविदा आयुर्वेद चिकित्सकों का धरना प्रदर्शन जारी है। उन्होंने मांग की कि आयुर्वेद विभाग (नियम 1973) के चिकित्सकों की वर्ष 2023 की सभी पेंडिंग डीपीसी एक साथ शीघ्र करवाकर विभाग में उपलब्ध करीब तीन सौ पदों को वर्तमान में भर्ती (02/2023) की प्रतीक्षा सूची में जोडक़र वंचित रहे चिकित्सकों को नियमित किया जाए।

उन्होंने कहा कि आज तक सभी आयुर्वेद अधिकारी भर्ती से वंचित रहे चिकित्सकों का स्थायीकरण न होने के कारण आगामी भर्ती में अधिकांश वंचित चिकित्सक उम्र की सीमा पार कर कर जाएंगे ऐसे में जीवन भर स्थायी नहीं हो पाएंगे। साथ ही पिछले कई वर्षों से अटकी पड़ी ग्रामीण आयुर्वेद चिकित्सकों की 272 पदों की डीपीसी भी शीघ्र करवा कर रिक्त पदों को वर्तमान भर्ती की प्रतीक्षा सूची में जोडक़र वंचित आयुर्वेद को नियमित किया जाए। उन्होंने कहा कि सभी मांगों पर आयुर्वेद विभाग तथा सरकार द्वारा अभी तक कोई संज्ञान नहीं लिया गया है। ऐसे में मजबूर होकर गांधी जयंती से आमरण अनशन शुरू किया है।

गुर्जर समाज जिला अजमेर की समाज को टिकट देने की मांग

अजमेर, (कासं)। चुनाव के मद्देनजर एमबीसी वर्ग गुर्जर समाज जिला अजमेर ने कांग्रेस और भाजपा के केंद्रीय व प्रदेश नेतृत्व को पत्र प्रेषित कर अजमेर जिले में दो विधानसभा तथा एक लोकसभा सीट पर टिकट दिए जाने की मांग की है। गुर्जर समाज जिला अजमेर प्रवक्ता भगवान सिंह गुर्जर ने बताया कि सोमवार को संत-महंत, पंच पटेल गुर्जर समाज जिला अजमेर के चिडियादास महाराज के नेतृत्व में बैठक आयोजित कर विधानसभा और लोकसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोश व कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के नाम का ज्ञापन प्रेषित किया। प्रवक्ता भगवान सिंह ने बताया कि एमबीसी वर्ग की गुर्जर जाति की आबादी प्रदेश के 16 जिलों में निवास करती है। गुर्जर समाज जिला अजमेर के संत, महंत, पंच पटेल चिडियादास महाराज ने कहा कि हर क्षेत्र में उपेक्षित होने की व्यथा को लेकर जिला गुर्जर समाज अजमेर ने एक राय होकर निश्चय किया है कि जो राजनीतिक दल गुर्जर समाज को प्रगति के पथ पर आगे बढ़ते हुए योग्य नेताओं को आगामी विधानसभा चुनावों में कम से कम 2 सीटों पर और अजमेर लोकसभा सीट पर एक प्रत्यशी घोषित करेगा, उसी दल को जिला गुर्जर समाज पूरे जिले में एकतरफा सहयोग व समर्थन करेगा।

खान व्यवसायी से 25 लाख की अवैध वसूली की मांग

- एक व्यक्ति ने पिस्टल से खान पर काम करने वाले पर मारने की नियत से गोली चलाई

पाटन, (निसं)। खान मालिकों द्वारा 25 लाख की अवैध वसूली की मांग का प्रकरण थोई थाने में दर्ज करवाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच एएसआई सीताराम को दी है। वहीं धमकी भरे पत्र से क्षेत्र के अन्य खान मालिकों में भी हड़कंप मचा हुआ है।

दर्ज प्रकरण में बताया कि नीमकाथाना के खान व्यवसायिक दौलतराम गोयल, महेंद्र गोयल की खान पर विगत रात्रि तीन लोग बाइक पर सवार होकर आए तथा खान पर काम करने वाले मक्खन लाल के हाथ में एक लिखित कागज थमाते हुए कहने लगे कि तेरे क्रेसर मलिक दौलतराम गोयल व महेंद्र कुमार गोयल को कह देना कि खान पर कांटा तुलाई मशीन चालू करने से पहले संदीप उर्फ सुखा शूटर निवासी पीथमपुरी से संपर्क कर लें तथा 25 लाख रुपए फिरौती के रुप में हमें दे दे, नहीं तो तेरे मलिक को जान से खत्म कर देंगे। तेरे दोनों मालिकों को जान से हाथ धोना पड़ेगा तथा खान भी हाथ से निकल जाएगी। उक्त व्यक्ति जोर-जोर से चिल्लाते हुए गाली-गलौज भी करने लगे। मैंने खान में काम कर रहे पुष्पेंद्र सिंह, छीतरमल, शायर धानका, बंसी खाती चौकीदार को बुलाया तथा गाली-गलौच नहीं करने के लिए कहा तो उक्त व्यक्तियों में से एक व्यक्ति ने पेंट में छुपा कर रखी पिस्टल को निकाल कर मुझे जान से मारने की नियत से मेरी तरफ गोली चलाई।

मैं तुरंत नीचे की तरफ बैठ गया जिससे पिस्टल से निकली हुई गोली मेरे सिर के ऊपर से निकल गई, जिस कारण मेरी जान बच गई। तीनों बदमाश कह रहे थे पच्चीस लाख रुपए नहीं दोगे तो खान मालिक दौलत गोयल एवं महेंद्र गोयल को जान से मार दिया जाएगा। खान मालिकों द्वारा इस प्रकरण को थोई थाने में दर्ज करवाया है। क्षेत्र में पहले भी इस तरह की कई वारदातें घट चुकी है। मक्खन लाल ने बताया कि मेरे को जो कागज दिया गया था उसमें संदीप सोलेत उर्फ सूखा शूटर पीथमपुरी व दीपक महाकाल हरिपुरा के नाम से लिखा है, जो कागज मेरे पास है।

राज्य मंत्री अशोक चांदना के गृह क्षेत्र हिंडोली में नगर पालिका की बेशकीमती जमीन पर अतिक्रमण

अतिक्रमियों के आगे प्रशासन नतमस्तक, नोटिस देकर खानापूर्ति की

- अतिक्रमियों ने खाई लगाकर गांवों को जोड़ने वाले रास्ते को बंद किया
- ग्रामीणों ने उपखंड अधिकारी को रास्ता बहाल करने का ज्ञापन सौंपा
- भूमाफियाओं से मिलीभगत कर पंचायत ने खाली भूखंड पर ही बना दिए पुश्तैनी आवास के पट्टे

हिंडोली में लोगों ने राजनीतिक संरक्षण के चलते बेशकीमती पांच बीघा जमीन पर अतिक्रमण कर लिया।

बून्दी, (निसं)। बूंदी जिले के मंत्री अशोक चांदना के विधानसभा क्षेत्र हिंडोली में इन दिनों अतिक्रमण की बाढ़ सी आ गई है। क्षेत्र के प्रभावशाली लोगों ने राजनीतिक संरक्षण के चलते एनएच 12 पर स्थिति बेशकीमती पांच बीघा जमीन पर अतिक्रमण कर लिया है। जिससे क्षेत्रीय लोगों के कुएं, खेतों, मकानों, कराड खेड़ी ,कालसो का बरडा, मोन्दोलिया का बरडा व छोटी फैक्टी जाने का रास्ता 30 फीट से सिकुड़ कर बंद सा हो गया है।

ग्रामीणों के अनुसार हिंडोली देव गुर्जर छात्रावास के सामने एन.एच 12 से होते हुए 30 फीट का आम रास्ता निकला हुआ है। दो दिन पहले अतिक्रमियों द्वारा आम रास्ते की जगह को बेचकर आम रास्ते पर जेसीबी से खाई लगवा दी व जमीन पर अतिक्रमण करते हुए सीमेंट के पिलर लगा दिये। जिससे 30 फीट का रास्ता सिकुड़ कर 12 फीट का रह गया। जिससे खेतों तक संसाधन ले जाने में लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कालसो का झोपडा के ग्रामीणों ने 17 सितम्बर को उक्त अतिक्रमण की शिकायत को लकर उपखंड अधिकारी के ज्ञापन सौंपा था, जिस पर उपखंड अधिकारी कुलदीप सिंह शेखावत ने 18 सितम्बर को पत्रांक 2308 जारी कर नगर पालिका के अधिशाषी अधिकारी को उपयुक्त कार्यवाही के आदेश दिए थे। जिसके बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। केवल मात्र नोटिस देकर खानापूर्ति कर ली है।

जानकार लोगों की माने तो उपखंड कार्यालय के पास स्थित खसरा नंबर 6326/ 2867 जो कि करोड़ों रुपए की आबादी क्षेत्र की जमीन है, जो तरमीमशुदा नगर पालिका के खाते की है। जहां पीछे कृषि भूमि एवं मजरों में आने जाने का आम रास्ता भी है। जिसको भी अतिक्रमियों द्वारा अतिक्रमण कर केवल 12 फीट का रख दिया गया है। जिस पर पंचायत समिति हिंडोली द्वारा मनरेगा कार्य के अंतर्गत ग्रेवल का कार्य भी करवाया गया था। स्थानीय लोगों द्वारा अतिक्रमण की शिकायत तहसीलदार उपखण्ड अधिकारी व नगर पालिका ईओ को कई बार की गई। प्रदेश के राज्य मंत्री अशोक चांदना का विधानसभा क्षेत्र होते हुए भी प्रशासन इसे खाली कराने में असमर्थ दिखाई दे रहा है जिसका सीधा-सीधा अर्थ यह लगाया जा सकता है कि अतिक्रमियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। इसी कारण अतिकर्मियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है उल्टा कार्रवाई करने वाले नगर पालिका ईओ को रातों-रात एपीओ कर दिया गया।

कार्रवाई नहीं होने पर क्षेत्रीय लोगों द्वारा न्यायालय की शरण लेते हुए उक्त जमीन के मामले को लेकर न्यायालय अपील की गई है जो कि विचाराधीन है। जिसकी सुनवाई मंगलवार को न्यायालय में होनी है। क्षेत्रीय लोगों की माने तो अतिक्रमी प्रभावशाली लोग हैं और इन्हें राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है जिसके चलते कोई कार्रवाई नहीं हो पा रही है।

ग्रामपंचायत द्वारा जारी पट्टों का हो भौतिक सत्यापन :- यही नहीं सरपंच व सचिव ने सारे नियम कायदों को ताक पर रखते हुए भू माफियाओं के साथ सांठगांठ कर खाली भूखंडों के ही पुश्तैनी पट्टे जारी कर दिए। जिससे राजस्व को करोड़ों रुपए की हानि हुई है। जानकार लोगों की माने तो पिछले छह-सात माह में हिंडोली ग्राम पंचायत द्वारा 1200 से ज्यादा पट्टे बनाए गए हैं अगर उनका भौतिक सत्यापन हो तो उनमें से 60 पट्टे नियम विरुद्ध पाई जाएंगे। स्थानीय लोगों ने जिला कलेक्टर से अपील की है कि उक्त जारी पट्टों का भौतिक सत्यापन कराया जाए ताकि स्थिति स्पष्ट हो सके तथा सरकार को राजस्व का लाभ मिल सके व दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

कस्बे में जिधर देखो उधर सिवायचक भूमियों पर हो रहे आवासीय व व्यावसायिक अतिक्रमण :- नए एनएच 52 से लेकर कस्बे तक खाली पड़ी सिवायचक भूमि पर अतिक्रमियों ने लूट मचा रखी है। कहीं आवासीय तो कहीं व्यावसायिक निर्माण कर के अतिक्रमण कर लिया गया है। हिंडोली थाने के पास नाथ समाज के व्यक्तियों द्वारा सिवायचक भूमि पर अतिक्रमण कर दर्जनों दुकानें बना ली है। वहीं देवनारायण छात्रावास के सामने भी अतिक्रमण कर दुकाने निर्मित करवाई जा चुकी हैं। इसी प्रकार अन्य लोगों द्वारा भी व्यावसायिक दुकानें बनाई गई है जिस पर प्रशासन आंखें मूंदे बैठा हुआ है। इन सभी स्थानों पर शिकायत करने के बाद केवल प्रशासन ने नोटिस देकर इतिश्री कर ली है। जिसका सीधा-सीधा अर्थ यह लगाया जा सकता है कि सभी अतिक्रमियों को राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है।

कुलदीप सिंह शेखावत उपखंड अधिकारी हिंडोली ने बताया कि जमीन नगर पालिका अधिकार क्षेत्र की है, इसका पूरा उत्तरदायित्व नगर पालिका का है मेरे पास मामला आया था मैंने अंतरिम रूप से काम रुकवा दिया था तथा नगरपालिका ईओ को कार्रवाई के लिए आदेश भी जारी किया था। नगर पालिका अतिक्रमण को हटाने के लिए जाब्ता मांगेगा तो मैं जाब्ता उपलब्ध करा दूंगा।

राम सिंह गुर्जर, तहसीलदार हिंडोली ने बताया कि उक्त जमीन नगर पालिका के अधिकार क्षेत्र में आती है। ई.ओ. को इस पर कार्यवाही करने का अधिकार है। वहीं नाथ समाज के व्यक्तियों द्वारा अतिक्रमण कर बनाई गई दुकानों के मामले में जमीन रिकॉर्ड में एनएचएआई के नाम दर्ज है। मामले में जांच करा कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बाइक सहित आरोपी गिरफ्तार

मण्डावरी, (निसं)। मण्डावरी थाना पुलिस द्वारा कार्रवाई करते हुए बाइक चोर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की गई मोटरसाइकिल को बरामद करने में कामयाबी हासिल की है। थानाधिकारी धर्मेंद्र मीणा ने बताया कि चरत लाल ने थाने पेश होकर बाइक चोरी का मामला दर्ज करवाया था। जिस पर मण्डावरी थानाधिकारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वाहन चोरी की वारदातों को गम्भीरता से लेते हुए टीम का गठन किया। टीम ने इलाका थाना क्षेत्र में चोरी करने वाली सक्रिय गिरोह का पर्दाफास करते हुए मुखबीर खास मामूर किया जाकर आसूचना संकलन कर आरोपी बिजेन्द्र को गिरफ्तार कर चोरी गई मोटरसाईकिल को बरामद करने में सफलता प्राप्त की है। जहां आरोपी विजेन्द्र सैनी को सोमवार को बांदीकुई स्थित अवकाशकालीन न्यायाधीश के समक्ष पेश किया गया जहां उनके आदेशों पर आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

इकबाल हत्याकाण्ड में चार गिरफ्तार

जयपुर। राजधानी परकोटा स्थित सुभाष और रामगंज इलाके में शुक्रवार देर रात को हुए इकबाल हत्याकांड के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामले में एक नाबालिग को भी निरूद्ध किया है। वहीं घटना की जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) भी गठित गई है।

पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ ने बताया कि 29 सितम्बर को इकबाल पुत्र अब्दुल मजीद निवासी 2546

- **मामले में एक नाबालिग निरूद्ध**
- **घटना के त्वरित अनुसंधान के लिये स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित**
- **शान्ति समिति व सीएलजी की मिटिंग लेकर साम्प्रदायिक सौहार्द बनाये रखने की अपील**

नमदगरों का मोहल्ला रामगंज बाजार की हत्या के संबंध में उसके भाई अलफेज मंसूरी ने सुभाष चौक थाने में हत्या का प्रकरण दर्ज करवाया था। मामले की त्वरित जांच के लिये अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त रेवन्तदान के नेतृत्व में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम का गठन किया गया है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अपराध कैलाश चन्द्र विश्नोई ने बताया कि इस हत्याकाण्ड में शामिल सभी अपराधियों की पहचान कर ली गई है। वहीं आरोपी युवराज उर्फ राज कश्यप पुत्र प्रमोद कश्यप, शुभम मेहरा उर्फ गोलू पुत्र दौलत निवासी गंगापोल सुभाष चौक व दो अन्य आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया गया है। घटना में शामिल एक विधि से संघर्षरत बालक को भी निरूद्ध किया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। उधर, इस मामले को लेकर भ्रम फैलाने वालों के खिलाफ प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए सोशल मिडिया सेल का भी गठन किया गया है।

डीसीपी नोर्थ राशि डोगरा डूडी ने बताया कि सोमवार को जोरावर सिंह गेट स्थित राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में क्षेत्र के सभी गणमान्य व्यक्तियों, शांति समिति व सीएलजी सदस्यों की मिटिंग पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसेफ की अध्यक्षता में आयोजित की गयी। जिसमें अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रथम कैलाश चन्द्र विश्नोई, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त द्वितीय कुंवर राष्ट्रदीप व जिला जयपुर उत्तर के पुलिस उपायुक्त, अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त, सहायक पुलिस आयुक्त व सभी थानाधिकारी भी शामिल हुए। सभी आम जनता से साम्प्रदायिक सौहार्द व शांति व्यवस्था बनाये रखने की अपील की गयी। उधर, दूसरी ओर सुभाष चौक इलाके और रामगंज बाजार में सहित अन्य स्थानों पर आज भी पुलिस का जाप्ता तैनात रहा।

माणक चौक इलाके में जौहरी बाजार स्थित पुरोहित जी के कटले में हमले के खिलाफ पूर्व विधायक मोहनलाल गुप्ता ने सोमवार को व्यापारियों के साथ थाने पहुँचकर रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

पूर्व विधायक मोहनलाल गुप्ता ने रिपोर्ट दर्ज कराई

जयपुर। माणक चौक इलाके में जौहरी बाजार स्थित पुरोहित जी के कटले में समुदाय विशेष के लोगों द्वारा व्यापारियों पर किये गये हमले के खिलाफ पुलिस कार्रवाई नहीं करने के विरोध में पूर्व विधायक मोहनलाल गुप्ता ने सोमवार को व्यापारियों के साथ थाने पहुँचकर रिपोर्ट दर्ज करवाई है। साथ ही उन्होंने कटले में जाकर वहां के व्यापारियों से मिलकर उनकी कुशलक्षेप जानी।

- **पुरोहित जी के कटले में व्यापारियों के प्रतिष्ठानों पर हमले किए गए थे।**

गुप्ता ने बताया कि पुलिस की अकर्मण्यता एवं निष्क्रियता के चलते असामाजिक तत्वों की हिम्मत इतनी बढ़ गई कि दिन दहाड़े हजारों की संख्या में एकत्रित होकर सबसे व्यस्तम बाजार पुरोहितजी के कटले में लूटपाट कर चले गए। वहीं पुलिस ने इस पर कोई कार्रवाई नहीं की। यह कानून व्यवस्था की शर्मनाक स्थिति को उजागर करती है। एक समुदाय विशेष पर कार्रवाई नही करने देना सरकार की दोगली नीति को दर्शाता हैं। गुप्ता ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से मांग की गहलोत राजस्थान के मुख्यमंत्री के साथ-साथ गृहमंत्री भी है, उन्हें तुरन्त लूटपाट में शामिल लोगों को गिरफ्तार करने के निर्देश देने चाहिए। गुप्ता ने कहा कि किशनपोल विधानसभा क्षेत्र के विधायक अमीन कागजी साम्प्रदायिक भेदभाव का काम कर रहे है। उन्होंने एक बार भी व्यापारियों से इनके नुकसान के बारे में जानकारी नही ली और न ही पुलिस से अपराधियों के गिरफ्तारी की बात की। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष राधाकृष्ण परवाल, पूर्व मंत्री लक्ष्मीकान्त पारीक, त्रिलोक खण्डेलवाल, मण्डल अध्यक्ष दीपक शर्मा, मुकेश शर्मा व पार्षद संजय जयसवाल सहित कई लोग मौजूद रहें।

पुरोहितजी के कटले में व्यापारियों से मिले सांसद बोहरा

जयपुर। बीते दिनों जौहरी बाजार स्थित पुरोहितजी के कटले में समुदाय विशेष के लोगों द्वारा लूटपाट एवं सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की घटना को लेकर जयपुर सांसद रामचरण बोहरा ने कटले के व्यापारियों एवं स्थानीय लोगों से मुलाक़ात की। सांसद बोहरा ने कहा कि इस तरह की घटना जयपुर के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

इससे शहर का शांतिपूर्ण माहौल एवं सामाजिक सौहार्द खराब हो रहा है। अब शहर में टूरिस्ट सीजन शुरू हो रहा है। ऐसे टाइम पर इस तरह की घटना से जयपुर आने वाले पर्यटकों की संख्या पर प्रभाव पड़ेगा। जिससे स्थानीय व्यापारियों का नुकसान होगा। सरकार को जल्द से जल्द कार्रवाई कर इस घटना में लिप्त दोषियों को गिरफ्तार करना चाहिए और इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो इसका ध्यान रखना चाहिए।

सांसद बोहरा ने मौके पर पुलिस अधिकारियों से बात कर व्यापारियों के मुकदमे जल्द से जल्द दर्ज करने और अपराधियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने के निर्देश दिए।

कार्मिकों को मिलेगी शोषण से मुक्ति

जयपुर। हर वर्ग को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध करवाने के लिए राज्य सरकार संवेदनशीलता के साथ निर्णय कर रही है। इसी क्रम में प्लेसमेंट एजेंसियों से लगे कार्मिकों को शोषण से मुक्त करवाने के लिए राजस्थान लॉजिस्टिकल सर्विस डिलिवरी कॉर्पोरेशन का गठन किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा इस सरकारी कम्पनी के गठन से प्रदेश में प्लेसमेंट एजेंसियों से कार्मिक लगाने की प्रथा बंद हो जाएगी, जिससे कार्मिकों को शोषण से मुक्ति मिलेगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में रविवार को हुई मंत्रिमंडल बैठक में यह महत्वपूर्ण और संवेदनशील निर्णय किया गया। रेक्सको की तर्ज पर गठित होने वाली आरएलएसडीसी कम्पनी से प्लेसमेंट एजेंसियों के माध्यम से राजकीय विभागों एवं अर्द्ध शासकीय संस्थानों में नियुक्त किए जाने वाले कार्मिकों को बड़ी राहत मिलेगी।

दहेज के लिए पत्नी की हत्या करने वाले को आजीवन कारावास

जयपुर, (का.सं.)। महिला उत्पीड़न मामलों की विशेष अदालत महानगर द्वितीय ने शादी के दो महीने बाद ही दहेज के लिए पत्नी हत्या करने वाले प्रागपुरा निवासी अभियुक्त पति मुखराम यादव को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर दस हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि ऐसी कुत्सित मानसिकता वाला अभियुक्त किसी तरह की सहानुभूति का पात्र नहीं है।

- **शादी के दो माह बाद ही दहेज के लिये पत्नी की हत्या का मामला**
- **अदालत ने अभियुक्त पर 10 हजार का जुर्माना भी लगाया**

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक नरेश गजराज ने बताया कि मृतका विनीता की मां पुष्पा देवी ने महेश नगर पुलिस थाने में अपने दामाद के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें कहा कि उसकी बेटी की शादी मुखराम के साथ 3 नवम्बर, 2014 को हुई थी, लेकिन शादी के तीन दिन बाद ही ससुराल वालों ने उसकी बेटी पर कम दहेज लाने का आरोप लगाकर उसे प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। ससुराल वालों ने उससे कार देने की मांग की। वहीं पिता के रिटायरमेंट के समय भी जयपुर में मकान लेने के लिए पांच लाख रुपए मांगे और नहीं देने पर मानसिक व शारीरिक तौर पर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। इसी के चलते 28 जनवरी 2015 को उसकी बेटी की महेश नगर थाना इलाके में किराए के मकान में ही संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टर्स ने विनीता की मौत गला दबाने के कारण दम घुटने से होना बताया। पुलिस ने रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पति मुखराम को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ कोर्ट में चालान पेश किया। अभियोजन की ओर से 20 गवाहों के बयान दर्ज कराए। कोर्ट ने सबूतों व गवाहों के बयानों पर अभियुक्त पति को उम्रकैद व जुर्माने की सजा सुनाई।

राज्यपाल कलराज मिश्र ने सोमवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर राजभवन में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलिदी। मिश्र ने इन दोनों विभूतियों के जीवन से प्रेरणा लेते हुए जन जन को सत्य, अहिंसा और न्याय के साथ ईमानदारी से राष्ट्र के प्रति कर्तव्य निर्वहन के आदर्शों को अपनाने का आव्हान किया है।

रीको में पेंशन के ऐरियर का भुगतान करने की मांग

जयपुर। रीको रिटायर्ड एम्पलाईज वेलफेयर ऐसोसियेशन (रीवा) की साधारण सभा की बैठक रविवार को रीको गेस्ट हाउस, मालवीय औद्योगिक क्षेत्र, जयपुर में आयोजित की गई। बैठक के बाद रीवा के प्रधान सुरेश अग्रवाल, अध्यक्ष जी. एस. शेखावत, महासचिव कृष्ण गोपाल सीपरिया ने बताया कि रीको ने 30 सितम्बर तक लगभग 625 लम्बित पीपीओ के तहत 31 पीपीओ जारी कर, अधिशाषी निदेशक, अरूण गर्ग ने अपना आश्वासन पूर्ण किया है, इसके लिये सदस्यों ने गर्ग का आभार जताया और आशा की है कि शेष पीपीओ भी शीघ्र जारी करेंगे।

बाइक सवारों के बीच झगड़े की आड़ में साम्प्रदायिक हिंसा का विरोध

जयपुर। शहर के गंगापोल क्षेत्र में 29 अक्टूबर को हुई दुर्घटना को साम्प्रदायिक रंग देने के विरोध में जयपुर बचाओ संघर्ष समिति द्वारा बुधवार को प्रात: 10 बजे बड़ी चौपड़ पर धरना दिया जाएगा।

- **जयपुर बचाओ संघर्ष समिति का बड़ी चौपड़ पर धरना**

समिति के राजकुमार शर्मा का कहना है कि बीच बचाव के दौरान आत्मरक्षा में हुई दुर्घटना को मॉब लिंचिंग का नाम देकर हिन्दू परिवारों को प्रताड़ित किया जा रहा है। घटना की आड़ में समुदाय विशेष की हिंसक भीड़ द्वारा शहर में की जा रही लूटपाट और तोड़फोड़ के विरोध में यह महाधरना दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि 29 सितम्बर 2023 को दो बाईक सवार मुस्लिम युवकों की आपस में टक्कर के बाद उनमें झगड़ा शुरू हो गया। आसपास रहने वाले लोगों ने बीच-बचाव कर झगड़ा खत्म करवाया लेकिन इसके बाद कुछ उपद्रवी घटना स्थल पर सरिये लेकर पहुंचे और हिंदुओं के साथ झगड़ा करने लगे।

शर्मा ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज में साफ देखा जा सकता है कि इस झगड़े के दौरान एक युवक ने आत्मरक्षा में हमलावर से सरिया छीन लिया और यह दुर्घटना घट गई। इसी क्रम में अगले दिन समुदाय विशेष की हिंसक भीड़ ने सड़कों पर उतर कर लूटपाट शुरू कर दी।

समिति का आरोप है कि स्थानीय विधायकों का प्रशासन पर लगातार दबाव होने के चलते पुलिस ऐसी घटनाओं में निष्पक्ष कार्रवाई नहीं कर पाती। इसीलिए इन घटनाओं के प्रति विरोध जताने के लिए समिति बुधवार को बड़ी चौपड़ पर धरना देगी।

प्रधानमंत्री जयपुर में घर ले ले, ताकि आने-जाने का समय और खर्चा बचे : खेड़ा

जयपुर, (का.प्र.)। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10वीं बार राजस्थान के दौरे पर आये तथा 5 अक्टूबर को राजस्थान का 11वां दौरा करेंगे, उन्हें प्रदेश में ही एक घर ले लेना चाहिये, ताकि बार-बार आने जाने में हो रहे सरकारी खर्च का बोझ जनता पर ना पड़े। प्रधानमंत्री यदि सत्य बोलने का प्रण लें तो यह खर्चा राजस्थान के कांग्रेस कार्यकर्ता ग्रहण करने के लिये तैयार हैं।

कांग्रेस मीडिया एवं कम्यूनिकेशन विभाग के चेयरमेन पवन खेड़ा ने जयपुर मे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के जाल में फंस गये तथा राजस्थान की कांग्रेस सरकार द्वारा लागू जनकल्याणकारी योजनाओं को अच्छा बताकर जारी रखने की बात कही। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस की सरकार ने काम किया है तथा अच्छी योजनाओं के बलबूते पर वोट भी राजस्थान की जनता कांग्रेस को ही देगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भ्रष्टाचार पर बात करने का साहस किया है लेकिन भाजपा के ही वरिष्ठतम विधायक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार में कैबिनेट मंत्री अर्जुनराम मेघवाल पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाये। उन्होंने कहा कि कैलाश मेघवाल ने कांग्रेस की सरकार अथवा कांग्रेस के किसी नेता पर भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगाये।

प्रधानमंत्री का प्रदेशाध्यक्ष जोशी को बार बार तवज्जो देना बना चर्चा का विषय

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा बार-बार इतनी तवज्जो देने की चर्चाए आजकल अक्सर सुनाई पड़ रही हैं। जयपुर में स्थित दादिया की सभा के बाद भाजपा मुख्यालय में ये अक्सर चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले जयपुर स्थित दादिया में सभा के दौरान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी को प्रधानमंत्री मोदी ने खुली जीप में बैठा कर लाए थे। वही सोमवार को प्रधानमंत्री ने सांवलियाजी में हेलीपेड से जोशी को अपने साथ में कार में बैठाकर सांवलिया सेठ मंदिर में पहुंचे। सभा स्थल तक साथ बैठाकर ले गए।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में कहा कि सीपी जोशी मेवाड़ और राजस्थान के विकास के मुद्दों को संसद में जोर शोर से उठाते हैं और आज मेवाड़ की आवाज पूरे राजस्थान में गूंज रही है। वही ये भी कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीपी जोशी को साथ रखकर साफ मैसेज कार्यकर्ताओं को दिया है कि संगठन से बड़ा कोई नहीं है। वे हमेशा से ही नेता को नहीं संगठन को तवज्जो देते हैं। किसी अन्य नेता को साथ लेकर चलने में प्रदेश में चुनावी समय में गुटबाजी बढ़ने की संभावना रहती है जिसके लिए वे संगठन को ही तवज्जो देते हैं।

बीस आई.पी.एस. अधिकारियों के तबादले

जयपुर। राज्य सरकार ने सोमवार रात एक बार फिर पुलिस विभाग में फेरबदल करते हुए भारतीय पुलिस सेवा के 20 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इनमें दो पुलिस उपमहानिरीक्षक और 6 पुलिस अधीक्षक को भी बदला है।

- **तबादलों में दो पुलिस उपमहानिरीक्षक और 6 पुलिस अधीक्षक शामिल**

इस संबंध में संयुक्त शासन सचिव अक्षय गोदारा ने आदेश जारी कर दिए हैं। आदेश के अनुसार आईपीए प्रीति चंद्रा को पुलिस उपमहानिरीक्षक आर्म्ड बटालियन जयपुर और ओमप्रकाश को पुलिस उपमहानिरीक्षक एसडीआरएफ जयपुर के पद पर लगाया है। इसके अलावा राजकुमार गुप्ता को पुलिस अधीक्षक सुरक्षा जयपुर, आलोक श्रीवास्तव को पुलिस अधीक्षक एसओजी जयपुर, पूजा अवाना को पुलिस अधीक्षक जीआरपी अजमेर, आदर्श सिधू को कमांडेंट 12वीं बटालियन, आरएएसी, नई दिल्ली, देवेन्द्र बिश्नोई को पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं, श्याम सिंह को पुलिस अधीक्षक भीलवाड़ा, नारायण टोगस को पुलिस उपायुक्त जयपुर मैट्रो रेल कॉरपोरेशन जयपुर, मनीष त्रिपाठी को पुलिस अधीक्षक केकड़ी, कृष्ण चंद को पुलिस अधीक्षक शाहपुरा, लक्ष्मण दास को पुलिस अधीक्षक साइबर क्राइम जयपुर, राजेश कुमार यादव को पुलिस अधीक्षक गंगापुरसिटी, हनुमान प्रसाद मीणा को पुलिस उपायुक्त यातायात जोधपुर कमिश्नरेट, राजेश कांवट को पुलिस उपायुक्त क्राइम जयपुर पुलिस कमिश्नरेट, नरेन्द्र सिंह मीणा को पुलिस अधीक्षक दूदू, रमेश मौर्य को पुलिस उपायुक्त (मुख्यालय) जोधपुर कमिश्नरेट, राजेन्द्र कुमार मीणा को पुलिस उपायुक्त क्राइम जोधपुर कमिश्नरेट, सुशील कुमार को कमांडेंट पांचवीं बटालियन आरएसी जयपुर और सुजीत शंकर का सहायक पुलिस अधीक्षक चौमूं जयपुर ग्रामीण के पद पर तबादला किया गया है।

मशहूर गीतकार शैलेन्द्र के नगमों से श्रोता आत्म-विभोर हुए

जयपुर, (का.सं.)। जवाहर कला केंद्र का रंगायन सभागार आज शाम हिंदी सिने जगत के मशहूर गीतकार शैलेन्द्र के भावपूर्ण और मर्मस्पर्शी नगमों का साक्षी बना। सुपर 60 क्लब से जुड़े गायक-गायिकाओं की प्रत्येक प्रस्तुति के बाद सभागार में श्रोताओं की तालियों की गूँज देर तक सुनाई दी। इस महान गीतकार की जन्मशती के मौके पर देवरञ्जनी म्यूजिक स्कूल की तरफ से आयोजित कार्यक्रम "आवारा हूँ" में प्रस्तुत गीत सीधे श्रोताओं के दिल में उतरते चले गए।

इस यादगार कार्यक्रम की शुरुआत स्व. शैलेन्द्र की अमला मजूमदार, राजस्थान के पूर्व मुख्य सचिव अशोक जैन, मशहूर संगीतकार मदन मोहन की सुपुत्री संगीता गुप्ता और बॉलीवुड स्तम्भकार पवन झा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुई। इसके बाद कार्यक्रम की संयोजक और देवरञ्जनी म्यूजिक स्कूल की निदेशक डॉ. सरिता द्विवेदी ने चारों अतिथियों को सम्मानित किया। उन्होंने कार्यक्रम में विशेष सहयोग करने वाले अनिल बजाज, आयुष कल्ला और सुधीर माथुर को भी स्मृति चिन्ह प्रदान किये। तीन घंटे चले इस कार्यक्रम का प्रारम्भ शीर्षक गीत "आवारा हूँ" से हुआ और अंत में "जीना यहाँ मरना यहाँ" पेश किया गया। इस दरमियाँ जहां मैं जाती हूँ, गाता रहे मेरा दिल, बोल रे कठपुतली, मेरे मन की गंगा, किसी की मुस्कुराहटों पर, ओ रे माझी, पिया तोसे नैना लागे, सजनवा बैरी हो गए हमार, सजन रे झूठ मत बोलो, मेरा नाम राजू, प्यार हुआ इकरार हुआ सहित 27 कालजयी और अमर गीत प्रस्तुत किये गए। शैलेन्द्र के कुछ सुप्रसिद्ध गीतों को एक अलग अंदाज़ में पेश किया गया जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया।

जवाहर कला केंद्र का रंगायन सभागार में सोमवार शाम को सुपर 60 क्लब से जुड़े गायक-गायिकाओं ने हिंदी सिने जगत के मशहूर गीतकार शैलेन्द्र के नगमों की प्रस्तुति दी।

मंदिर में चाकू मारकर चौकीदार की हत्या

जयपुर । बनीपार्क में एक मंदिर परिसर में अज्ञात लोगों ने चौकीदार की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। बताया जा रहा है कि लहूलुहान हालत में चौकीदार किसी तरह रोड तक पहुंचा और राहगीरों को चाकू लगने की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस को सूचित कर लोगों ने चौकीदार को गंभीर हालत में सैटेलाइट अस्पताल पहुंचाया, जहां उसकी हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने सवाई मानसिंह अस्पताल रैफर कर दिया गया। जहां एसएमएस अस्पताल में चौकीदार ने सोमवार सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। फिलहाल हमलावर का पुलिस सुराग नहीं जुटा पाई है। हमलावर की शिनाख्त के लिए पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस ने बताया कि मूलत: आगरा का रहने वाला सुनील ठाकुर (35) बनीपार्क स्थित पार्क में बने सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में चौकीदार का काम करता था और जेडीए ठेकेदार के जरिए यहां देखरेख के काम में लगा था। उस पर रविवार रात को किसी अज्ञात लोगों ने

- **बनीपार्क क्षेत्र में हुई सनसनीखेज घटना**
- **हमलावर ने चाकू से गला काटकर गार्ड को लहुलुहान कर दिया था**

धारदार हथियार से हमला कर उसका गला काट दिया। परिचितों ने उसे बनीपार्क सैटेलाइट अस्पताल पहुंचाया। जहां गंभीर हालत में उसे सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचार के दौरान सोमवार को उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है। परिवार के लोग शव लेकर आगरा रवाना हो गए हैं। पुलिस की प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि रविवार रात कोई शख्स पार्क में बेंच पर सो रहा था। जहां चौकीदार सुनील ठाकुर ने उसे टोका तो उस शख्स ने उस पर धारदार हथियार से हमला कर दिया और उसका गला काट दिया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के आधार पर हमलावर की शिनाख्त में जुटी है। इसके साथ ही एफएसएल टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय पार्षद रवि प्रकाश सैनी व अन्य लोग मौके पर इकठ्ठा हो गए। उन्होंने हमलावर की गिरफ्तारी की मांग को लेकर नारेबाजी की। इसके अलावा भाजपा पूर्व विधायक अरुण चतुर्वेदी ने भी इस घटना को लेकर रोष जताया और पुलिस से इस वारदात का जल्द खुलासा करने की मांग की है। साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी। वहीं मृतक के परिजनों को मुआवजा देने की भी मांग की जा रही है। बनीपार्क थानाधिकारी महेश चंद ने बताया कि चौकीदार पर मंदिर परिसर में हमले की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो खून ही खून फैला नजर आया। पुलिस ने एफएसएल टीम को मौके पर बुला कर सबूत जुटाए। एफएसएल जांच के बाद मंदिर परिसर में फैले खून को साफ कर दिया है।

सांप्रदायिक उन्माद फैलाने वाला गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। शास्त्री नगर इलाके में रविवार रात हंगामा करने और साम्प्रदायिक उन्माद फैलाने वाले युवक रामपूजन उर्फ अब्दुला पुत्र रामलाल शेख (35) निवासी खान जहांपुर (उत्तरप्रदेश) को पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर दिया। पुलिस ने बताया कि फसीउद्दीन निवासी रामगंज बाजार जयपुर ने लिखित शिकायत दी थी कि रविवार को शास्त्री नगर स्थित मैरिज गार्डन आरसी सेन्टर में विवाह के रिसेप्सन था। रात करीब साढ़े 10 बजे एक व्यक्ति आया और उनसे धार्मिक किताब छीनकर फाड़ दी और कहा कि यह किताब किसी काम की नहीं है। युवक के इस कृत्य से इस्लाम धर्म की भावनाओं को ठेस पहुंची है।

पुलिस ने मामले की गंभीरता और मौके पर उपजे तनाव को देखते हुए मौके पर भारी जाप्ता तैनात किया। उधर समुदाय विशेष के लोगों ने युवक को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर थाने का घेराव कर दिया था। शास्त्री नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर एहतियातन सुरक्षा के लिहाज से अतिरिक्त जाब्ता मौके पर बुलाया। सोमवार को पुलिस ने आरोपी युवक को पकड़कर गिरफ्तार कर लिया।

आवासन कर्मचारी संघ का अनशन आज

जयपुर (कासं)। राजस्थान आवासन बोर्ड, कर्मचारी संघ के आव्हान पर राजस्थान आवासन बोर्ड कर्मचारी संघ के प्रदशे अध्यक्ष दशरथ कुमार एवं प्रदेश महामंत्री प्रदीप शर्मा के नेतृत्व में 11 कर्मचारी 3 अक्टूबर से अनशन पर बैठेंगे । संघर्ष समिति के संयोजक रमेश चन्द शर्मा एवं संयुक्त महासचिव गोविन्द नाटाणी ने बताया कि 3 अक्टूबर से प्रदेश स्तर पर मुख्यालय पर 11 पदाधिकारियों द्वारा क्रमिक अनशन शुरू किया जायेगा। महामंत्री प्रदीप शर्मा ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा मण्डल से गलत तरीके से 1000 हजार करोड़ रूपये लिये जा रहे है, वर्तमान में मण्डल की 2700 करोड रूपये देनदारियां है, और मण्डल कोष में मात्र 1500 करोड़ रूपये है। इस सम्बन्ध में मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव को विगत दिनों में ज्ञापन दिया गया। राज्य सरकार द्वारा 300 करोड़ रूपये लिए जा चुके है। कई करोड़ रूपये की छूट दी जा चुकी है। करोडों रूपयों की जमीन पर सिटी पार्क का निर्माण कराया जा रहा है। मण्डल की भूमि अवाप्ति के प्रकरणों पर सरकार निर्णय नहीं कर पा रही है। परन्तु सरकार अपने अनीतिपूर्ण निणयों पूर्ण करने पर अडिग है जिसका मण्डल कर्मचारियों द्वारा जोर शोर से विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। संघ अध्यक्ष दशरथ कुमार ने प्रशासन एवं राज्य सरकार से आवासन बोर्ड को राजकीय विभाग करने की मांग करते हुये कहा कि यदि राज्य सरकार मण्डल कार्मिकों को राज्य सरकार का कर्मचारी घोषित कर दे ताकि कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा की गारंटी रहे।

व्यापारी से 28 लाख रुपए ठगे

जयपुर (कासं)। विद्याधर नगर थाना इलाके में एक शातिर युवती ने व्यापारी हनीट्रैप में फंसाकर लाखों रुपए की धोखाधड़ी कर ली। युवती से परेशान होकर व्यापारी ने पिता से सहित तीन जनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार विद्याधर नगर इलाके में रहने वाला 44 वर्षीय पीड़ित व्यापारी ड्राई फ्रूट का व्यापार करता है। आरोप है कि वर्ष 2019 शिंवागी नाम की युवती को कारोबार संभालने के लिए काम पर रखा था। जिसके बाद कोरोना काल में व्यापार काफी प्रभावित हो गया, लेकिन पीड़ित ने फिर भी किसी को काम से नहीं निकाला। कुछ दिन बाद पीड़ित के पैर का ऑपरेशन हुआ। अस्पताल में भर्ती रहने के दौरान शिंवागी ने काफी पैसो का गबन किया।

पीड़ित ने शिंवागी को नौकरी से हटाने के लिए कहा तो शिंवागी ने काफी मांगते हुए काम पर लौट आई। शिंवागी ने कारोबारी को खाने में नशे की चीज मिलाकर दी और नशे की हालत में आपत्तिजनक फोटो खींच कर उसे ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और 28 लाख रुपए हड़प लिया। पैसे लेने के बाद भी 20 लाख रुपए की और डिमांड कर दी। रोज-रोज की ब्लैकमेलिंग से परेशान होकर पीड़ित ने विद्याधर नगर थाने पहुंचकर महिला के विरूद्ध मामला दर्ज कराया।

डिग्गी में संत की हुई निर्मम हत्या का एक महिने बाद भी नहीं हुआ खुलासा

पदभार संभाल कर पुलिस उपाधीक्षक ने भूरिया आश्रम का जायजा लिया

मालपुरा, (निसं)। धर्म नगरी डिग्गी के भूरिया महादेव आश्रम में 93 वर्षिय संत सियाराम बाबा की 29 अगस्त की रात्रि को हुई निर्मम हत्या को 34 दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस प्रशासन संत के हत्यारों का सुराग लगा गिरफ्तार करने में सफल नहीं होने से संत समाज व सनातन धर्म के लोगों मे गहरा आक्रोश बढता जा रहा है।

- 29 अगस्त की रात्रि को हुई थी संत की निर्मम हत्या
- पुलिस के हाथ खाली, आश्रम में रखी हुई है संत की अस्थियां

सोमवार को पुलिस उपाधिक्षक चक्रवर्ती सिंह राठौड़ ने कार्यभार संभालते ही संत सियाराम बाबा की हुई निर्मम हत्या की फाईल को हाथ में ले डिग्गी पहुंचकर भूरिया महादेव आश्रम व घटनास्थल सहित आसपास की 200 मिटर सीमा का बारीकी से मौका निरीक्षण कर जायजा लिया।

धार्मिक तीर्थस्थल पर 93 वर्षिय संत की रात के अंधेरे मे आश्रम पर निर्मम हत्या करने तथा संत समाज द्वारा हत्यारो की गिरफ्तारी होने के बाद ही संत समाज की परम्पराओं के अनुरूप संत की अस्थियो को गंगाजी मे विसर्जित करने व संत भंडारे का आयोजन करने की घौषणा के बाद अजमेर रैंज आईजी लता मनोज कुमार ने डिग्गी पहुंच घटना स्थल का जायजा ले एसपी राजर्षि राज वर्मा को मामले मे निष्पक्ष व त्वरित जांच एवं कार्यवाही के निर्देश देने के बावजूद 34 दिन बीत जाने के बावजूद भी पुलिस को हत्यारों का कोई सुराग नहीं लगना व हत्यारों की गिरफ्तारी नहीं होना पुलिस की कार्य प्रणाली पर सवालियां निशान लगा रहा है।

पुलिस उपाधीक्षक चक्रवर्ती सिंह राठौड़ ने डिग्गी के भूरिया महादेव आश्रम का जायजा लिया।

बाप पालिका क्षेत्र में सरकारी भूमि पर हो रहे अतिक्रमण

तहसीलदार ने पटवारी से रिपोर्ट मांगी

बाप, (निसं)। विधानसभा चुनावों की सरगर्मियां भले ही शुरू नहीं हुई हो, लेकिन अतिक्रमण की बाढ़ सी आने लगी है। सरकारी भूमि पर धड़ल्ले से अतिक्रमण कर पक्के निर्माण करवाये जा रहे है। कानासर चौराहे पर हाइवे किनारे व कस्बे के अंदर जाने वाली सड़क पर केबिनें डालकर वहां कब्जा जमाने की होड़ मची हुई है। शिकायत मिलने पर सोमवार को बाप तहसीलदार ने दो जगह अवैध रूप से किये जा रहे निर्माण कार्य रूकवा उन्हे पाबंद किया है। साथ ही तहसीलदार ने हल्का पटवारी से अवैध कब्जे चिन्हित कर उनकी रिपोर्ट तीन दिन में देने को कहा है।

- तहसीलदार ने दो जगह अवैध रूप से किये जा रहे निर्माण कार्य को रूकवाया

जानकारी के अनुसार बाप नगर पालिका क्षेत्र में सरकारी भूमि पर भू-माफिया बुलंद हौसलों के साथ अतिक्रमण कर रहे हैं। बाप नगर पालिका अध्यक्ष लीलादेवी पालीवाल द्वारा उपखंड प्रशासन को इस संबध में शिकायत की गई थी। जानकारी के अनुसार प्रशासन को तालाब की पाल की खुदाई कर वहां पक्का निर्माण करने, बिजली घर के पिछे तथा राजकीय महाविद्यालय के सामने हो रहे अतिक्रमण की शिकायत मिली थी। जिस पर प्रशासन सक्रिय हुआ तथा तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट शिव प्रसाद शर्मा, पटवारी अबदेश कुमार, पटवारी जितेंद्र मीणा तथा सहायक प्रशासनिक अधिकारी दिनेश पालीवाल व बाप पुलिस जाम्बा के साथ मौके पर पहुंचे।

तहसीलदार शर्मा ने बताया कि बाप कस्बे में तालाब की पाल खोद कर निर्माण कार्य करवाया जा रहा था, जिसे भी बंद करवाया तथा निर्माण नहीं करने के लिए हिदायत भी दी। डोलियो की ढाणी में सरकारी भूमि पर अवैध रूप से पक्का निर्माण कार्य करवाया जा रहा था, जिसे बंद करवाया। वहां मकान निर्माण में लगे मजदूरा को कार्य नहीं करने की हिदायत भी दी। उन्होंने बताया कि बाप हल्का पटवारी को भी पाबंद किया कि सरकारी भूमि पर अभी तक हुये अतिक्रमणों को चिन्हित कर उसकी तीन दिन में रिपोर्ट प्रस्तुत करें।

निवेश के नाम पर नकदी हड़पी

उदयपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भूखण्ड बेचने का झांसा देकर पीड़ित से नकदी हड़पने का मामला दर्ज किया है।

पीड़ित सुन्दर देवी पत्नी हीरालाल जाट निवासी कूरज राजसमन्द हाल झरनों की सराय ने आरोपी रतनलाल कुमावत पुत्र उदयलाल कुमावत निवासी धोली मगरी बेडवास के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया कि मेरे पति ठोकर पर पानी पतासा का थेला लगाते है। आरोपी से संपर्क होने पर उसने धोलीमगरी में एक भूखण्ड बेचने का प्रस्ताव रखा। इस पर 10 लाख 51 हजार में सौदा तय होने के बाद 2019 से आरोपी को टुकड़ों में 8 लाख 51 हजार रूपये का भुगतान कर दिया। गत दिनों रजिस्ट्री करवाने की बात कहने पर टालम टोल करना शुरू कर दिया। शंका होने पर पता चला कि आरोपी को कोई भूखण्ड नहीं है तथा अन्य व्यक्ति के भूखण्ड को अपना बना नकदी हड़प ली। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की है।

मौत पर मुआवजे की मांग पर रास्ता रोका, केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के जूनी मंडी स्थित गंगश्यामजी के मंदिर में नंदोत्सव के समय हुए हादसे में घायल युवक की मौत के बाद परिजनों को मुआवजा राशि दिलाने की मांग को लेकर एमजीएच मोर्चरी के बाहर प्रदर्शन करने और रास्ता रोकने पर पुलिस ने भाजपा नेताओं, परिजनों, स्वर्णकार समाज के लोगों के खिलाफ पुलिस की तरफ से केस दर्ज किया गया है। सरदारपुरा थाने में इस बाबत केस दर्ज हुआ है।

सरदारपुरा थाने के एसआई दीपलाल के अनुसार 30 सितंबर की शाम से देर रात्रि तक भाजपा नेता अतुल भंसाली, राजेन्द्र सोनी, जनक सोनी, शिव कुमार सोनी के साथ दिलीप सोनी, नरेन्द्र सोनी, प्रेम नागौरी, दत्तु सोनी, शिवप्रकाश सोनी, निर्मल सोनी, किरपाराम सोनी, मोहन महामंत्री सोनी समाज, भोजराज सोनी अध्यक्ष समाज संगठन, जितेन्द्र उर्फ जीतू सोनी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया।

जानकारी के अनुसार गत 8 सितंबर को भीतरी शहर के गंगश्याम जी मंदिर में रात में नंदोत्सव कार्यक्रम हादसे में एक युवक कैलाश सोनी गंभीर रूप से घायल हो गया था। जिसकी एमजीएच में 21 दिन बाद उपचार के बीच मौत हो गई थी। इस पर परिजन, समाज के लोगों सहित जनप्रतिनिधियों की तरफ से मुआवजा राशि और अन्य मांगों को लेकर 30 सितंबर को एमजीएच मोर्चरी के सामने सड़क पर जाम लगाकर रास्ता रोका गया था। जबकि राज्य सरकार की तरफ से हाल में एक विधेयक लागू किया गया था कि शव का सम्मान करना होगा। उसको लेकर कोई रास्ता रोकने या उपद्रव की मनाही थी, अन्यथा कड़े कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी। मगर उक्त लोगों द्वारा शव का सम्मान नहीं किया गया और रास्ता रोककर प्रदर्शन करने के साथ जाम लगाया गया।

वाटरवर्क्स की टंकी पर चढ़े मृतक बालिका के परिजन

हनुमानगढ़, (निसं)। संगरिया के गांव नगराना राजकीय प्राथमिक विद्यालय तथा आंगनबाड़ी केंद्र की डिग्गी में गिरने से चार वर्षीय बच्ची हरमन की हुई मौत के मामले में नाराज परिजन शाम छह बजे गांव के वाटरवर्क्स की टंकी पर चढ़ गए। वे लोग विद्यालय स्टाफ की लापरवाही को हादसे का कारण बता रहे हैं। उन्होंने यहां कार्यरत पांचों कर्मियों प्रधानाध्यापिका सहित दो अध्यापिकाओं व आंगनबाड़ी प्रतिनिधियों को निलम्बित करने सहित परिवार में एक सदस्य को सरकारी नियुक्ति तथा परिवार को मुआवजा दिलवाने की मांग उठाई है।

- विद्यालय तथा आंगनबाड़ी केंद्र की डिग्गी में गिरने से बच्ची की मौत का मामला

टंकी के ऊपर चढ ने वालों में मृत बच्ची हरमन के चाचा आदराम, सोनू, चुन्नीलाल, सुरेश, संदीप कुमार एवं पृथ्वीराज शामिल हैं। गांव में टंकी पर चढने की खबर फैलते ही भारी भीड़ जमा हो गई। मौके पर मौजूद विनोद पूनिया, रामसिह चहल, दलीप छिंपा, सुनील तिवाड़ी, रुपराम, फूसाराम सहित अन्य लोगों ने छोटी सी बच्ची की मौत को दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। शांति व कानून व्यवस्था के लिए एसआई लक्ष्मणसिंह, एएसआई वेदप्रकाश, कांस्टेबल रिंकू, रमेश, सुखवीर, मनदीप, कृष्णादेवी पहुंचे लेकिन कोई अधिकारी मौके पर समझाइश करने या बात सुनने के लिए नहीं पहुंचा। जबकि परिजन जिला कलेक्टर को मौके पर बुलाने की मांग पर अड़े हुए हैं। मौके पर ग्रामीण तथा बच्ची के परिजन मौजूद हैं। पंचायत समिति के पूर्व डायरेक्टर भागीरथ मेघवाल ने आरोप लगाया कि सीसीटीवी में बच्चे खुलेआम बरामदे में घूम रहे हैं। मौजूद विद्यालय स्टाफ ने उन पर कोई ध्यान नहीं दिया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता 11 बजे ही चली गई। बच्चों की हाजिरी भी नहीं लगाई। आरोप लगाया कि तीनों शिक्षकों ने छुट्टी तक ले ली। प्रधानाध्यापिका प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं, ऐसे में हाजिरी लगाकर चली जाती हैं। स्टाफ के कमरे से महज पांच फीट दूर डिग्गी है लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया।

हरमन के पिता वार्ड पांच नगराना निवासी वीरपाल नायक ने आरोप लगाया कि उसकी बेटी हरमन (4) राजकीय प्राथमिक विद्यालय व आंगनबाड़ी में पढने जाती थी। बेटा करण (6) इसी स्कूल में पढ़ता है। रोज की तरह स्कूल गई थी। जहां करीब 11 बजे आंगनबाड़ी में खेल रही थी। यहां बनी पानी की डिग्गी के अंदर गिरने से मौत हो गई। आरोप लगाया कि आंगनबाड़ी में बच्चों की कोई देखभाल नहीं है। डिग्गी पर ढ़क्कन के ताला नहीं लगा था। केंद्र बंद होने का समय लगभग एक बजे तक है लेकिन वहां के टीचर जब उनका मन करता है तब ताला लगाकर अपने घर चले जाते हैं। आंगनबाड़ी के अंदर ठंडे पानी के वाटरकूलर को कमरे के अंदर ताला लगाकर रखा हुआ है। जबकि बच्चों को पीने के लिए ठंडा पानी तक नहीं मिलता।

परिजनों के साथ प्रशासन की हुई वार्ता के बाद रात करीब नौ टंकी से परिजन नीचे उतर आए। लिखित में हुए समझौते के अनुसार आंगनबाड़ी कार्यकर्ता हीरा देवी को हटाते हुए विद्यालय के तीन शिक्षकों रतन दीप, नीलम, शिव सैन्या का पद स्थापन हनुमानगढ़ कर दिया गया। उन्हें 16 सीसीए का नोटिस देने, परिजनों के बयान के बाद फौजदारी मामला दर्ज कर दोषी कार्मिकों के खिलाफ कार्रवाई करने, चिरंजीवी बिमा योजना के तहत पांच लाख की सहायता दिलवाने सहित परिवार के एक सदस्य को आंगनबाड़ी में कार्यकर्ता के रूप में नियुक्ति दिलवाने पर सहमति बनी।

नहर में नहाने गया बच्चा गिरा, दिल के पास घुसी कांच की बोतल

बीकानेर, (कासं)। खाजूवाला में नहर में बच्चों के साथ अठखेलियां करता बच्चा गिर पड़ा, जिससे उसके दिल के पास कांच की बोतल घुस गई। कांच की बोलत से घाव हो गया और उसकी एक आंत बाहर निकल गई। परिजन उसे खाजूवाला सीएचसी ले गए, जहां प्राथमिक उपचार करने के बाद पीबीएम अस्पताल रैफर कर दिया। पीबीएम के चिकित्सकों ने देर रात को ही ऑपरेशन कर बच्चे की जान बचाई।

खाजूवाला से दो किलोमीटर दूर बीकानेर रोड पर जयसिंह का चार वर्षीय बेटा पुष्पेन्द्र सिंह दो-तीन बच्चों के साथ माइनर (नहर) में नहारे उतरा। नहर में अठखेलियां करते समय पुष्पेन्द्र गिर पड़ा। नहर में वह कांच की बोतल पर गिर पड़ा, जिससे उसके दिल के नीचे घाव हो गया और उसकी एक आंत बाहर निकल गई। परिजन उसे खाजूवाला सीएचसी ले गए, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार कर पीबीएम अस्पताल रैफर कर दिया।

परिजनों ने पीबीएम में समाजसेवी हरीकिशन सिंह राहपुरोहित से संपर्क किया। समाजसेवी ने बच्चे के लिए रक्त की व्यवस्था कराई। बच्चे को परिजन पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर लेकर पहुंचे। यहां सीएमओ डॉ.एलके कपिल ने बच्चे की कंडीशन देखकर सर्जरी के चिकित्सकों को कॉल कर बुलाया। देर रात को सर्जरी के डॉ. रामशरण व उनकी टीम ने बच्चे की आंत का ऑपरेशन किया। बाद में बच्चे को सुपर स्पेशियलिटी सेंटर में शिफ्ट किया गया। चिकित्सकों के मुताबिक बच्चे की हालत में सुधार है।

वाहन चोर गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर, पुलिस उप अधीक्षक चांदमल सिगारीया के निर्देश पर हाथीपोल थानाधिकारी लच्छीराम टेलर मय टीम ने तलाशी अभियान के दौरान दुपहिया वाहन चोरी मामले में शातिर आरोपी प्रेमा उर्फ प्रेमचंद पुत्र रामा बडगोटा निवासी शिवपुरा झाड़ोल को स्वरूपसागर रोड से चोरी की बाइक व तलवार सहित गिरफ्तार किया। पूछताछ में प्रेमा ने प्रतापनगर, सविना पुलिस थानाक्षैत्र में दो बाइक चोरी करने की वारदात करना स्वीकार किया है।

तस्कर को 12 और सप्लायर को दस साल की जेल

आरोपी के पास से 600 नशीले कैप्सूल बरामद किए थे

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के रावतसर में अपर जिला एवं सत्र जज राजेंद्र चौधरी ने नशीले कैप्सूल रखने के प्रकरण में आरोपी तस्कर लेखराम को 12 वर्ष के कठोर कारावास और 2 लाख रुपए जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही सप्लायर परमजीत को 10 वर्ष कठोर कारावास और 1 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। जुम्माना जमा नहीं कराने पर आरोपियों को तीन-तीन महीने का अतिरिक्त कारावास भुगतने का आदेश दिया है।

- जुर्माना नहीं चुकाने पर भुगतनी होगी अतिरिक्त सजा

प्रकरण के अनुसार स्थानीय पुलिस थाना के एसआई रामकरण ने 1 सितंबर 2020 शाम के पौने पांच बजे खोडा मार्ग पर गश्त के दौरान 24 डीडबूयूडी पुलिया के पास एक व्यक्ति को सफेद रंग का थेला उठाए देखा जो पुलिस को देख कर खेतों में छिपने का प्रयास कर रहा था। शक होने पर उसे काबू कर देखा तो उसके पास रखें सफेद रंग के थैले में 600 नशीले कैप्सूल पारवोरिन स्पास बरामद हुए, जिनके परिवहन अथवा रखने बाबत आरोपी के पास कोई वैद्य अनुज्ञा पत्र या परमिट नहीं था। पूछताछ में उसने नशीले कैप्सूल आरोपी परमजीत से लेना बताया। तब पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अनुसंधान के पश्चात न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया। अभियोजन पक्ष की तरफ से कोर्ट में 12 गवाहों को परीक्षित करवाया गया और 41 दस्तावेज प्रदर्शित करवाए गए। पुलिस द्वारा बरामद कैप्सूल के जब्ती प्रपत्र पर अंकित विवरण व एफएसएल रिपोर्ट में दर्ज विवरण समान मिले। दोनों पक्षों को सुनने के बाद एडीजे राजेंद्र चौधरी ने बचाव पक्ष की दलीलों को अस्वीकार करते हुए दोनों आरोपितों को दोषसिद्ध करार देते हुए कठोर कारावास एवं जुर्माना की सजा सुनाई। राज्य सरकार की ओर से पैरवी अपर लोक अभियोजक महेन्द्र जैन ने की।

एनडीपीएस एक्ट के तहत दर्ज मामलों में अधिकांशत: सप्लायर के विरुद्ध आरोप प्रमाणित नहीं होते परंतु इस मामले में अनुसंधान अधिकारी द्वारा कोर्ट में प्रस्तुत आरोपितों की कॉल डिटेल से सामने आया कि 2 दिन पूर्व से बरामदगी तक आरोपियों के बीच लगातार फोन पर बातें हुईं है। एडीजे राजेंद्र चौधरी ने अपने निर्णय में लिखा कि आरोपियों के मध्य लगातार मोबाइल फोन से सम्पर्क रहा है। साथ ही बचाव पक्ष ने यह साबित नहीं किया कि बातों की विषय वस्तु भिन्न थी। कोर्ट ने बचाव पक्ष की दलील कि सिम अन्य व्यक्ति के नाम की है, को भी खारिज करते हुए लिखा कि सामान्यत: आपराधिक प्रवृत्ति के लोग किसी दूसरे के नाम से सिम लेते हैं।

अवैध शराब जब्त

उदयपुर, (कासं)। जिला पुलिस अधीक्षक भुवन भूषण यादव के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. प्रियंका रघुवंशी, पुलिस उप अधीक्षक रामेश्वरलाल के निर्देश पारनवा थानाधिकारी उमेशचन्द्र के नेतृत्व में गठित दल ने अम्बासा में नाकाबंदी के दौरान ककुआराम पुत्र लालु डामोर निवासी छाली बोकड़ा पानरवा को रोककर तलाशी ली तो उसकी बाइक पर बोरे में 90 लीटर देशी महुआ शराब पाई गई। पूछताछ में संतोषप्रद जवाब नहीं देने पर शराब व बाइक जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। इसी दौरान पुलिस दल ने गुराड नदी पुलिया पर उत्पात मचाते पुनाराम पुत्र फुलाराम निवासी सुलाव माण्डवा व मीठालाल पुत्र फताजी निवासी सुलाव को शांति भंग में गिरफ्तार किया।

छात्रा को कार में डालकर ले जाने का प्रयास

रावतसर, (निसं)। छात्रा से छेड़छाड़ व उसको जबरन कार में डालकर ले जाने के प्रयास के आरोप में स्थानीय थाने में एक नामजद सहित दो जनों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया गया। पुलिस के अनुसार परिवादी ने रिपोर्ट दी कि वह सुबह अपनी नाबालिग पुत्री को विद्यालय छोडने आया तो कार में सवार होकर दो युवक आए तथा पुत्री को अश्लील इशारे करने लगे। उनमें से एक युवक का नाम अल्ताफ है। दोनों को रोका तो वे मारपीट करने पर उतारू हो गए। पुत्री को जबरदस्ती कार में डालने की कोशिश की। शोर मचाया तो आरोपी जान से मारने तथा पुत्री को अगवा करने की धमकी देकर फरार हो गए।

गोगामेड़ी के खेत में मिले दो कंकाल, पुलिस जांच में जुटी

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले की भादरा क्षेत्र के गांव गोगामेड़ी की रोही में स्थित एक खेत में दो कंकाल मिलने की घटना सामने आई है। इस घटना को लेकर सायं समय सूचना मिलने पर गोगामेड़ी पुलिस जांच में लगी है।

इस घटना को लेकर ग्राम न्यांगल निवासी भरतसिंह पुत्र हरदयाल ने गोगामेडी थाना में मर्ग दर्ज कराई है कि गोगामेड़ी के चक 5 जीजीएम में उसकी कृषि भूमि में ग्वार की फसल बोई हुई थी। वह एक माह पहले फसल पर कीटनाशक छिड़काव करके गया था। अब खेत में लौटा तो वहां पर दो अज्ञात शवों के कंकाल बिखरे पड़े थे। इस मामले के दर्ज होने के बाद पुलिस उप अधीक्षक सुभाषचंद्र गोदारा, गोगामेडी थाना अधिकारी राधेश्याम ने घटना स्थल का निरीक्षण किया है। कंकालों की पहचान के प्रयास पुलिस टीम ने शुरू कर दिए हैं।

- दोनों शवों को कुत्तों ने नोच खाया था
- घटना स्थल पर छोटी बोतल व डिस्पोजल गिलास मिला

घटना स्थल पर एक छोटी बोतल व डिस्पोजल गिलास मिला है। मृतकों के शवों को कुत्तों ने नोच खाया लगता है। मौके पर कंकाल बचे हैं। कंकालों के पास नाम मात्र का एक पीले रंग का कपड़े का टुकड़ा मिला है। गोगामेड़ी मेले के चलते इस खेत से उठी बदबू को किसी ने महसूस नहीं किया होगा। मृतकों के उत्तर प्रदेश के होने व आत्महत्या करने का अनुमान लगाया जा रहा है। पुलिस जांच में जुटी है।

वनकर्मी के साथ मारपीट कर नकदी लूटी

उदयपुर, (कासं)। पुरोहित तालाब पर तैनात वनकर्मी के साथ मारपीट कर नकदी लूट ले जाने वाले बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी केअनुसार पीड़ित किशन पुत्र भानु कुमार निवासी बोरो का गुडा अंबेरी ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया कि 1 अक्टूबर को पुरोहित तालाब पर घुमने आए बदमाशों ने गाडी हटाने की बात को लेकर कहासुनी होने पर मेरे साथ मारपीट की तथा नाके में आकर गल्ले से 11 हजार 600 रूपये नकदी लूट लेगए। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

रेलवे ने से नया टाईम टेबल जारी किया

कोटा मंडल से प्रारंभ एवं टर्मिनेट होने वाली ट्रेनों के समय में आंशिक बदलाव

कोटा, (निसं)। रेलवे ने एक अक्टूबर से प्रभावशील नई समय-सारणी जारी कर दी है। इसी के अन्तर्गत रेल परिचालन को सुचारू रूप से संचालित करने एवं यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कोटा रेल मंडल से प्रारंभ एवं टर्मिनेट होने वाली गाड़ियों के आगमन/प्रस्थान समय सारिणी में परिवर्तन किया गया है। नई रेलवे समय सारणी के अनुसार कोटा मंडल के ओरजिनेटिंग/डेस्टिनेशन पॉइंट पर कई रेलगाड़ियों की समय सारिणी में परिवर्तन किया गया है। यात्रियों से अनुरोध किया कि यात्रा प्रारम्भ करने से पूर्व रेलवे पूछताछ एवं एनटीईएस/139 से जानकारी प्राप्त करके ही अपनी यात्रा प्रारम्भ करें।

समय में बदलाव ट्रेनों का विवरण :- रेलगाड़ियों के प्रस्थान समय में बदलाव-19811 कोटा-इटावा एक्सप्रेस ट्रेन-(पूर्व समय रात्रि 23.50 बजे) अब परवर्तित समय मध्य रात्रि 00.10 बजे रवाना होगी। 19807 कोटा-हिसार एक्सप्रेस ट्रेन-(पूर्व समय रात्रि 23.50 बजे) अब परवर्तित समय रात्रि 23.45 बजे प्रस्थान करेगी। 19813 कोटा-हिसार एक्सप्रेस ट्रेन-(पूर्व समय रात्रि 23.50 बजे) अब परवर्तित समय रात्रि 23.45 बजे रवाना होगी। 19104 कोटा-रतलाम एक्सप्रेस ट्रेन-(पूर्व समय दोपहर 13.40 बजे) अब परवर्तित समय दोपहर 13.30 बजे रवाना होगी।

रेलगाड़ियों के टर्मिनेट समय में बदलाव-20452 नई दिल्ली-सोगरिया एक्सप्रेस ट्रेन-पूर्व समय दोपहर 13.25 बजे और अब परवर्तित समय दोपहर 13.30 बजे। 19819 वडोदरा-कोटा एक्सप्रेस ट्रेन -पूर्व समय रात्रि 21.35 बजे और अब परवर्तित समय रात्रि 21.30 बजे। 19110 मथुरा-कोटा मेमू एक्सप्रेस ट्रेन-पूर्व समय 13.30 बजे और अब परवर्तित समय 13.20 बजे है।

'महिला आरक्षण पर केन्द्र ने जनता को गुमराह किया'

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैफ अली नकवी अजमेर आये

अजमेर, (कासं)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सैफ अली नकवी ने कहा कि भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव एवं राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव में महिला आरक्षण बिल राजनीतिक एजेंडा के रूप में इस्तेमाल कर रही है। राष्ट्रीय प्रवक्ता सैफ अली नकवी आज अजमेर प्रवास के दौरान सर्किट हाउस में पत्रकारों से रूबरू हो रहे थे। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को महिला आरक्षण बिल देश में अविलंब लागू करना चाहिए। जनगणना और परिसीमन के बहाने वह बिल को टालना चाहती है।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की कथनी और करनी में फर्क है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं कर राजस्थान की जनता के साथ सौतेला व्यवहार किया है और राजस्थान के सभी 25 सांसद मूकदर्शक बने हुए हैं। भारतीय जनता पार्टी का चाल चरित्र और चेहरा आम जनता के सामने आ गया है। उन्होंने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण राजस्थान देश में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य क्षेत्र में मॉडल के रूप में उभरा है। राष्ट्रीय प्रवक्ता ने कहा कि राजस्थान की कल्याणकारी योजनाओं के कारण राजस्थान में कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी और हम दो तिहाई बहुमत से सरकार बनाएंगे।

उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्रा फ्लॉप शो साबित हुआ है। परिवर्तन यात्रा में भाजपा को आम समर्थन नहीं मिल रहा था केवल भाजपा के कार्यकर्ता एवं जनप्रतिनिधि कांग्रेस सरकार के विरोध में भ्रामक प्रचार प्रचार कर रहे थे। उन्होंने कहा कि देश एवं प्रदेश की जनता अब जागरुक हो गई है और आने वाले चुनाव में भाजपा को मुंह तोड़ जवाब देगी।

उन्होंने कहा कि महंगाई राहत शिविर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की 10 जन कल्याणकारी योजनाओं से आम जन को जागरूक किया जा रहा है। शिविर में गरीब वर्ग को महंगाई से राहत मिली है। इससे भारतीय जनता पार्टी हैरान और परेशान है और बौखलाहट में अनर्गल बयानबाजी कर रही है। राष्ट्रीय प्रवक्ता नकवी ने कहा कि हम जो कहते हैं वह करते हैं जबकि भाजपा केवल जुमलेबाजी कर आमजन को गुमराह कर रही है।

उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में कांग्रेस को भारी बहुमत मिलेगा और मुख्यमंत्री का चयन विधायक दल की बैठक में किया जाएगा। प्रदेश में बढ़ती कांग्रेस की गुटबाजी पर उन्होंने कहा कि हर परिवार में छोटे-मोटे मतभेद होते रहते हैं लेकिन हम सब पांचों उंगलियां बनकर एक मुट्ठी में बंधे हुए हैं जबकि राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी में अंतर्कलह चरम सीमा पर है। राजस्थान में मुख्यमंत्री के कई चेहरे घूम रहे हैं और आए दिन सिर फुटोव्वल हो रही है। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता प्रियदर्शी भटनागर ने आरोप लगाया कि अजमेर जिले में सांसद, दोनों विधायक और नगर निगम अजमेर में भाजपा का बोर्ड है उसके बावजूद अजमेर में केंद्रीय योजनाओं का समुचित लाभ अजमेर की जनता को नहीं मिल रहा है जो कि निंदनीय है जबकि भारतीय जनता पार्टी राजस्थान में विगत 4 साल से अधिक समय से कांग्रेस के अभूतपूर्व सफल कार्यकाल से बौखलाहट में है। भारतीय जनता पार्टी की परिवर्तन यात्राओं में खाली कुर्सियों से साफ जाहिर होता है कि भारतीय जनता पार्टी जनता के हाशिए पर आ गई है और राजस्थान में दोबारा कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी।

इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष एव पूर्व विधायक डॉ राजकुमार जयपाल, पीसीसी सदस्य महेंद्र सिंह रलावता, हेमंत भाटी, सुनील लारा अजमेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी के निवर्तमान महासचिव शिवकुमार बंसल उपस्थित थे।

राष्ट्रीय प्रवक्ता नकवी के अजमेर पहुंचने पर कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने माला एवं साफा बनाकर भव्य स्वागत किया। इस अवसर शहर कांग्रेस अध्यक्ष विजय जैन जिला मदरसा बोर्ड के सदर आरिफ हुसैन नरेश सत्यवाना, मोहित मल्होत्रा अरशद इंसाफ, सोना धनवानी, मनीष सेन, डॉ मंसूर अली, आलोक गुप्ता, कशिश बायला, रोशन प्रकाश, जुनैद पठान, चतुर्भुज शर्मा, जाहिद खान, मजहिर चिश्ती, ललित सत्यवाना, राजेश ईनानी, गजेंद्र रलावता अतुल अग्रवाल, सुमित्रा पाठक, जगत चौधरी, श्रवण टोनी, अशोक मटाई, जितेंद्र खेतावत अजय टेगौर सहित कई जने उपस्थित थे।

उनकी अविश्वसनीय गति, त्रुटिहीन संतुलन और उल्लेखनीय टीम वर्क के प्रदर्शन के कारण यह प्रभावशाली उपलब्धि हासिल हुई।

- अनुराग ठाकुर

19वें एशियाई खेलों में महिला स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले रेस में कांस्य पदक जीतने पर टीम को बधाई देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

हरमनप्रीत सिंह

चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों के पुरूष हॉकी पूल ए मुकाबले में सोमवार को भारतीय हॉकी टीम ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह और मनदीप सिंह की हैट्रिक बदौलत बंगलादेश को 12-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत की ओर से हरमनप्रीत सिंह (दूसरे,चौथे और 32वें मिनट में), मनदीप सिंह (18, 24 और 46वें मिनट में), ललित उपाध्याय (23वें मिनट में), अमित रोहदास (28वें मिनट में), अभिषेक (41वें और 57वें मिनट में), नीलकांत शर्मा (47वें मिनट में), गुरजंत सिंह (56वें मिनट में) में गोल दागे।

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम है। लारा ने 1994 में वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

एशियाड के 9वें दिन भारत ने जीते 7 मेडल, तेजस्विन डेकाथलॉन के टॉप पर

400 मीटर मिक्स्ड रिले टीम का कांस्य रजत में अपग्रेड हुआ

हांगझोउ, 2 अक्टूबर। भारतीय खिलाड़ियों ने 19वें एशियन गेम्स के नौवें दिन दमदार प्रदर्शन किया। सोमवार को भारतीय खिलाड़ियों ने 7 मेडल जीते। इनमें से 4 मेडल एथलीट्स ने दिलाए। इन मेडल के सहारे ओवरऑल टैली में भारत के मेडल की कुल संख्या 60 पहुंच गई है।

चीन के हांगझोउ में सोमवार का खेल समाप्त होने तक तेजस्विन शंकर 4260 अंक के साथ डेकॉथलॉन के टॉप पर हैं। इससे पहले, 400 मीटर मिक्स्ड रिले टीम का ब्रॉन्ज मेडल अपग्रेड होकर सिल्वर में बदला गया, क्योंकि श्रीलंकाई टीम डिस्क्वॉलिफाई हो गई। नौवें दिन की शुरुआत स्केटिंग के 2 ब्रॉन्ज के साथ हुई। उसके बाद दोपहर होते-होते सुतीर्था और अयहिका की जोड़ी ने टेबल टेनिस के विमेंस डबल्स इवेंट में ब्रॉन्ज जीता। फिर शाम में

पारुल चौधरी, प्रीति, एंसी सोजन और भारतीय मिक्स्ड रीले टीम ने दो सिल्वर और दो ब्रॉन्ज दिलाए।

स्केटिंग : भारत को 2 ब्रॉन्ज स्केटिंग के 3000 मीटर रिले में 4:34.861 समय के साथ विमेंस टीम ने ब्रॉन्ज जीता। इसके बाद मेंस टीम ने भी रिले इवेंट में 4:10.128 समय के साथ ब्रॉन्ज अपने नाम किया।

टेबल टेनिस: सुतीर्था-अयहिका ने दिलाया ब्रॉन्ज सुतीर्था मुखर्जी और अयहिका मुखर्जी को सेमीफाइनल में नॉर्थ कोरिया के पेयर के खिलाफ 7 गेम में 11-7, 8-11, 11-7, 8-11, 9-11, 11-5, 2-11 के स्कोर के साथ 4-3 से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ भारत को ब्रॉन्ज मिला।

3000 मीटर स्टीपलचेज: भारत को एक ही इवेंट में 2 मेडल विमेंस 3000 मीटर स्टीपलचेज इवेंट में भारत के लिए पारुल चौधरी ने सिल्वर और प्रीति ने ब्रॉन्ज जीता। पारुल ने 9 मिनट 27.63 सेकेंड में दौड़ पूरी की। प्रीति ने 9 मिनट 43.32 सेकेंड में रेस पूरी कर ब्रॉन्ज ने जीता। पहले स्थान पर बहरीन की यावी विनफ्रेड म्यूटाइल रही, जिन्होंने 9 मिनट 18.28 सेकंड में रेस पूरी की।

एथलेटिक्स: विमेंस लॉन्ग जंप में सोजन ने सिल्वर जीता विमेंस लॉन्ग जंप में 6.63 मीटर की जंप के साथ भारत की एंसी सोजन ने सिल्वर मेडल अपने नाम किया। यह सोजन का पर्सनल बेस्ट भी था।

एथलेटिक्स: मिक्स्ड रीले टीम को सिल्वर भारत के मुहम्मद अनस, जिस्ना मैथ्यू, ऐश्वर्या मिश्रा, सोनिया बैश्य, मुहम्मद अजमल ने मिक्स्ड रीले में ब्रॉन्ज जीता। टीम ने 3 मिनट14.34 सेकंड में रेस फिनिश की। भारतीय चौकड़ी रेस में तीसरे स्थान पर रही, लेकिन दूसरा स्थान हासिल करने वाली श्रीलंकाई टीम डिस्क्वालिफाई हो गई। इस वजह से भारत का ब्रॉन्ज मेडल सिल्वर में बदल गया।

स्क्वैश : जोशना चिनप्पा बाहर, सौरव घोषाल क्वार्टर फाइनल में

हांगझोउ, 2 अक्टूबर। भारत की जोशना चिनप्पा एशियाई खेल में स्क्वैश में सोमवार को हारकर बाहर हो गई, जबकि सौरव घोषाल ने क्वार्टरफाइनल में जीत हासिल की। चिनप्पा को महिला एकल स्पर्धा के राउंड ऑफ 16 में दक्षिण कोरिया की मिंगयोंग हेओ से 1-3 (4-11, 12-10, 9-11, 8-11) से हार मिली। गौरतलब है कि 37 वर्षीय जोशना चिनप्पा ने इंडोनेशिया में आयोजित जकार्ता 2018 एशियाई खेलों में एकल स्पर्धा का कांस्य पदक जीता था। अनुभवी भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी ने हाल ही में हांगझोउ में टीम कांस्य पदक भी जीता है। इसके अलावा महिला एकल स्पर्धा में भारतीय तन्वी खन्ना ने थाईलैंड की अरिचया चुजित के ख़िलाफ़ 3-0 (11-1, 11-3, 11-2) से जीत के साथ क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। मंगलवार को क्वार्टरफाइनल में तन्वी का मुकाबला जापान की सातोमी वतनबे से होगा। इस बीच, सौरव घोषाल ने अपने पुरुष एकल अभियान की शुरुआत कुवैत के अम्मार अल तमीमी के ख़िलाफ़ 3-0 (11-4, 11-4, 11-6) की आसान जीत के साथ क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टरफाइनल में 37 वर्षीय सौरव घोषाल का सामना मंगलवार को जापान के रयुनोसुके त्सुकु से होगा, जिन्होंने प्री-क्वार्टरफाइनल में भारत के महेश मनगांवकर को 3-0 (11-6, 11-2, 11-6) से हराया था।

एशियाड में तमिलनाडु के खिलाड़ियों के प्रदर्शन से स्टालिन गदगद

चेन्नई, 2 अक्टूबर। चीन में 19वें एशियाई खेलों में तमिलनाडु के खिलाड़ियों के प्रदर्शन की मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने मुक्त कंठ से सराहना की है। स्टालिन ने निशानेबाज टोंडाइमन को जीत के लिए बधाई दी। पुरुष ट्रैप स्पर्धा में टेनिस खिलाड़ी रामकुमार ने स्वर्ण पदक जीता। रामनाथन को युगल स्पर्धा में रजत पदक, स्क्वैश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा और दीपिका पल्लीकल महिला वर्ग में कांस्य पदक मिला। एक सोशल मीडिया पोस्ट में, स्टालिन ने कहा, हार्दिक बधाई हमारे तमिलनाडु के रहने वाले टोंडाइमन पी. आर. को। उन्होने पुरुषों की ट्रैप स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता और भारत को गौरवान्वित किया। रामकुमार रामनाथन को पुरुष टेनिस युगल में रजत पदक जीतने के लिए बधाई। मैं हमारी अपनी जोशना चिनप्पा और दीपिका को भी बधाई देता हूं जिन्होंने महिला स्क्वैश में कांस्य पदक जीता।

ईरानी कप : सौराष्ट्र के नौ विकेट पर 212 रन

राजकोट, 2 अक्टूबर। विधवत कावेरप्पा (28 रन पर तीन विकेट) और सौरभ कुमार (64 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी की मदद से शेष भारत ने ईरानी कप के पांच दिवसीय मैच के दूसरे दिन सोमवार को सौराष्ट्र की पहली पारी के नौ विकेट 212 रन पर उखाड़ दिये। सौराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम पर दिन का खेल खत्म होने के समय जयदेव उनादकट 17 और युवराजसिंह डोडिया बगैर खाता खोले क्रीज पर डटे थे। इससे पहले शेष भारत की पहली पारी 308 रन पर सिमट गयी थी। सौराष्ट्र के शीर्ष बल्लेबाजों का प्रदर्शन आज स्तरहीन रहा। पारी के पहले ही ओवर में कावेरप्पा ने सलामी बल्लेबाज हार्दिक देसाई को शून्य पर चलता किया। अभी टीम का स्कोर चार रन ही पहुंचा था कि कावेरप्पा ने चिराग जानी (2) को विकेट के पीछे आउट कराया। चेतेश्वर पुजारा (29) और समर्थ व्यास (29) ने स्कोरबोर्ड पर 51 रन अंकित कराये थे कि इस बीच पुजारा को पुलकित नारंग ने आउट कर दिया। बाद में सौरभ ने समर्थ व्यास और शेल्डन जैक्सन (13) का विकेट चटका कर शेष भारत को मुसीबत के भंवर में धकेल दिया।

नीदरलैंड दौरे के लिए सब जूनियर पुरुष और महिला टीम घोषित

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। नौ से 16 अक्टूबर के बीच प्रस्तावित नीदरलैंड दौरे के लिये हॉकी इंडिया ने सोमवार को 20 सदस्यीय सब जूनियर पुरुष और महिला टीमों की घोषणा कर दी। दौरे में भारतीय सब जूनियर पुरुष टीम नीदरलैंड की अंडर18 टीम और अंडर16 टीम से दो दो मैच खेलेगी जबकि सब जूनियर महिला टीम भी नीदरलैंड गर्ल्स अंडर18 टीम और नीदरलैंड गर्ल्स अंडर16 टीम के खिलाफ दो दो मुकाबलों में कड़ी टक्कर देगी। इसके अलावा भारतीय सब जूनियर पुरुष और महिला टीमें नीदरलैंड के एक सीनियर क्लब की पुरुष और महिला टीमों के खिलाफ मैच खेलेंगी। भारतीय सब जूनियर पुरुष टीम की कप्तानी मनमीत सिंह राय करेंगे जबकि आशु मौर्य उपकप्तान होंगे। सब जूनियर महिला टीम के लिए भव्या को कप्तान और रजनी केरकेट्टा को उपकप्तान नियुक्त किया गया है।

मोदी ने स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले में कांस्य पदक जीतने की दी बधाई

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हांगझाउ में एशियाई खेल 2022 में पुरुषों की स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले में कांस्य पदक जीतने पर आनंदकुमार वेलकुमार, सिद्धांत राहुल कांबले और विक्रम राजेंद्र इंगले को बधाई दी है। प्रधान मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया, टीम वर्क का अविश्वसनीय प्रदर्शन एक और कांस्य पदक लेकर आया। आनंद कुमार वेलकुमार, सिद्धांत राहुल कांबले, विक्रम राजेंद्र इंगले ने पुरुषों की स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले में कांस्य पदक जीता है। भारत बहुत खुश है और इस उपलब्धि पर बहुत गर्व महसूस करता है। कियानतांग रोलर स्पोर्ट्स सेंटर में आर्यनपाल सिंह घुमन, आनंदकुमार वेलकुमार, सिद्धांत राहुल कांबले और विक्रम राजेंद्र इंगले ने 4:10.128 के समय के साथ 3000 मीटर रिले का समापन किया।

तीरंदाजी : ज्योति सुरेखा और अदिति गोपीचंद क्वार्टर फाइनल में

हांगझोउ, 2 अक्टूबर। एशियाई खेलो में महिलाओं की व्यक्तिगत कंपाउंड तीरंदाजी स्पर्धा में भारत की ज्योति सुरेखा वेन्नम और अदिति गोपीचंद स्वामी ने सोमवार को क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित की जबकि पुरुषों की व्यक्तिगत कंपाउंड इवेंट में भारत के ओजस देवताले और अभिषेक वर्मा ने भी क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

ओलंपियन अतानु दास और धीरज बोम्मदेवरा ने पुरुषों की व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा के अंतिम आठ में जगह बनाई। वहीं, भजन कौर और अंकिता भकत को राउंड ऑफ 16 और 32 में हार का सामना करना पड़ा और इसी के साथ महिलाओं की व्यक्तिगत रिकर्व प्रतियोगिता में भारत का अभियान समाप्त हो गया।

व्यक्तिगत एलिमिनेशन राउंड के दूसरे राउंड में ज्योति सुरेखा वेन्नम ने श्रीलंका की अनुराधा विजेसिंघे करुणारत्ने (145-132) को हराने के बाद प्री-क्वार्टरफाइनल में ईराक की फातिमा साद महमूद अलमशदान (146-141) को हराया। इस बीच, अदिति गोपीचंद स्वामी ने इंडोनेशिया की सयाहारा खोएरुनिसा को 148-146 से हराकर क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह बनाई। विश्व तीरंदाजी चैंपियन 17 वर्षीय अदिति गोपीचंद स्वामी ने पहले राउंड में नेपाल की इमयुंग राय को 149-137 से हराया।

पुरुषों की कंपाउंड स्पर्धा में, भारत के ओजस देवताले ने कुवैत के अहमद अलशट्टी (148-138) को शिकस्त दी और चीनी ताइपे के चेन चीह लुन को 146-145 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। अभिषेक वर्मा ने सऊदी अरब के बेलाल अयमान अलावादी पर जीत दर्ज करने के बाद वियतनाम के गुयेन वैन डे को 146-142 से हराया। इसके बाद अतानु दास ने अंकिता भकत के साथ रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में अपनी जगह पक्की की। कंपाउंड मिक्स्ड टीम में भारतीय जोड़ी ओजस देवताले और ज्योति सुरेखा वेन्नम ने भी अंतिम आठ में जगह बनाई।

इसके अलावा कंपाउंड मेंस टीम इवेंट में ओजस देवताले, प्रथमेश जावकर और अभिषेक वर्मा की भारतीय टीम ने जीत हासिल कर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। पुरुषों की रिकर्व टीम स्पर्धा में, अतानु दास, धीरज बोम्मदेवरा और तुषार शेल्के ने हांगकांग, चीन को हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। अंकिता भकत, भजन कौर और सिमरनजीत कौर की महिला रिकर्व टीम भी क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई है।

सब जूनिर हॉकी में हरियाणा और यूपी का बोलबाला

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। उत्तर प्रदेश के झाँसी में पहली हॉकी इंडिया सब जूनियर पुरुष और महिला नॉर्थ जोन चैंपियनशिप 2023 के दूसरे दिन सोमवार को हॉकी हरियाणा और उत्तर प्रदेश हॉकी ने सब जूनियर महिला वर्ग में अपने-अपने मैचों में जीत दर्ज की जबकि हॉकी हरियाणा, हॉकी चंडीगढ़ और उत्तर प्रदेश हॉकी सब जूनियर पुरुष वर्ग में अपने-अपने मैचों में विजयी रहे।

दिन के पहले मैच में सब जूनियर महिला वर्ग में हॉकी हरियाणा ने हॉकी पंजाब को 4-2 से हराया। हॉकी हरियाणा ने सीमा (35, 60) और दीया (37, 54) के माध्यम से ठोस बढ़त बनाई। इस बीच, हॉकी पंजाब के लिए कौर गगनदीप (25) और तनु रानी (56) ने एक-एक गोल किया। दूसरे मैच में सब जूनियर महिला वर्ग में उत्तर प्रदेश हॉकी ने हॉकी हिमाचल को 14-0 से हराया।

भारत ने टेबल टेनिस महिला युगल में जीता कांस्य

हांगझोउ, 2 अक्टूबर। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी अहिका मुखर्जी और सुतीर्था मुखर्जी ने सोमवार को खेले गये महिला युगल मुकाबले में कांस्य पदक जीता है। चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में आज अहिका मुखर्जी और सुतीर्था मुखर्जी की जोड़ी को सेमीफाइनल 60 मिनट तक चले मुकाबले में उत्तर कोरिया की सुयोंग चा और सुगयोंग पाक से 4-3 (11-7, 8-11, 11-7, 8-11, 9-11, 11-5, 2-11) से हार मिली। इसके साथ ही उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा है।

सेमीफाइनल में मुखर्जी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए कोरियाई जोड़ी के खिलाफ पहला गेम 11-7 से जीत लिया। हालांकि, दूसरे गेम में दोनों टीमों के बीच काफी संघर्ष देखने को मिला, लेकिन अंत में सुयोंग चा और सुगयोंग पाक ने दूसरा गेम 11-8 से जीत लिया। सुयोंग चा और सुगयोंग पाक ने पांचवें गेम में शुरुआती बढ़त हासिल करते हुए आख़िर में कोरियाई खिलाड़ी मैच में 3-2 से आगे हो गईं।

सुतीर्था मुखर्जी और अहिका मुखर्जी ने छठे गेम में खेल का रुख बदला और बेहतरीन तालमेल के साथ अपने विरोधियों पर अटैक किया। उन्होंने 6-1 की बढ़त बना ली और 11-5 से गेम ख़त्म करने से पहले शानदार स्पीड हासिल कर ली। हालांकि, भारतीय टेबल टेनिस जोड़ी निर्णायक गेम में लड़खड़ा गई। सुयोंग चा और सुगयोंग पाक ने भारतीय खिलाड़ियों की गलतियों का फायदा उठाया और अंतिम गेम 11-2 से जीतकर फाइनल में जगह बनाई। इससे पहले क्वार्टरफाइनल में, अहिका और सुतीर्था ने चीन की विश्व नंबर 2 जोड़ी और महिला युगल में मौजूदा विश्व चैंपियन चेन मेंग और वांग यिडी को 3-1 (11-5, 11-5, 5-11, 11-9) से हराया था।

मलेशिया ने थाईलैंड को 194 रन से हराया

हांगझोउ, 2 अक्टूबर। चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में सोमवार को खेले गये मलेशिया बनाम थाईलैंड टी-20 क्रिकेट ग्रुप सी मुकाबले में मलेशियाई ने सैय्यद अज़ीज़ 56 गेंदों में 126 रन, मुहम्मद आमिर 25 गेंदों में 55 रन की धुआंधार पारी की और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत थाईलैंड को रिकार्ड 194 रन से हरा दिया है।

आज सुबह टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी मलेशिया की टीम ने सैय्यद अज़ीज़ 56 गेंदों में 126 रन, मुहम्मद आमिर 25 गेंदों में 55 रन की धुआंधार पारी की बदौलत निर्धारित 20 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 268 रन विशाल स्कोर खड़ा किया। मलेशिया का पहला विकेट जुबैदी जुल्फिकली 31 के रूप में गिरा। उन्हें सातवें ओवर में नामचाइकुल ने देसुंगनेऑन के हाथों कैच आउट करवाया। उस समय टीम का स्कोर 81 रन था। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मुहम्मद आमिर ने दूसरे विकेट के लिए सैय्यद अजीत के साथ 140 रन की साझेदारी की। टीम के 249 रन के स्कोर पर सैय्यद अजीज के रूप में मलेशिया का दूसरा विकेट गिरा। अजीज को देसुंगनेऑन ने नामचाइकुल कैच कराया। जबकि मुहम्मद आमिर को देसुंगनेऑन की गेंद पर चाटफाईसन कैच किया। शर्विन मुनीअंडी के रूप में मलेशिया का चौथा विकेट गिरा। उसे पेंगकुमता ने सारानोननक्कुन के हाथों कैच करा कर पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। मुनीअंडी ने तीन रन बनाये थे।

स्वर्ण पर रहेगी नजर, नेपाल से लोहा लेंगे भारतीय

हांगझाउ, 2 अक्टूबर। एशियाई खेलों में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम की नजर एशियाड में स्वर्ण पदक पर है और इसी लक्ष्य के साथ टीम मंगलवार को नेपाल के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलने मैदान पर उतरेगी। मैच की पूर्व संध्या पर उन्होने कहा टीम के सभी खिलाड़ी महिला टीम की तरह स्वर्ण पदक जीतना चाहते हैं। सच तो यह है कि एशियाई खेलों में हर कोई अपने देश के लिए स्वर्ण पदक जीतना और पोडियम पर खड़े होना चाहता है। हम उनसे अलग नहीं है और अपनी महिला टीम की तरह स्वर्ण पदक जीतना चाहते हैं। हमारे पास इसका अनुभव है। हम उस तरह के माहौल और परिस्थितियों के आदी हैं। चीन की धरती पर पहली बार क्रिकेट खेलने को लेकर टीम के सभी सदस्य उत्साहित है। एशियाई खेलों में भारतीय टीम को सीधे क्वार्टरफ़ाइनल में एंट्री मिली है। चेन्नई सुपरकिंग्स के सदस्य रहे भारतीय कप्तान ने कहा मैंने महेंद्र सिंह धोनी से काफ़ी कुछ सीखा है लेकिन हर व्यक्ति की शैली अलग होती है।

सेमीफाइनल में जगह पक्की करने उतरेगी भारतीय लड़कियां

हांगझाउ, 2 अक्टूबर। 19वें एशियाई खेल हांगझाउ 2022 में अपने आखिरी पूल ए मुकाबले में भारतीय महिला हॉकी टीम मंगलवार को हांगकांग चीन के खिलाफ जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी।

टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत के बाद भारत अपनी लय बरकरार रखना चाहता है जबकि हांगकांग चीन अपनी पहली जीत की तलाश में है। इस टूर्नामेंट में भारत का सफर प्रभावशाली रहा है। उन्होंने अपने अभियान की शुरुआत सिंगापुर पर 13-0 की शानदार जीत के साथ की, इसके बाद मलेशिया के खिलाफ 6-0 की शानदार जीत हासिल की। अपने तीसरे मैच में उन्होंने अपने कौशल का प्रदर्शन करते हुए कोरिया के खिलाफ 1-1 से रोमांचक ड्रा खेला।

दूसरी ओर, हांगकांग चीन की शुरुआत चुनौतीपूर्ण रही और उसे अपने पिछले तीनों खेलों में हार का सामना करना पड़ा। आमने-सामने के मुकाबलों की बात आती है, तो भारत ने केवल एक बार 2013 महिला एशिया कप के दौरान हांगकांग चीन के साथ मैच खेला था, जहां भारत 13-0 के स्कोर के साथ विजयी हुआ था।

भारतीय महिला टीम इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतने के अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्ध है। हांगकांग चीन के खिलाफ भारतीय लड़कियां अपनी जीत की राह जारी रखना चाहेंगी जिससे वे अपने चैम्पियनशिप सपनों के करीब पहुंचेंगी।

भारतीय महिला हॉकी टीम की कप्तान सविता ने कहा, इस टूर्नामेंट में हर मैच हमारे लिए महत्वपूर्ण है। हमने ठोस शुरुआत की है, लेकिन हम आत्मसंतुष्ट नहीं हो सकते। हांगकांग चीन एक प्रतिस्पर्धी टीम है और हम उसे हल्के में लेने की भूल कभी नहीं करेंगे। हमारा ध्यान अपने खेल अपनी रणनीतियों और मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर रहता है। हम भारत के लिए एक और जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। टीम की उप कप्तान दीप ठोस एक्का ने कहा, हमारी पिछली जीत उत्साहजनक रही है, हम जानते हैं कि हर मैच में अनोखी चुनौतियां होती हैं।

हॉकी में भारत ने बांग्लादेश को 12-0 से हराकर सेमीफाइनल में किया प्रवेश

हांगझोउ, 2 अक्टूबर। चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों के पुरूष हॉकी पूल ए मुकाबले में सोमवार को भारतीय हॉकी टीम ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह और मनदीप सिंह की हैट्रिक बदौलत बंगलादेश को 12-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत की ओर से हरमनप्रीत सिंह (दूसरे,चौथे और 32वें मिनट में), मनदीप सिंह (18, 24 और 46वें मिनट में), ललित उपाध्याय (23वें मिनट में), अमित रोहदास (28वें मिनट में), अभिषेक (41वें और 57वें मिनट में), नीलकांत शर्मा (47वें मिनट में), गुरजंत सिंह (56वें मिनट में) में गोल दागे। वहीं, बंगलादेश की टीम पूरे मुकाबले में एक भी गोल करने में सफल नहीं हो पाई। आत्मविश्वास से लबरेज़ भारतीय टीम ने रोमांचक शुरुआत की। खेल शुरू होने के कुछ समय बाद ही भारत ने दो पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए और ड्रैग फ्लिक में माहिर भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 2,4वें मिनट में गोल दागे। पहले क्वार्टर में भारत ने 2-0 से बढ़त बनाई। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत भी आक्रामकता के साथ हुई और 18वें मिनट में मनदीप सिंह ने मैच का पहला फील्ड गोल करके भारत के स्कोर को 3-0 कर दिया। वहीं, 23वें मिनट में ललित उपाध्याय ने फील्ड गोल करते हुए भारत के लिए चौथा गोल किया। इसके अगले ही मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला और मनदीप सिंह ने पांचवां गोल दागा। 28वें मिनट में अमित रोहदास ने भारत के लिए पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया। भारतीय टीम ने बेहद ही आक्रामक खेल का मुज़ाहिरा किया जिसकी वजह से बंगलादेश के डिफेंस को काफी संघर्ष करना पड़ा। पहले हाफ के अंत तक भारतीय टीम ने अपनी बढ़त को 6-0 से बरकरार रखा। वहीं बंगलादेश ने एक भी गोल नहीं किया। हरमनप्रीत सिंह की अगुवाई वाली टीम ने तीसरे क्वार्टर में भी अपना दबदबा कायम रखा और इस क्वार्टर में भारत ने दो गोल किए। 32वें मिनट में हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर के जरिए अपना तीसरा गोल दागा। इसके बाद अभिषेक ने गोलकीपर को छकाते हुए गोलकर स्कोर 8-0 कर किया।

सुब्रतो कप अंडर-14 टूर्नामेंट के लिए नए कार्यक्रमों की घोषणा

बैंगलुरु, 2 अक्टूबर। सुब्रतो मुखर्जी स्पोर्ट्स एजुकेशन सोसाइटी ने सुब्रतो कप इंटर स्कूल इंटरनेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट के 62वें संस्करण के सब जूनियर (अंडर 14) बालकों के टूर्नामेंट के लिए नए कार्यक्रमों की घोषणा की है। यहां गार्डन सिटी में ये टूर्नामेंट पहली बार खेला जाना है। यह गतिविधि मजबूरन इसलिए लायी गई है क्योंकि दुर्भाग्य से 15 टीमों को अपनी टीम में अधिक उम्र के खिलाड़ियों को मैदान में उतारने के कारण अयोग्य घोषित करना पड़ा।

नए मुकाबलों में 22 टीमों को आठ समूहों में विभाजित किया गया है। रविवार एक अक्टूबर को खेले गए सभी मैचों को भी आयोजकों ने अमान्य घोषित कर दिया है। टूर्नामेंट के नियमों और अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ द्वारा निर्धारित मानदंडों के अनुसार रविवार को एक आयु अनुमान परीक्षण आयोजित किया गया था। परीक्षण बेंगलुरु के तुमकुर रोड पर एक अस्पताल में अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ द्वारा नियुक्त एक डॉक्टर द्वारा किया गया था। कुल 126 खिलाड़ियों का परीक्षण किया गया जिसमें 87 खिलाड़ी परीक्षण में असफल रहे और 34 खिलाड़ी परीक्षण में सफल रहे। पांच खिलाड़ियों के नतीजे आज घोषित किये जायेंगे। प्रत्येक टीम के कम से कम चार खिलाड़ियों का परीक्षण किया गया और अयोग्य घोषित की गई 15 टीमों में कम से कम चार खिलाड़ी अधिक उम्र के पाए गए।

कबड्डी में चीनी ताइपे के साथ ड्रा खेला भारत

हांगझाउ, 2 अक्टूबर। एशियन गेम्स 2023 कबड्डी में भारतीय महिला टीम और चीनी ताइपे के बीच शुरुआती मुकाबला 34-34 के स्कोर के साथ टाई रहा। इस मुकाबले के साथ भारत ने पूल ए में अपने अभियान की शुरुआत की। पूजा ने भारत के लिए शानदार प्रदर्शन करते हुए पहले हाफ में चीनी ताइपे को ऑल-आउट किया, लेकिन दूसरे हाफ में 2018 की कांस्य पदक विजेता चीनी ताइपे की शानदार वापसी ने कबड्डी मैच को टाई पर समाप्त कर दिया।

रितु नेगी की अगुवाई में भारतीय महिला कबड्डी टीम ने ग्रुप ए के पहले मुकाबले का आग़ाज़ चीनी ताइपे के खिलाफ किया। रितु नेगी, साक्षी कुमारी, पुष्पा राणा, निधि शर्मा, पूजा, अक्षिमा बज्जाद और पूजा ने मैट पर चीनी ताइपे के खिलाफ शुरुआत की।

भारत बनाम चीनी ताइपे मुकाबला अपने रोमांच के साथ शुरु हुआ। भारत के लिए पूजा ने पहला प्वाइंट हासिल किया और इसके जबाव में ताइपे की खिलाड़ी ने बोनस के साथ बढ़त बनाई, लेकिन कप्तान रितु नेगी ने टैकल प्वाइंट लेकर भारत का स्कोर बराबर कर दिया। दोनों टीमें शुरुआत से एक दूसरे पर हावी रहीं।

पहले हाफ के समाप्त होने के एक मिनट पहले पूजा ने अपने बेहतरीन मल्टी रेड प्वाइंट की बदौलत चीनी ताइपे टीम को ऑलआउट कर दिया, लेकिन अगले ही लम्हों में चीनी ताइपे ने निधि को टैकल करते हुए दो प्वाइंट अपने नाम किए। इस तरह भारतीय टीम ने पहले हाफ तक 17-15 के स्कोर से अपनी बढ़त बरक़रार रखी।

हाफ टाइम के बाद पूजा ने अपने पहली रेड में ही एक बोनस प्वाइंट हासिल कर भारत के स्कोर में इज़ाफ़ा किया। इसके बाद भारतीय लड़कियों ने बैक-टू-बैक प्वाइंट लेकर स्कोर को 21-16 तक पहुंचा दिया। भारत की रितु नेगी ने अगले ही पल टैकल प्वाइंट लेते हुए स्कोर में दो और प्वाइंट की बढ़ोतरी की। भारतीय खिलाड़ियों ने दूसरे हाफ में अपने दबदबे को बरक़रार रखा, लेकिन चीनी ताइपे खिलाड़ियों ने जल्द ही वापसी करते हुए अपने रेड और टैकल प्वाइंट से स्कोर को 27-27 से बराबरी पर पहुंचा दिया।

निधि शर्मा ने अपने अगले रेड में टच प्वाइंट के साथ बोनस भी हासिल कर स्कोर में इजाफा किया, लेकिन चीनी ताइपे ने भारत को मैच में पहली बार ऑलआउट कर स्कोर में इजाफा किया। मैच अपने आख़िरी चरम पर पहुंच गया था, चीनी ताइपे की टीम एक प्वाइंट के साथ बढ़त बनाए हुई थी। वहीं, अंत तक भारत बनाम चीनी ताइपे मुकाबला में काफी रोमांच देखने को मिला और आख़िर में यह मकुाबला 34-34 के साथ टाई रहा। इस मुकाबले में भारतीय महिला टीम ने 12 बोनस प्वाइंट हासिल किए।

स्केटिंग में भारतीय महिला और पुरुष टीम ने जीते कांस्य पदक

हांगझोउ, 2 अक्टूबर। भारतीय पुरुष और महिला स्पीड स्केटिंग 3000 मीटर रिले टीमों ने सोमवार को एशियाई खेलों में रोलर स्केटिंग स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है। चीन में चल रहे 19वें एशियाई खेलों में आज महिला रिले में, कार्तिक जगदीश्वरन, हीरल साधु और आरती कस्तूरी राज की भारतीय तिकड़ी ने 4:34.861 का समय लिया और चीनी ताइपे (4:19.447) और दक्षिण कोरिया (4:21.146) के बाद तीसरा स्थान हासिल किया। पांच टीमों के बीच हुए मुकाबले में ईरान और थाईलैंड ने क्रमशः चौथा और पांचवां स्थान हासिल किया। वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत के विक्रम राजेंद्र इंगले, सिद्धांत राहुल कांबले और आनंदकुमार वेलकुमार की तिकड़ी ने पुरुषों की रिले में 4:15.126 समय के साथ दूसरे स्थान पर रहकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए भारतीय टीम ने 4:10.128 का समय लिया और तीसरे स्थान पर रही। चीनी ताइपे (4:05.692) ने दक्षिण कोरिया (4:05.702) को पीछे छोड़ते हुए पुरुषों की रिले रेस में भी स्वर्ण पदक जीता। इससे पहले, हांगझोऊ 2023 में महिलाओं की स्पीड स्केटिंग 10000 मीटर पॉइंट-एलिमिनेशन रेस में आरती कस्तूरी राज पांचवें स्थान पर रही थीं, जबकि हीरल साधु बाहर हो गई थीं। पुरुषों की स्पीड स्केटिंग 10000 मीटर पॉइंट-एलिमिनेशन रेस में आनंदकुमार वेलकुमार और सिद्धांत राहुल कांबले क्रमशः छठे और सातवें स्थान पर रहे थे। वहीं, विक्रम राजेंद्र इंगले पुरुषों की स्पीड स्केटिंग 1000 मीटर स्प्रिंट स्पर्धा में पोडियम पर जगह बनाने से चूक गए थे और चौथे स्थान पर रहे थे। इसी स्पर्धा में आर्यनपाल सिंह घुमन सातवें स्थान पर रहे। महिलाओं की स्पीड स्केटिंग 1000 मीटर स्प्रिंट में कार्तिक जगदीश्वरन पांचवें स्थान पर रहीं थी।

सांवलिया जी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शानदार स्वागत हुआ। प्रधानमंत्री ने विशाल जनसभा को संबोधित किया।

सांवलिया जी में मोदी की विशाल सभा, 50,000 लोग आए

प्र.मंत्री मोदी ने कहा चुनाव में हमारा एक ही चेहरा है, कमल का फूल

- मोदी ने कमल के फूल को चेहरा बता कर एक बार फिर साफ कर दिया कि, पार्टी यहां किसी को भी मुख्यमंत्री प्रोजैक्ट नहीं कर रही है। इसे पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के लिए झटका बताया जा रहा है।
- मोदी ने सांवलिया जी में 7000 करोड़ रू. की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी।
- मोदी ने राजस्थान सरकार और मुख्यमंत्री गहलोत पर कटाक्ष किए और कहा, गहलोत तो पूरे समय कुर्सी बचाने में लगे रहे और आधी से ज्यादा कांग्रेस उन्हें कुर्सी से गिराने की कोशिश करती रही।

उदयपुर/मंडफिया, 2 अक्टूबर (कासं)। प्रदेश में विधानसभा चुनावों का बिगुल बजने से पहले भाजपा पूरी तैयारी में जुट गई है। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चित्तौड़गढ़ जिले के प्रसिद्ध सांवलियाजी मंदिर में पूजा-अर्चना कर भारी जनसभा को संबोधित किया, तथा सांवलिया जी में 7000 करोड़ रुपए के विकास कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने इस बार चुनाव में "कमल के फूल" को भाजपा का चेहरा बताया, वहीं कांग्रेस की गहलोत सरकार पर जमकर कटाक्ष किए। सभा में करीब 50 हजार की भीड़ जुटी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार सुबह विशेष विमान से डबोक एयरपोर्ट पहुंचे जहां से वे हेलीकॉप्टर द्वारा चित्तौड़गढ़ रवाना हो गए।

पीएम मोदी ने सांवलिया जी में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, राजस्थान एक ऐसा राज्य है जिसके पास अतीत की विरासत है, वर्तमान की ताकत है और भविष्य की संभावनाएं हैं। नाथद्वारा पर्यटन और सांस्कृतिक केंद्र का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि, यह पर्यटन सर्किट का हिस्सा है, जिसमें जयपुर का गोविंद देव मंदिर, सीकर का खाटू श्याम मंदिर और राजसमंद का नाथद्वारा शामिल है। इससे राजस्थान का गौरव बढ़ेगा व पर्यटन उद्योग को लाभ होगा। स्वदेश दर्शन योजना के तहत सांवलिया सेठ मंदिर में विकास होने से तीर्थयात्रियों को और अधिक सुविधा मिलेगी। प्रधानमंत्री ने कहा, राजस्थान का इतिहास हमें सिखाता है कि, हमें वीरता, गौरव और विकास के साथ आगे बढ़ना चाहिए। आज भारत इसी परिपाटी पर चल रहा है। मोदी ने कहा, आगामी चुनाव में हमारा एक ही चेहरा है और वह चेहरा है "कमल का फूल" और इस कमल के नेतृत्व में ही राजस्थान का भाग्य तेज गति से आगे बढ़ाएंगे। मोदी ने कहा कि हमारी उम्मीद व उम्मीदवार कमल ही है। भाजपा को जिताएंगे, इसी लक्ष्य के साथ हम सबको एकजुट होकर ताकत के साथ निकलना होगा। कहा जा रहा है कि, कमल को पार्टी का चेहरा बताने के साथ ही मोदी ने यहां पर सपने संजोएं बैठी वसुंधरा को दरकिनार करने का संदेश दिया है।

मोदी ने अपने भाषण में राजस्थान की कांग्रेस सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा, मैं दुखी मन से कह रहा हूं कि, आज जब अपराध की बात आती है तो राजस्थान टॉप पर है। राजस्थान के लोगों को भ्रम में डालकर कांग्रेस ने यहां सरकार तो बना ली, लेकिन सरकार चला नहीं पाए। यहां गहलोतजी उठते-बैठते, सोते-जागते मुख्यमंत्री की कुर्सी बचाने में लगे रहे, वहीं आधी से अधिक कांग्रेस उन्हें गिराने में जुटी थी। वे जनता को अपने हाल पर छोड़ आपसी लड़ाई में ही व्यस्त रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चित्तौड़गढ़ जिले के सांवलियाजी में लगभग 7000 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इन परियोजनाओं में मेहसाणा-भटिंडा-गुरदासपुर गैस पाइपलाइन, आबू रोड में हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का एलपीजी संयंत्र, अजमेर बॉटलिंग प्लांट में अतिरिक्त भंडारण, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) रेलवे और सड़क परियोजनाएं, नाथद्वारा में पर्यटन सुविधाएं और कोटा में भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान का स्थायी परिसर शामिल हैं।

'जिसकी जितनी हिस्सेदारी उसकी उतनी भागीदारी'

नीतीश कुमार ने कास्ट सर्वे रिपोर्ट जारी कर 2024 के आम चुनावों की राजनैतिक "थीम" निर्धारित की

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- कास्ट सर्वे रिपोर्ट में ओ.बी.सी. व ई.बी.सी. (इकोनॉमिकली बैकवर्ड क्लास) की आबादी को 63 प्रतिशत बताया गया है। विपक्ष का मत है कि, यह कदम भाजपा के हिन्दुत्व पर भारी पड़ सकता है।
- अब यह मांग उठने की संभावना है कि, जनसंख्या के आधार पर ओ.बी.सी. का आरक्षण कोटा 27 प्रतिशत से बढ़ाया जाए।

नई दिल्ली, 2 अक्टूबर। विधानसभा चुनावों से पहले जातीय सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी कर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और इंडिया गठबंधन ने 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए भी भूमिका तैयार कर ली है।

सर्वेक्षण में ओ.बी.सी. और ई.बी.सी. की अनुमानित जनसंख्या 63 प्रतिशत है जो भाजपा के हिन्दुत्व अभियान पर भारी पड़ सकती है क्योंकि अन्य राज्यों से भी जातीय जनगणना की मांग उठ रही है। कांग्रेस नीत कर्नाटक सरकार पूर्व की सिद्धारमैया सरकार द्वारा करवाई गई जातीय जनगणना की रिपोर्ट जारी करने की योजना बना रही है।

तमिलनाडू सहित कम से कम पांच राज्य सरकारी नौकरियों में सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशांतर्गत आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा को लांघ चुके हैं। बिहार का सर्वेक्षण जारी होने के बाद यह मांग उठेगी कि ओ.बी.सी. की 27 प्रतिशत आरक्षण की सीमा को उनकी जनसंख्या के अनुपात में बढ़ाया जाय।

सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी करने में पहल कर बिहार के मुख्यमंत्री ने सत्तारूढ़ भाजपा की भी हवा निकाल दी है जो ओ.बी.सी. के 27 प्रतिशत आरक्षण कोटे में ही ई.बी.सी. का अलग कोटा बनाना चाहती थी, जस्टिस जी. रोहिणी आयोग की रिपोर्ट की सिफारिशों के अनुसार। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की पार्टी की पूर्व की धारणा से अलग हटकर ओ.बी.सी. के लिए जातीय जनगणना की मजबूत वकालत कर रहे हैं। इससे कांग्रेस को आगामी विधानसभा चुनाव में लाभ मिल सकता है।

पटना में जातीय सर्वेक्षण रिपोर्ट जारी होने के बाद अलग-अलग जातियों की आर्थिक-सामाजिक स्थिति की रिपोर्ट जारी हो सकती है। इसमें सरकारी नौकरियों में विभिन्न जातियों का प्रतिनिधित्व, उनकी शिक्षा और आर्थिक स्थिति जैसे मानदंड हो सकते हैं। बिहार की राजनीति में तो जोर शोर से यह मांग उठ रही है, "जिसकी जितनी हिस्सेदारी, उतनी उसकी भागीदारी।" बिहार के वरिष्ठ प्रेक्षक ने कहा कि आगामी माहों में यह मांग पूरे देश में आग की तरह फैलेगी।

नवरात्रि में घोषित...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यादव बालकनाथ शामिल है। राजस्थान में दो केन्द्रीय मंत्रियों अर्जुनराम मेघवाल और गजेन्द्र सिंह शेखावत को भी मैदान में उतारा जा सकता है और अटकलें हैं कि इनमें से कोई एक मुख्यमंत्री बन सकता है।

पार्टी छत्तीसगढ़ में 21 नामों की घोषणा कर चुकी है और दूसरी सूची शीघ्र जारी कर सकती है। पहले नेतृत्व वसुंधरा राजे की जगह चार बार सांसद रहे उनके पुत्र दुष्यंत सिंह की खड़ा करने की सोच रही थी लेकिन अब उसकी संभावना नहीं है क्योंकि पार्टी परिवार में से एक को ही टिकट देगी। पार्टी के सूत्रों ने कहा उम्मीदवारों की सूची जमीनी रिपोर्टों और सर्वेक्षणों के आधार पर बनाई गई है।

दिल्ली का 3 लाख रु. का इनामी आतंकी गिरफ्तार

- बताया जाता है कि मोहम्मद शाहनवाज़ उर्फ शैफी उज्जमा के सम्बन्ध आई.एस. से हैं और वह किसी बड़ी वारदात करने की तैयारी में था।

नयी दिल्ली, 2 अक्टूबर। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने राजधानी में आतंकी नेटवर्क का भंडाफोड करते हुए आई.एस.आई.एस. मॉड्यूल के एक मोस्ट वांटेड आतंकवादी सहित अन्य तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि, गिरफ्तार आतंकवादी का नाम मोहम्मद शाहनवाज़ उर्फ शैफी उज्जमा है। पुलिस ने शाहनवाज़ से पूछताछ के बाद तीन अन्य लोगों को भी हिरासत में लिया है। शाहनवाज़ पर तीन लाख रुपये का इनाम था। बताया जा रहा है कि, शाहनवाज़ और एक अन्य को जहां दिल्ली से गिरफ्तार किया गया है, वहीं तीसरे संदिग्ध को दिल्ली के बाहर से दबोचा गया है। ये आतंकी मॉड्यूल उत्तर भारत में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे।

दिल्ली पुलिस के मुताबिक शाहनवाज़ पेशे से इंजीनियर है और राष्ट्रीय राजधानी का रहने वाला है। कुछ समय पहले पुणे पुलिस की कस्टडी से फरार हो गया था और तब से वह दिल्ली में ही रह रहा था।

नांदेड के सरकारी अस्पताल में 24 घंटों में 24 मरीजों की मौत

- बताया जाता है कि, शंकर राव चव्हाण सरकारी अस्पताल में दवाओं की भारी कमी से यह हादसा हुआ है, मृतकों में 12 नवजात बच्चे भी हैं।

नांदेड़, 2 अक्टूबर। महाराष्ट्र में नांदेड़ के शंकरराव चव्हाण सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में कथित रूप से दवाओं की कमी के कारण पिछले 24 घंटों में कम से कम 24 गंभीर रूप से बीमार मरीजों की मौत हो गयी। सूत्रों ने सोमवार को बताया कि, मृतकों में 12 नवजात शिशु भी शामिल हैं। बताया जाता है कि, राज्य भर के सरकारी अस्पताल दवाओं की कमी से जूझ रहे हैं। इन सरकारी अस्पतालों में दवा सप्लाई करने वाली कंपनी हाफकिन इन्स्टिट्यूट ने दवाईयों की खरीदारी बंद कर दी है जिसके कारण यह स्थिति पैदा हुई है।

'एक राष्ट्र, एक चुनाव को लागू करने में कोई जल्दबाजी नहीं'

- 'एक राष्ट्र एक चुनाव' के लिए गठित कमेटी के सदस्य गुलाम नबी आजाद ने कहा कि, अभी एक ही बैठक हुई है सभी की राय ली जाएगी। इस मुद्दे पर कोई जल्दबाजी नहीं है।

श्रीनगर, 2 अक्टूबर। डेमोक्रैटिक प्रोग्रेसिव आज़ाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष गुलाम नबी आज़ाद ने सोमवार को कहा कि, देश में "एक राष्ट्र, एक चुनाव" की अवधारणा को लागू करने में कोई जल्दबाजी नहीं है।

आज़ाद पूरे देश में एक साथ राष्ट्रीय और राज्य चुनाव कराने के लिए सरकार की "एक राष्ट्र एक चुनाव" अवधारणा की जांच करने के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति के सदस्य हैं। पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविन्द की अध्यक्षता वाली समिति ने पिछले महीने अपनी पहली आधिकारिक बैठक की।

उन्होंने कहा कि, समिति की केवल प्रारंभिक बैठक हुई थी और यह एक परिचयात्मक बैठक थी। उन्होंने कहा,मुझे नहीं लगता कि इसे लागू करने में कोई जल्दबाजी है, जैसा कि कुछ लोग सुझाव दे रहे हैं। राष्ट्रीय दलों, मान्यता प्राप्त दलों, क्षेत्रीय और अन्य दलों के साथ विचार-विमर्श किया जाना चाहिए तथा विचार-विमर्श के लिए आमंत्रित किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा, यह गलत सूचना है कि समिति स्वयं निर्णय लेगी। उन्होंने कहा, हर किसी की राय मांगी जाएगी।

महिला आरक्षण विधेयक पर आजाद ने कहा कि, यह विधेयक तीन दशक देर से आया है। उन्होंने विधेयक पारित करने के लिए सरकार और अन्य सभी दलों की सराहना करते हुए कहा कि, देर हो गयी है। इसे 15 से 20 साल पहले आना चाहिए था। इसे 30 साल पहले भी आना चाहिए था। यूपीए के समय की तरह पहले के प्रयासों में भी कुछ घटक दल इसके खिलाफ थे। कोई एकमत नहीं था। अब, कम से कम सर्वसम्मति है और यह लोकसभा तथा राज्यसभा दोनों में पारित हो गया।

हिमाचल के लाहौल में हिमपात

शिमला, 2 अक्टूबर। हिमाचल प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट ली है। लाहौल की ऊंची चोटियों पर हल्का हिमपात हुआ है। शिमला में बारिश हुई और कुछ स्थानों पर ओले गिरे हैं। लाहौल-स्पीति व कुल्लू में हल्की बर्फबारी और बारिश हुई। मनाली में सुबह बारिश हुई।

- मनाली-लेहमार्ग पर वाहनों की आवाजाही रोकी गई, हालांकि देर शाम सीमा सडक संगठन ने रास्ता खोल दिया।

मनाली-लेह मार्ग पर वाहन आवाजाही को बर्फबारी के कारण जिंगजिंगबार से आगे रोक दिया गया है। बारालाचा दर्रे में बर्फ जमने से दारचा से आगे किसी भी वाहन को जाने की अनुमति नहीं दी जा रही है।

देर शाम तक सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने बर्फ हटाकर रास्ता खोल दिया, लेकिन यातायात आवाजाही पर प्रशासन फैसला लेगा। दो से तीन दिनों में मानसून प्रदेश से विदा हो जाएगा। छह जिलों, कांगड़ा, ऊना, हमीरपुर, बिलासपुर, सोलन और सिरमौर में मानसून सीजन खत्म हो चुका है, जबकि जिला शिमला के निचले भागों से यह आंशिक रूप से जा चुका है। कुल्लू, किन्नौर, लाहौल-स्पीति, चंबा, मंडी और शिमला के ऊपरी क्षेत्रों से यह मानसून दो-तीन दिनों के भीतर विदा हो जाएगा। पिछले वर्ष भी 3 अक्तूबर को मानसून विदा हुआ था।

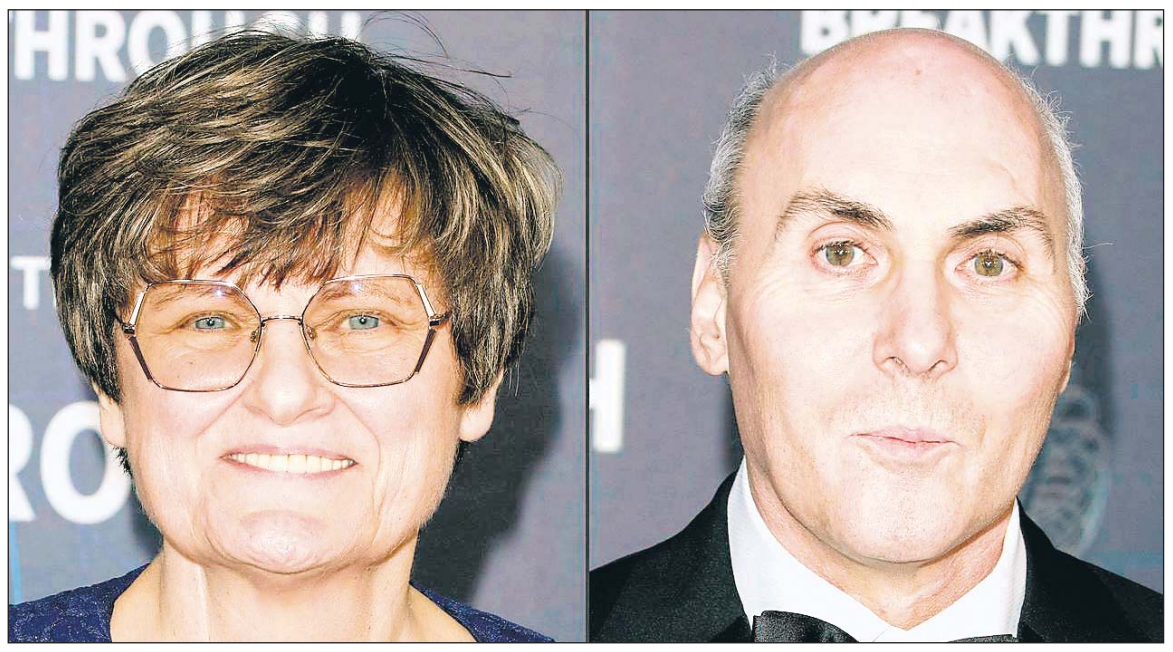

चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार के साथ ही 2023 के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा की शुरुआत हो गई है। शरीर-क्रिया विज्ञान एवं औषधि (फिज़िऑलजी एवं मैडिसिन) क्षेत्र के लिए 2023 का नोबेल पुरस्कार हंगरी मूल की जैव-रसायन वैज्ञानिक कैटलिन कारीको और अमेरिका के ड्रू वाइज़मैन को एम-आरएनए आधारित कोविड-19 वैक्सीन के विकास में उनके योगदान के लिए संयुक्त रूप से देने की सोमवार को घोषणा की गयी। नोबेल असेंबली के सचिव थॉमस पर्लमैन ने स्टॉकहोम के कोरोलिंस्का संस्थान में इस पुरस्कार की घोषणा की। दोनों वैज्ञानिकों को न्यूक्लियोसाइड आधारित संशोधनों से संबंधित उनकी खोजों के सम्मान के तौर पर यह पुरस्कार दिया जा रहा है। बयान के अनुसार उनकी खोज से करोना वायरस-कोविड-19 से बचाव के लिए एम-आरएनए टीकों के विकास में मदद मिली। कैटलिन कारीको मूल रूप से हंगरी की हैं और अमेरिका में बस गयी हैं। वे बायोकेमिस्ट हैं और उन्हें आरएनए के हस्तक्षेप से प्रभावित शारीरिक क्रियाओं की व्यवस्था का विशेषज्ञ माना जाता है। कैटलिन ने प्रोटीन उपचार के लिए इन विट्रो-ट्रांसक्राइब्ड एम- आरएनए के विकास पर शोध किया है। वे पैन्सिल्वेनिया विश्वविद्यालय में सहायक प्रोफेसर हैं। अमेरिका के वैज्ञानिक वाइज़मैन ने पैन्सिल्वेनिया विश्वविद्यालय में ही कारीको के साथ मिल कर शरीर के अंदर न्यूक्लियोसाइड आधारित परिवर्तन पर अनुसंधान किया।

कर्नाटक में कांग्रेस भी जातिगत...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जुबानी जमा खर्च कर रही है लेकिन सबसे पिछड़े वर्ग के हितों की पूर्णतया अनदेखी कर रही है। राहुल ने कहा कि भारत सरकार के 90 सचिवों में से केवल 3 ओ.बी.सी. से होना समाज के वंचित वर्ग के प्रति अन्याय है। राहुल गांधी ने कहा कि जब तक जातीय जनगणना हकर हर जात की संख्या सामने नहीं आती। तब तक उनके लक्षित लाभकारी और कल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिलेगा। उन्होंने वादा किया कि अगर केन्द्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनती है तो सबसे पहले जातीय जनगणना होगी।

राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना और मिजोरम में होने वाले विधानसभा चुनाव के मौके पर उठाए गए इस मुद्दे ने भाजपा को परेशान कर दिया है जिसकी पूर्व में सुनियोजित सोशल इंजीनियरिंग ने उसे देश भर में ओ.बी.सी. का भारत समर्थन दिलाया था जिससे उसे भारी बहुमत मिला।

कर्नाटक में कांग्रेस के सूत्र संकेत दे रहे हैं कि राज्य सरकार शीघ्र जातीय जनगणना रिपोर्ट जारी कर रही है। पिछली सिद्धारमैया सरकार (2013-2018) में जातीय जनगणना हुई अवश्य थी लेकिन कार्यकाल समाप्त होने तक जारी नहीं हो पाई।

हालांकि रिपोर्ट जारी करने में एक संशय यह है कि जातीय जनगणना के आंकड़े दो जातियों का प्रभुत्व कम कर सकते हैं-लिंगायत और वोक्कालिगा, क्योंकि असली आंकड़े इस धारणा को चुनौती दे सकते हैं कि राज्य की आबादी में उनका बड़ा हिस्सा है।

यह संशय अवश्य है कि, जातीय जनगणना के आंकड़ों से कुछ और आंतरिक विभाजन हो सकते हैं। जिससे आरक्षित सीटों में फेरबदल हो सकता है। अभी कर्नाटक की 224 विधानसभा सीटों में से 36 आरक्षित हैं।

जनगणना के आंकड़े जारी करने के मामले में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार एकमत हैं। कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व ओ.बी.सी. का मुद्दा इतनी मजबूती से उठा रहा है कि कर्नाटक राज्य सरकार तुरंत इस पर कार्रवाई करेगी।

लेकिन इससे यह तथ्य समाप्त नहीं हो जाता कि इसमें कई स्थानीय मुद्दे भी हैं जिससे जातीय आंकड़ों से राजनैतिक गठबंधन और सामाजिक शक्तियों का समीकरण बिगड़ सकता है। कुशल आर्थिक सामाजिक सर्वेक्षण और जातीय जनगणना के पक्ष में यह तर्क है कि इससे सरकार असमानताओं को कम कर सकेगी और ओ.बी.सी., दलितों, आदिवासियों और महिलाओं को राजनीति, प्रशासन और अन्य क्षेत्रों में उचित प्रतिनिधित्व दे सकेगी।

राहुल गांधी ने स्वर्ण मंदिर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहुंचने पर राणा के. पी. सिंह, सांसद गुरजीत सिंह औजला, इंटक नेता सुरिंदर शर्मा तथा अन्य नेताओं स्वागत किया। स्वर्ण मंदिर पहुंचने पर पार्टी के अनेक वरिष्ठ नेता वहां मौजूद थे। गांधी का अन्य धार्मिक स्थलों पर भी मत्था टेकने का कार्यक्रम है।

उनके इस दौरे के मद्देनजर सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई है। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर कहा कि, गांधी स्वर्ण साहिब में माथा टेकने के लिए अमृतसर आ रहे हैं। यह उनकी निजी और आध्यात्मिक यात्रा है, उनकी निजता का सम्मान करें। सभी पार्टी कार्यकर्ताओं से अनुरोध है कि वे इस दौरान वहां न पहुंचे। अगली बार वे उनसे मिल सकते हैं।

पार्टी की अमृतसर इकाई के अध्यक्ष अश्वनी कुमार पप्पू ने कहा कि, गांधी स्वर्ण मंदिर आएंगे। पार्टी की ओर से हिदायत है कि, गांधी के निजी कार्यक्रम में कोई भी नेता नहीं होना चाहिए। इसलिए कोई भी पार्टी नेता उनके निजी कार्यक्रम में हिस्सा नहीं लेगा। राहुल गांधी अन्य धार्मिक स्थलों पर भी माथा टेकेंगे। इससे पहले राहुल गांधी अपनी भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भी अमृतसर आए थे और स्वर्ण मंदिर में पीली पगड़ी पहन कर मत्था टेका था।

बिहार कास्ट सर्वे: भाजपा नेतृत्व...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने कहा कि रिपोर्ट का विस्तृत अध्ययन करने के बाद ही पार्टी अपनी प्रतिक्रिया देगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा ने सर्वे का दृढ़ता से समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि "भाजपा ने सर्वे का पूर्ण समर्थन किया था। हम जब बिहार में सरकार का हिस्सा थे, तब हमने ही यह कार्य शुरु किया था।"

प्रकाशित डेटा से पता चला है कि बिहार की कुल आबादी में ओ.बी.सी. और ई.बी.सी. का 63 प्रतिशत का एक बड़ा हिस्सा है। विकास आयुक्त विवेक सिंह द्वारा पटना में जारी किए गए डेटा के अनुसार राज्य की कुल आबादी 13.07 करोड़ से थोड़ी ही अधिक है और उसमें से एक्सट्रीमली बैकवर्ड क्लासेस (ई.बी.सी.) 36 प्रतिशत के साथ सबसे बड़ा सामाजिक वर्ग है व उसके बाद अदर बैकवर्ड क्लासेस (ओ.बी.सी.) 27.13 प्रतिशत है।

सर्वे में यह भी बताया गया कि ओ.बी.सी. में आने वाले यादव, जिनसे उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव का भी ताल्लुक है, वह कुल आबादी के 14.27 प्रतिशत के साथ सबसे बड़ा ओ.बी.सी. ग्रुप है।

दलित, जिन्हें अनुसूचित जाति के नाम से भी जाना जाता है, राज्य की कुल आबादी का 19.65 प्रतिशत है। राज्य में अनुसूचित जनजातियों के लोगों की आबादी 22 लाख यानी कि 1.68 प्रतिशत है।

अनारक्षित वर्ग यानी कि सर्वविदित "सवर्ण" जिनका 1990 के दशक की मण्डल लहर तक राजनीति में दबदबा था की जनसंख्या कुल आबादी का 15.52 प्रतिशत है।

सर्वे में यह भी प्रतिपादित किया गया है कि राज्य की कुल आबादी में हिन्दुओं की संख्या 81.99 प्रतिशत है, जबकि मुस्लिम 17.7 प्रतिशत है।

अन्य धर्मों को मानने वाले ईसाई, सिख, जैन और अनीश्वरवादियों की आबादी की भी राज्य में नाम मात्र की उपस्थिति है। इन सभी की आबादी राज्य की कुल जनसंख्या के एक प्रतिशत से भी कम है।

"इण्डिया" गठबंधन के गठन में प्रसाद और कुमार दोनों की ही महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इस गठबंधन ही हाल ही बैंगलुरु में हुई मीटिंग में जातिगत जनगणना की प्रतिबद्धता व्यक्त की गई थी और उस प्रतिबद्धता को अब पूरा कर लिया गया है।

केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने जब यह स्पष्ट कर दिया था कि वह जनगणना में एस.सी. और एस.टी. के अलावा अन्य जातियों के लोगों की गणना में समर्थ नहीं होगी, उसके बाद ही इस प्रकार का सर्वे कराने के पिछले वर्ष आदेश दिए गए थे।

इससे पहले सभी जातियों के लोगों की गणना वर्ष 1931 में की गई थी। जो लोग जातियों का नवीनत सर्वे कराने की मांग कर रहे है उनका यह जोर देकर कहना है कि स्वतंत्रता के बाद के युग में बेहतर जीवन प्रत्याशा वाले समाज के जिन कमजोर वर्गों की आबादी में अनुपातिक वृद्धि हुई है, उनके लिए एक नया आकलन बेहद जरुरी है।

राज्य मंत्रिमण्डल ने गत वर्ष 2 जून को एक जातिगत सर्वे का अनुमोदन किया था और इसके लिए 5 सौ करोड़ रुपयों की भारी भरकर राशि स्वीकृत की गई थी। सर्वे के काम में हल्का सा रोड़ा तब अटक गया था जब इस मुद्दे पर सुनवाई कर रहे पटना हाईकोर्ट ने सर्वे पर रोक लगा दी थी।

डिज़ाइन बॉक्स...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रहे हैं, मुख्यमंत्री के अलावा किसी के साथ भी को-आपरेट करने से इन्कार कर रहे हैं और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जो कि राज्य में संगठन के प्रभारी भी हैं, के साथ अपनी प्रचार योजनाओं को शेयर करने से भी इन्कार कर रहे हैं? अब यह देखना मजेदार होगा कि अशोक गहलोत इस पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं और क्या डिज़ाइन बॉक्स को अभी भी मुख्यमंत्री गहलोत का वरदहस्त प्राप्त होता रहेगा।

सीटों के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य पार्टियों ने जातिगत जनगणना का मुद्दा जोर शोर से उठाया है, लेकिन इसे लेकर कई पार्टियों के बीच मतभेद हैं। भोपाल रैली के रद्द होने के बाद हुईं पांच संयुक्त रैलियों में भी इस पर कोई चर्चा नहीं हुई। ऐसे संकेत हैं कि सीट शेयरिंग के निर्णय के लिए पार्टियों को नवम्बर माह में होने जा रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों तक इन्तज़ार करना होगा।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600